अब वेब पर भी www.rashtriyaprastavana.com

उत्तर प्रदेश (लखनऊ व कानपुर) से एक साथ प्रकाशित प्रमुख समाचार पत्र

आर.एन.आई. नं.-यूपीएचआईएन/2011/37605

दैनिक राष्ट्रीय प्रस्तावना

गाँव से गवर्नेन्स तक

लखनऊ, रायबरेली, इलाहाबाद,आजमगढ़, अयोध्या, झांसी,अम्बेडकरनगर, एटा,औरैया, अमेठी, फतेहपुर, बांदा, उन्नाव, लखीमपुर, मुरादाबाद, कन्नौज, बाराबंकी, सीतापुर,जौनपुर,श्रावस्ती,उरई,जालौन, फिरोजाबाद,हरदोई, मथुरा,कानपुर,ललितपुर, गोण्डा, सहारनपुर,सिद्धार्थनगर,सन्तकबीरनगर, नोयडा, सुलतानपुर, कासगंज सहित प्रदेश के समस्त क्षेत्रों में बहुप्रसारित

वर्ष : 14 अंक 335 लखनऊ, मंगलवार, 24 जून 2025 पृष्ठ: 8 मूल्य : 2.00

संक्षिप्त

ईरान की मिसाइलों से इजराइल में बिजली स्टेशन तबाह, कई शहरों में बिजली गुल

तेल अवीव। इस समय उत्तरी इजराइल में हमले के सायरन बज रहे हैं। कुछ समय पहले ईरान ने इजराइल के कई स्थानों पर मिसाइलें दागी हैं। इस हमले में एक बिजली स्टेशन तबाह हो गया है। इसके बाद आसपास के कई शहरों में बिजली गुल हो गई। द टाइम्स ऑफ इजराइल अखबार की खबर के अनुसार इस समय लगातार उत्तरी इजराइल में सायरन बज रहे हैं। नागरिकों को अगले आदेश तक सुरक्षित आश्रयों में रहने का निर्देश दिया गया है। इजराइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) के ताजा आकलन के अनुसार कुछ देर पहले ईरान ने 40 मिनट के अंदर छह या सात मिसाइलें दागीं। इन हमलों में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। इजराइल इलेक्ट्रिक कॉरपोरेशन के अनुसार दक्षिणी इजराइल में एक बिजली स्टेशन के बगल में बैलेस्टिक मिसाइल गिरने से आस-पास के शहरों में बिजली गुल हो गई। टीमें बिजली आपूर्ति बहाल करने के प्रयास कर रही हैं।

सुप्रीम कोर्ट एकल माताओं के बच्चों के ओबीसी प्रमाणपत्र विवाद पर करेगा विचार

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को कहा कि एकल माताओं के बच्चों को अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) प्रमाणपत्र जारी करने के लिए संबंधित नियमों में संशोधन करने का निर्देश देने की मांग वाली रिट याचिका पर विचार करेगी। न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की अंशकालीन कार्य दिवस पीठ ने इस मामले में विस्तृत सुनवाई की जरुरत बताते हुए कहा कि इस मामले में 22 जुलाई को विचार किया जाएगा। पीठ ने कहा, मौजूदा रिट याचिका एकल माताओं के बच्चों को ओबीसी प्रमाणपत्र जारी करने के बारे में एक महत्वपूर्ण मुद्दा उठाती है, जिसमें मां ओबीसी से संबंधित है।

नक्सलवाद के खात्मे के इतिहास में सुरक्षा बलों का बलिदान स्वर्णिम अक्षरों में लिखा जायेगा: शाह

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि अगले वर्ष जब देश नक्सलवाद से मुक्त होगा तो वह क्षण आजादी के बाद के सबसे महत्वपूर्ण क्षणों में से एक होगा और नक्सलवाद के खात्मे के इतिहास में सुरक्षा बलों का बलिदान तथा परिश्रम स्वर्णिम अक्षरों में लिखा जायेगा। श्री शाह ने सोमवार को छत्तीसगढ़ के नवा रायपुर में सुरक्षा बलों के जवानों के साथ संवाद के दौरान यह बात कही। बैठक में छत्तीसगढ़ के मुख्य मंत्री विष्णु देव साय, उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, केन्द्रीय गृह सचिव, आसूचना ब्यूरो के निदेशक, सीमा सुरक्षा बल के महानिदेशक सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने हिस्सा लिया।

हर नागरिक की सेवा, सुरक्षा और सम्मान सरकार की पहली प्राथमिकता : सीएम

● मुख्यमंत्री ने सोमवार को लखनऊ में किया 'जनता दर्शन'

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को 'जनता दर्शन' किया। इस दौरान यहां प्रदेश भर से लगभग 65 से अधिक पीड़ित पहुंचे। मुख्यमंत्री हर पीड़ित के पास स्वयं पहुंचे, समस्या सुनी, प्रार्थना पत्र लिया और उन्हें अहसास कराया कि हर समस्या में सरकार साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री ने निराकरण के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश के हर नागरिक की सेवा, सुरक्षा और सम्मान सरकार की पहली प्राथमिकता है। सरकार विगत 8 वर्ष से इसी उद्देश्य से कार्य कर रही है।

जनता दर्शन में पुलिस, राजस्व, चिकित्सा सहायता, शिक्षा, आवास, आंगनबाड़ी, कब्जा आदि से जुड़े अनेक मामले आए, जिस पर प्रार्थना पत्र लेकर मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई का निर्देश दिया। जनता की समस्या सुनते हुए सीएम ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि हर पीड़ित की समस्या पर तत्काल कार्रवाई होनी चाहिए।

इसमें हीलाहवाली बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित और संतुष्टिपरक निस्तारण का निर्देश देने के साथ लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान कराने के लिए दृढ़ संकल्पित है। सबको न्याय मिलेगा और सबकी पीड़ा दूर की जाएगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'जनता दर्शन' में आए बच्चों को दुलार किया। उन्होंने बच्चों से बातें कीं, पढ़ाई के बारे में जानकारी ली। सीएम योगी ने चॉकलेट-टॉफी प्रदान कर बच्चों को उज्ज्वल भविष्य का आशीर्वाद दिया।

मुखर्जी ने जो सपना देखा, मोदी ने उसे पूरा किया : योगी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि के अवसर पर सिविल अस्पताल स्थिति उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज भारता माता के महान सपूत, भारतीय जनसंघ के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. मुखर्जी की पावन पुण्यतिथि है। आज ही के दिन 1953 में मुखर्जी ने अखण्ड भारत के लिए अपना बलिदान दिया था। मुखर्जी एक महान शिक्षाविद्, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और एक भारत श्रेष्ठ भारत के स्वप्नद्रष्टा थे। स्वतंत्र भारत में कैबिनेट मंत्री के रूप में उन्होंने देश को अपने विजनरी नेतृत्व से लाभान्वित करके देश की औद्योगिक नीति को तय करके अपनी भूमिका निर्वहन किया था। देश के अंदर खाद्य मंत्री के रूप में भी उन्होंने एक बड़ी भूमिका का निर्वहन किया था। उन्होंने कैबिनेट से नेहरू सरकार की ओर से आजादी के तत्काल बाद राष्ट्रीय एकता और अखण्डता से किए जा रहे खिलवाड़ की वजह से इस्तीफा दे दिया था।योगी ने कहा कि भारतीय जनसंघ के पहले अध्यक्ष के रूप में उन्होंने देश के अंदर एक नई राजनीतिक शुरुआत को आगू बढ़ाया था।

ईरान के खिलाफ अमेरिका ने भारतीय हवाई क्षेत्र का इस्तेमाल नहीं किया: सरकार

नई दिल्ली। भारत सरकार ने स्पष्ट किया है कि ऑपरेशन मिडनाइट हैमर के दौरान ईरान के खिलाफ हमले में अपने बी-2 बमवर्षक विमानों की उड़ान के लिए अमेरिका ने भारतीय हवाई क्षेत्र का इस्तेमाल नहीं किया था। भारत सरकार के प्रेस सूचना ब्यूरो (पीआईबी) ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, कई सोशल मीडिया अकाउंट्स ने दावा किया है कि ऑपरेशन मिडनाइट हैमर के दौरान ईरान के खिलाफ विमानों की उड़ान के लिए अमेरिका द्वारा भारतीय हवाई क्षेत्र का इस्तेमाल किया गया था। यह दावा फर्जी है। ऑपरेशन मिडनाइट हैमर के दौरान अमेरिका द्वारा भारतीय हवाई क्षेत्र का इस्तेमाल नहीं किया गया था।पीआईबी ने सबूत के तौर पर अमेरिकी सेना के ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के अध्यक्ष जनरल डैन केन की प्रेस ब्रीफिंग का लिंक संलग्न किया जिसमें जनरल डैन केन ने अमेरिकी विमानों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले मार्ग के बारे में बताया है।

उत्तर प्रदेश में तीन चरणों में लागू होगी जीसीएम प्रणाली, शहरों को मिलेगी ग्रीन रैंकिंग

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

● नगर विकास विभाग की हरित पहल, जीसीएम प्रणाली के तहत होगी तीन स्तरीय मॉनिटरिंग

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के नगर विकास विभाग ने शहरी हरित नीति के तहत एक महत्वाकांक्षी पहल शुरू की है। इसके अंतर्गत प्रदेश के शहरों में ग्रीन कवर की निगरानी के लिए ग्रीन सिटी मॉनिटरिंग (जीसीएम) प्रणाली विकसित की जाएगी। नगर विकास विभाग, जीसीएम प्रणाली के तहत प्रदेश के शहरों के ग्रीन कवर और पर्यावरण संरक्षण के लिए किये गये कार्यों के आधार पर तीन स्तरीय मॉनिटरिंग करेगा। मॉनिटरिंग की यह प्रक्रिया पूरे प्रदेश में तीन चरणों में पूरी होगी। जो कि 2025 से शुरू होकर 2030 तक पूरे प्रदेश में लागू कि जाएगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन के अनुसार नगर विकास विभाग की यह पहल यूपी में सतत और संपोषणीय शहरी विकास को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन के अनुरूप प्रदेश के शहरों में पर्यावरण संरक्षण और हरित आवरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से नगर विकास विभाग ग्रीन सिटी मॉनिटरिंग (जीसीएम) प्रणाली विकसित की है। जीसीएम प्रणाली के तहत प्रदेश के शहरों के ग्रीन कवर की तीन स्तरों निकाय स्तर, राज्य स्तर और राष्ट्रीय स्तर पर मॉनिटरिंग की जाएगी। निकाय स्तर पर नगर आयुक्त या जिला अधिकारी जिला पर्यावरण समिति का गठन कर, हरित कार्यों की त्रैमासिक और वार्षिक रिपोर्ट स्टेट पोर्टल पर अपलोड करेंगे।

राज्य स्तर पर स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत राज्य स्तरीय तकनीकी समिति और एक समर्पित निगरानी टीम मॉनिटरिंग का कार्य करेगी। तो वहीं तृतीय स्तर पर राष्ट्रीय स्तर के प्रतिष्ठित संस्थान थर्ड पार्टी निरीक्षण के माध्यम से शहरों के कार्यों का सत्यापन किया जाएगा।

भारतीय सेना ने खरीदे 450 नागास्त्र 'आत्मघाती ड्रोन'

● लोइटरिंग म्यूनिशन सिस्टम में 80 फीसदी से ज्यादा स्वदेशी सामग्री का इस्तेमाल हुआ

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय सेना 450 नागास्त्र-1आर लोइटरिंग युद्ध सामग्री का ऑर्डर देकर अपनी सटीक हमला क्षमताओं को बढ़ा रही है। जीपीएस से लैस इन स्वदेशी 'आत्मघाती ड्रोन' में सटीकता के साथ हमले करने की क्षमता, उच्च ऊंचाई पर संचालन और दिन-रात निगरानी की सुविधा है। दुश्मन के ठिकानों पर सटीक हमलों के लिए डिजाइन किया गया यह हथियार देश के सैन्य ढांचे को और मजबूत करेगा। इस सिस्टम का परीक्षण लद्दाख और उत्तर प्रदेश में झांसी के पास बबीना सहित विभिन्न स्थानों पर किया गया है। आने वाले समय में ऐसे और भी अत्याधुनिक स्वदेशी हथियार सेना को मिल सकते हैं।

नागपुर की सोलर डिफेंस एंड एयरोस्पेस लिमिटेड में निर्मित अत्याधुनिक लोइटरिंग म्यूनिशन नागास्त्र-1आर की पहली खेप हासिल करने के बाद भारतीय सेना ने उपयोग किया है। इस हथियार की बढ़ती जरूरतों को देखते हुए अब सेना ने अपनी सटीक हमला क्षमताओं को बढ़ाने, अपनी पैदल सेना को आधुनिक बनाने के लिए 450 नागास्त्र-1आर लोइटरिंग युद्ध सामग्री का ऑर्डर दिया है। यह एक किफायती सिस्टम है, जिसमें लॉन्चर सिस्टम की पूरी तरह से दोबारा इस्तेमाल की जा सकने वाली खूबियां हैं। इस सिस्टम में 360 डिग्री का जिम्बल कैमरा लगा है और रात में ऑपरेशन करने के लिए थर्मल कैमरा लगाने का विकल्प भी है। सोलर डिफेंस एंड एयरोस्पेस लिमिटेड में निर्मित लोइटरिंग म्यूनिशन सिस्टम में 80 फीसदी से ज्यादा स्वदेशी सामग्री का इस्तेमाल हुआ है। इसे आम भाषा में 'घूमकर हमला करने वाला हथियार' कहा जा सकता है, क्योंकि यह एक तरह से हवाई एंबुश यानी घात लगाकर हमला करता है। दुश्मन के इलाके में उड़कर पहुंचने के बाद यह लक्ष्य के ऊपर हवा में मंडराता है और जैसे ही सही मौका मिलता है, यह सटीक निशाना लगाकर दुश्मन को खत्म कर सकता है। खास बात यह है कि अगर हमला रद्द करना हो तो इसे वापस भी बुलाया जा सकता है, जिससे यह दोबारा इस्तेमाल किया जा सकता है।

रेरा की समीक्ष बैठक संपन्न, अध्यक्ष रेरा ने दिये आवश्यक दिशा-निर्देश

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश भू-सम्पदा विनियामक प्राधिकरण (रेरा) संजय आर. भूसरेडडी की अध्यक्षता में साप्ताहिक समीक्षा बैठक लखनऊ स्थित रेरा मुख्यालय के सभागार में संपन्न हुई। नोयडा कार्यालय के आधिकारियों द्वारा भी वीडियो कान्फ्रेन्सिंग के माध्यम से बैठक में भाग लिया गया। बैठक की अध्यक्षता करते हुए अध्यक्ष यू.पी. रेरा श्री भूसरेडडी ने विन्दुवार गहन समीक्षा की तथा प्राथमिकता से प्रकरणों के निस्तारण के निर्देश संबन्धित अधिकारियों को दिये। धारा-31 के अन्तर्गत दायर की जाने वाली शिकायतों का अनुश्रवण, अवमानना याचिकाओं की स्थिति, अपीलों की स्थिति, सर्वोच्च न्यायालय, मा. उच्च न्यायालय एवं ट्रिब्युनल रेरा में दायर वादों की स्थिति, रिट याचिकाओं की स्थिति, महत्वपूर्ण प्रकरणों में पैरवी की स्थिति आदि की गहन समीक्षा की तथा संबंधित अधिकारियों को प्रभावी ढंग से कार्यवाही के निर्देश दिये।

इसके अतिरिक्त अध्यक्ष यू.पी.रेरा ने रेरा एजेन्टस एवं मूल्यांकन, प्रमोटर्स एवं शिकायतकर्ता के मध्य रेरा आदेशों के सन्दर्भ में किये गये समझौते, प्रमोटर्स द्वारा पंजीकृत परियोजनाओं में रेरा अधिनियम, नियमावली एवं रेग्युलेशन के प्राविधानों के अनुपालन, मा0 उच्च न्यायालय में रिट याचिकाओं की स्थिति, रेरा पोर्टल से संबंधित तकनीकी बिन्दु, रेरा में पंजीकृत समस्त परियोजनाओं के आ.सो./सी.सी. अपलोड किये जाने की स्थिति, मानव सम्पदा प्रबन्धन, रेरा के निर्माणाधीन मुख्यालय भवन की स्थिति आदि की भी समीक्षा की।

अध्यक्ष रेरा ने कहा कि यू0पी0 रेरा की ओर से प्रमोटरों पर निगरानी बढ़ाने और मानकों में आवश्यकतानुसार परिवर्तन किये जाने के परिणाम स्वरूप शिकायतों में कमी आयी है। शिकायतों का निस्तारण भी तेजी के साथ किया जा रहा है। बैठक में सचिव उ0 प्र0 रेरा, महेन्द्र वर्मा, प्रमुख सलाहकार अबरार अहमद, तकनीकी सलाहकार संजय तिवारी, वित्त परामर्शदाता सुधांशु त्रिपाठी, सयुक्त सचिव उमाशंकर सिंह, सहायक निदेशक सिस्टम अमरीश कुमार सहित रेरा के अन्य अधिकारी व नोयडा कार्यालय से वीडियो कान्फ्रेन्सिंग के माध्यम से जुड़े अधिकारी मौजूद रहे।

सपा ने भाजपा के नजदीक जाने वाले अपने तीन विधायकों को पार्टी से किया निष्कासित

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) ने पार्टी विरोधी गतिविधियों के आरोप में पार्टी से तीन विधायकों को निष्कासित कर दिया है। पार्टी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर तीनों बागी विधायकों के निष्कासन की जानकारी साझा की है।

पार्टी की पोस्ट में बताया गया है कि समाजवादी सौहार्दपूर्ण सकारात्मक विचारधारा की राजनीति के विपरीत साम्प्रदायिक विभाजनकारी नकारात्मकता व किसान, महिला, युवा, कारोबारी, नौकरीपेशा और 'पीडीए विरोधी' विचारधारा का साथ देने के कारण, समाजवादी पार्टी जनहित में गोशाईगंज के विधायक अभय सिंह, विधायक गौरीगंज राकेश प्रताप सिंह और विधायक ऊँचाहार मनोज कुमार पाण्डेय को पार्टी से निष्कासित किया गया है। इन लोगों को हृदय परिवर्तन के लिए दी गयी 'अनुग्रह-अवधि' की समय-सीमा अब पूर्ण हुई, शेष की समय-सीमा अच्छे व्यवहार के कारण शेष है।

यूपी में 2027 का चुनाव देश की राजनीति बदलने वाला होगा : अखिलेश यादव

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि 2027 का विधानसभा चुनाव देश की राजनीति को बदलने वाला साबित होगा। चुनावों में भाजपा की धांधली रोकना होगा। भाजपा की साजिशों से सावधान रहना होगा। समाजवादी पार्टी के सभी कार्यकर्ता एकजुट होकर बूथ स्तर तक पार्टी संगठन को मजबूत बनाकर भाजपा का सफाया करना होगा।

अखिलेश यादव आज समाजवादी पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में डॉ. राममनोहर लोहिया सभागार में बड़ी संख्या में एकत्र पार्टी कार्यकर्ताओं को सम्बोधित कर रहे थे। उनके सम्बोधन के पूर्व स्टैण्डअप कॉमेडियन राजीव निगम की ''बहुत हुआ सम्मान'' कमेडी को सराहा। सपा अध्यक्ष ने कहा कि समाजवादी पार्टी पीडीए की रणनीति से भाजपा को हराने का काम करेगी। भाजपा सरकार पीडीए के साथ अन्याय, अत्याचार कर रही है। भाजपा पीडीए विरोधी है। पीडीए का आरक्षण और हक छीन रही है। पीडीए एक भावनात्मक गठबंधन है। उन्होंने कहा कि भाजपा षडयंत्रकारी पार्टी है।

मानव जीवन का लक्ष्य परमात्मा की प्राप्ति : स्वामी कौशिक चैतन्य महाराज

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। सार्वजनिक शिक्षोन्यन संस्थान द्वारा संचालित वृद्धाश्रम में विगत दिनों वहाँ पर निवास कर रहे दो लोगों का जन्मदिन बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया, जिसमें चिन्मय मिशन उ0प्र0 के संचालक स्वामी कौशिक चैतन्य जी महाराज ने वहाँ पर उपस्थित बाबा दादी को आध्यात्मिक उपदेश देते हुए उन्हें जीवन के मूल उद्देश्य के बारे में अवगत कराया।

सरोजनीनगर स्थित वृद्धाश्रम में मुख्य वक्ता के रूप में बोलते हुए स्वामी कौशिक चैतन्य जी महाराज ने कहा कि वृद्धाश्रम में रहने वाले जनों को अब किसी भी निराशा की आवश्यकता नहीं है क्योंकि अब उनके जीवन में प्रभू की प्राप्ति के अलावा कोई अन्य लक्ष्य नहीं होना चाहिए। जीवन के चार आश्रम होते हैं जिसमें यह वानप्रस्थ आश्रम बहुत महत्वपूर्ण है और बचे हुए समय को परमात्मा के भजन में लगाना चाहिए। उन्होंने उपस्थित समूह को राम नाम संकीर्तन से जोड़ते हुए भजन कराया और उन्हें इसी नाम को नियमित जपने की दीक्षा भी दी। अपने वक्तव्य में उन्होंने बहुत सारी ऐसी बातों पर प्रकाश डाला जो जीवन में बहुत ही महत्वपूर्ण है। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे संस्थान के अध्यक्ष और अखिल भारतीय साहित्य परिसर के राष्ट्रीय अध्यक्ष देश के जाने माने समाजसेवी डॉ0 सुशील चन्द्र त्रिवेदी 'मधुपेश' ने अपने उद्बोधन में कहा कि यह हमारा परिवार है। यहाँ रहने वाले सभी बाबा दादी बड़े ही प्रेमभाव से रहते हैं और सरकार के द्वारा चलाये जाने वाले इस अभियान में सार्वजनिक शिक्षोन्यन संस्थान हमेशा अपनी साकारात्मक भूमिका में अग्रणी रहा है, जिसका उदाहरण यहाँ पर रहने वाले लोगों की प्रसन्नता बता रही है। उन्होंने अपने सम्बोधन में वृद्धाश्रम में कार्य कर रहे सभी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों का उत्साहवद्र्धन करते हुए इसी ऊर्जा के साथ कार्य करने की सलाह देते हुए उन्हें अपना आशीर्वचन भी प्रदान किया। इस कार्यक्रम में अखिल भारतीय साहित्य परिषद के पदाधिकारी डॉ0 देवी प्रसाद तिवारी ने भी अपने विचार व्यक्त किये। साथ ही उप निदेशक, सूचना से सेवानिवृत्त हुए दिनेश कुमार गर्ग ने वृद्धाश्रम में रहने वाले बाबा और दादी को अपना सानिध्य प्रदान किया। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ पत्रकार संजीव श्रीवास्तव ने किया और आभार प्रदर्शन वृद्धाश्रम की मैनेजर शैलेन्द्री मिश्रा उर्फ लक्ष्मी के द्वारा किया गया। इस अवसर पर लखीमपुर वृद्धाश्रम की संचालिका रीतू शाह का जन्मदिन भी मनाया गया और सरोजनीनगर में रह रहे 87 वर्षीय एक बाबा का भी जन्मदिन हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। महराज जी द्वारा पटका और वस्त्र पहना कर उन्हें सम्मानित भी किया गया। साथ ही संस्थान के संचालक डॉ0 मधुपेश जी के द्वारा महाराज जी को माल्यर्पण और अंगवस्त्र प्रदान कर उनका सम्मान किया गया। इस अवसर पर सैकड़ों जन मौजूद रहे।

हरियाली संग सेहत का भी ख्याल, इस बार भी पौधारोपण का रिकॉर्ड बनाने जा रही सरकार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

पोषण का पॉवर हाउस कहे जाने वाले सहजन को लेकर सीएम योगी का खास निर्देश

लखनऊ। योगी सरकार हर बार की तरह इस बार भी पौधरोपण का रिकार्ड बनाने जा रही है। वन महोत्सव के तहत यह अभियान एक जुलाई से शुरू होगा। लक्ष्य 35 करोड़ पौधरोपण का है। वर्ष 2024 में भी इतने का ही लक्ष्य था, पर लक्ष्य के सापेक्ष अधिक पौधरोपण हुआ था। इस साल भी नर्सरी में तैयार पौधों की संख्या और योगी सरकार की तैयारियों के मद्देनजर पूरी उम्मीद है कि हर साल की तरह वर्ष 2025 के भी अभियान में भी एक नया रिकॉर्ड बनेगा। हर साल लगभग इसी सीजन में किए जाने वाले पौधरोपण का मकसद प्रदेश में हरितिमा बढ़ाना, पर्यावरण को स्वच्छ व सुंदर बनाना, जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों को कम करना और हर प्रकार के पौधे (फलदार, छायादार, औषधीय और इमारती) लगाकर अधिकतम जैव विविधता को सुनिश्चित करना है। पर्यावरण संरक्षण में पौधरोपण के इसी बहुआयामी महत्व के मद्देनजर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इसे जनांदोलन बनाना चाहते हैं। इस बाबत वह कई बार कह चुके हैं कि पर्यावरण संरक्षण केवल शासन की नहीं, बल्कि समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। 2030 तक प्रदेश के हरित आवरण को 20 प्रतिशत तक ले जाने का हमारा लक्ष्य तभी सफल होगा जब वृक्षारोपण जनांदोलन का स्वरूप ले। सहजन के पौधरोपण के जरिये लोगों की सेहत का ख्याल रखेगी योगी सरकार व्यापक लक्ष्य के साथ शुरू होने वाले पौधारोपण अभियान के अंतर्गत योगी सरकार सहजन के जरिये लोगों की सेहत का भी खास ख्याल रखती है। वर्ष 2024 के अभियान में लगाए गए थे सहजन के 55 लाख से अधिक पौधेउल्लेखनीय है कि वर्ष 2024 के पौधारोपण अभियान के दौरान सहजन के करीब 55 लाख पौधे लगाए गए थे। वर्ष 2025 के लिए यह संख्या कमोबेश यही रहेगी। मुख्यमंत्री पहले ही प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों और आंगनबाड़ी केंद्रों में सहजन के पौधे वितरित करने का निर्देश दे चुके हैं। यही नहीं, विकास के मानकों पर पिछड़े आकांक्षात्मक जिलों में हर परिवार को सहजन के कुछ पौधे लगाने को भी प्रेरित किया जाएगा। गृह वाटिका के पीछे भी सीएम की यही सोच रही है। सहजन को लेकर स्वास्थ्य विभाग की अनुकरणीय पहलसहजन के औषधीय और पोषण संबंधी खूबियों के मद्देनजर वाराणसी के स्वास्थ्य विभाग ने अनुकरणीय पहल की है। इस क्रम में हर सामुदायिक, प्राथमिक और हेल्थ सब सेंटर्स पर सहजन के दो-दो पौध लगाए जाएंगे। पिछले दिनों से इसकी शुरुआत भी हो चुकी है। पोषण का पॉवर हाउस है सहजनप्राकृतिक चिकित्सक डॉ नंदलाल यादव ने बताया कि सहजन सिर्फ एक पौधा नहीं है बल्कि खुद में पोषण का पावरहाउस है। इसकी पत्तियों एवं फलियों में 300 से अधिक रोगों की रोकथाम के गुण होते हैं। इनमें 92 तरह के विटामिन्स, 46 तरह के एंटी ऑक्सीडेंट, 36 तरह के दर्द निवारक और 18 तरह के एमिनो एसिड मिलते हैं। इसके अलावा सहजन में विटामिन सी- संतरे से सात गुना, विटामिन ए- गाजर से चार गुना, कैल्शियम- दूध से चार गुना, पोटैशियम- केले से तीन गुना, प्रोटीन- दही से तीन गुना मिलता है।

शिकायतें निस्तारण में योगी सरकार का श्रम विभाग कर रहा उत्कृष्ट प्रदर्शन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

निवेश मित्र पोर्टल पर 99 फीसदी से अधिक शिकायतों का हुआ त्वरित निस्तारण

लखनऊ। योगी सरकार ने 'निवेश मित्र पोर्टल' पर श्रम विभाग से संबंधित शिकायतों का त्वरित निस्तारण कर अपनी प्रतिबद्धता को साबित किया है। श्रम विभाग से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2024-25 में निवेश मित्र पोर्टल पर प्राप्त कुल 22,280 शिकायतों में से 22,130 शिकायतों का सफल निस्तारण किया गया, जो कि 99.32 प्रतिशत समाधान दर को दर्शाता है। हेल्पलाइन व टोल फ्री के माध्यम से प्राप्त 19,503 शिकायतों में से 19,353 का समाधान किया गया, जबकि आईजीआरएस (समाधान पोर्टल) पर दर्ज सभी 2,777 शिकायतों का 100 प्रतिशत निस्तारण हुआ। यूजर अनुभव को लेकर प्राप्त फीडबैक में 88.2 प्रतिशत उपयोगकर्ताओं ने पोर्टल की सेवाओं को संतोषजनक बताया है। 8.1 प्रतिशत ने इसे मध्यम श्रेणी में रखा और केवल 3.6 प्रतिशत ही असंतुष्ट पाए गए। कुल मिलाकर, ऑनलाइन सेवाओं में 96.60 प्रतिशत यूजर्स ने संतुष्टि व्यक्त की है, जो किसी भी सरकारी डिजिटल प्लेटफॉर्म के लिए एक बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है। सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि श्रम विभाग से संबंधित फीडबैक में भी 89.60 प्रतिशत उपयोगकर्ता संतुष्ट पाए गए, जबकि मात्र 3.4 प्रतिशत उपयोगकर्ताओं ने असंतोष व्यक्त किया। यह विभागीय जवाबदेही और सुगम सेवा उपलब्धता का प्रमाण है। सरकार की टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर 18001805160 व 0512-2295174 पर नागरिकों की शिकायतें सरलता से दर्ज की जाती हैं और निर्धारित समयसीमा में उनका निस्तारण सुनिश्चित किया जाता है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बार-बार यह दोहराया है कि उत्तर प्रदेश को निवेश के लिहाज़ से देश का सबसे आकर्षक गंतव्य बनाने के लिए पारदर्शी और कुशल प्रशासनिक प्रणाली अनिवार्य है। निवेश मित्र पोर्टल इस सोच का सशक्त प्रतीक बनकर उभरा है, जिसने 'ईज़ ऑफ डूइंग बिजनेस' के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश को अग्रणी राज्यों की कतार में लाकर खड़ा कर दिया है। निवेश मित्र पोर्टल के जरिए सरकार ने यह सिद्ध किया है कि यदि राजनीतिक इच्छाशक्ति, तकनीकी दक्षता और प्रशासनिक सक्रियता एक साथ मिल जाए, तो आमजन और उद्यमी दोनों को लाभ पहुंचाया जा सकता है। यह पोर्टल अब केवल एक शिकायत निवारण प्रणाली नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश की सुशासन नीति का भरोसेमंद चेहरा बन चुका है।

संक्षिप्त समाचार

राजधानी में कई इलाकों में हल्की बारिश अगले 4 दिन होगी अच्छी बरसात

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में सुबह से बादल छाए हुए हैं। ठंडी हवाएं चल रही हैं। कई इलाकों में बारिश शुरू हो गई है। इससे लोगों को उमसभरी गर्मी से राहत मिली है। मौसम विभाग ने बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। दिन में अधिकतम तापमान 33 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना रहेगा। देर रात न्यूनतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। दिन में अधिकतर समय बादल छाए रहने के साथ में बरसात की संभावना जताई गई है। सोमवार को लखनऊ का अधिकतम तापमान 34.6 डिग्री दर्ज किया गया। यह सामान्य से 3.5 डिग्री कम रहा। न्यूनतम तापमान 27.3 डिग्री रहा। दिन में कई बार बारिश के साथ धूप-छांव की स्थिति बनी रही। बारिश से जहां लोगों को राहत मिली, वहीं कुछ इलाकों में धूप के चलते उमसभरी गर्मी भी रही। मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि मानसून के चलते अगले चार दिनों तक लगातार बारिश की संभावना बनी हुई है। 24 और 25 जून को अच्छी बारिश के आसार हैं। इसके बाद बारिश का दौर हल्का होगा। जबकि 28 जून से बादलों की गरज चमक के साथ धूप छांव की स्थिति देखने को मिलेगी। इस दौरान उमसभरी गर्मी बढ़ेगी। इसके चलते लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ेगा। मौसम विभाग ने प्रदेश के उत्तरी हिस्सों में बादलों के गरज-चमक के साथ बिजली गिरने और कहीं-कहीं भारी बारिश की संभावना जताई है। लोगों से सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

चलती नाव में पुरुषों के अधिकारों पर विचार-विमर्श, पुरुष आयोग के गठन की मांग

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में डिजिटल आशीष और सशक्त फाउंडेशन ने गोमती नदी पर चलती नाव में नामोन्मेष सीजन 22 के तहत विशेष परिचर्चा का आयोजन किया। सादी का शहीद विषय पर आयोजित इस कार्यक्रम में विवाहित पुरुषों के अधिकारों पर चर्चा की गई। वक्ताओं ने कहा कि वर्तमान में अधिकतर कानून और संस्थाएं महिलाओं के पक्ष में काम करती हैं। पुरुषों को न्याय दिलाने के लिए कोई व्यवस्था नहीं है। उन्होंने न्याय प्रणाली में पुरुषों को समान अधिकार और सुरक्षा की मांग की। कार्यक्रम में वक्ताओं ने पुरुषों के अधिकारों की रक्षा के लिए कानूनी सुधार की मांग की। उन्होंने पुरुष आयोग के गठन की भी मांग रखी। वक्ताओं ने चेतावनी दी कि यदि मांगें नहीं मानी गईं तो संगठित होकर आंदोलन किया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्य आयोजक आशीष शुक्ला और एडवोकेट शुभम द्विवेदी मौजूद रहे। सौरभ मिश्रा, निहाल अवस्थी, अनुप्रिया सिंह, ऋचा प्रजापति, शबनम निशा, राशिद अत्तारी, पुष्पेंद्र तन्मय समेत कई वक्ताओं ने अपने विचार रखे। आयोजकों का मानना है कि इस तरह के कार्यक्रमों से न्याय प्रणाली में संतुलन स्थापित होगा।

सड़क हादसे में अधेड़ की मौत पुलिस जांच में जुटी

लखनऊ। नगराम-गंगागंज रोड पर एक दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया है। आदमपुर नौबस्ता के बहरौली गांव के रहने वाले 55 वर्षीय कमरुद्दीन की अज्ञात वाहन की टक्कर से मौत हो गई। परिजनों के अनुसार, कमरुद्दीन किसी काम से गंगागंज गए थे। वापसी के दौरान पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के पास एक अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे में गंभीर रूप से घायल कमरुद्दीन को परिवार वाले तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टरों ने कमरुद्दीन को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मामले में रिपोर्ट दर्ज कर ली है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और आगे की कार्रवाई की जाएगी।

डॉ.मुखर्जी का जीवन सत्ता नहीं, सिद्धांतों के लिए था : केशव प्रसाद मौर्य

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने लखनऊ स्थित सरकारी आवास सात, कालिदास मार्ग पर भारतीय जनसंघ के संस्थापक एवं प्रखर राष्ट्रवादी विचारक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर, उनके छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धा-सहित नमन किया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि डॉ. मुखर्जी का जीवन सत्ता नहीं, सिद्धांतों के लिए था। उनके विचार आज भी राष्ट्रवाद की सबसे शुद्धतम अभिव्यक्ति है। डा. मुखर्जी का राष्ट्रहित में दिया गया सर्वोच्च बलिदान और उनका अटूट संकल्प, सदैव हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत रहेगा। एक देश में 'दो विधान, दो प्रधान और दो निशान नहीं चलेंगे' यह केवल उद्घोष नहीं था, बल्कि राष्ट्र की एकता के लिए डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का अडिग संकल्प था। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि आज जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अनुच्छेद 370 इतिहास बन चुका है, यह केवल संवैधानिक सुधार नहीं, बल्कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी के बलिदान को एक सच्ची श्रद्धांजलि है। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि आजादी के बाद कांग्रेस के लोकतंत्र पर 'आपातकाल' के प्रहार ने याद दिला दिया था कभी न भूलने वाला मुग़लों और अंग्रेज़ों का अत्याचार। गांधी परिवार के हंटर से 'भारतीय लोकतंत्र की रूह कांप उठी' थी। दुर्भाग्य से आज भी कांग्रेस ख़ासकर गांधी परिवार उसी सोच में डूबा रहता है और वह 'मुगलई' व 'अंग्रेजियत' से मुक्त नहीं हो सका है।

कृषि मंत्री से ओवर रेटिंग करने वाले लखनऊ के दुकानदारों के लाइसेंस निलंबित

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही को लखनऊ में बक्शी का तालाब एवं इंटौजा इलाके तीन दुकानदारों ने 1350 रूपये की डीएपी को 1500 रूपये में बेच दिया। कृषि मंत्री ने ओवर रेटिंग की जांच करने किसान बनकर पहुंचे। इसके बाद कृषि मंत्री ने ओवर रेटिंग करने वाले दो दुकानदारों और स्टॉक अनियमितता करने वाले एक दुकानदार के विरूद्ध नोटिस जारी किया। वहीं ओवर रेटिंग करने के आरोपित दुकानदारों की दुकानों के लाइसेंस निलंबित कर दिए। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने सोमवार को प्रदेश के सभी जिला कृषि अधिकारियों को ओवर रेटिंग और कालाबाजारी रोकने के आदेश दिए। उन्होंने कहा कि किसानों के हित में कार्य करने वाली यूपी सरकार में ओवर रेटिंग के शिकार स्वयं मंत्री हो सकते हैं तो किसान की क्या ही हालत होगी। किसानों को तय मूल्य पर यूरिया और डीएपी नहीं मिल रही है। इसके लिए प्रदेश के हर जिले में अभियान चलाकर ओवर रेटिंग को रोका जाना जरूरी है। कृषि मंत्री ने आगे कहा कि यूरिया दुकानदारों की मनमानी रोकने के लिए जिला कृषि अधिकारी सक्रिय भूमिका निभाये। किसान को होने वाली असुविधा का दुकानदार से हिसाब लिया जाये। नियम के विरूद्ध कार्य करने वाले दुकानदारों को चिन्हित कर उनसे सख्ती से निपटा जाये। किसी भी स्थिति में दुकानदारों की मनमानी को रोका ही जाना चाहिए।

प्लीज मेरा स्कूल में एडमिशन करा दीजिये, बच्ची ने लगाई सीएम योगी से गुहार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राजधानी लखनऊ में आज सुबह सोमवार को अपने सरकारी अवास पर जनता दर्शन किया। इस दौरान उन्होंने लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक पीड़ित की शिकायत पर तुरंत कार्रवाई की जाए। इस दौरान जनता दर्शन के लिए आई एक बच्ची से भी सीएम योगी ने मुलाकात की। बच्ची ने सीएम योगी से गुहार लगाई और अपनी बात कही। दोनों के बीच हुई बातचीत का वीडियो अब वायरल हो रहा है। बता दें कि सीएम योगी ने बच्ची को दुलारते हुए पूछा स्कूल नहीं जाती हो.. इस पर बच्ची ने बिना डेरे सीएम योगी से कहा आप मेरा एडमिशन करवा दीजिए ...सीएम योगी ने मुस्कुराते हुए कहा कि 10वीं में कराना है या 11वीं में इस पर बच्ची ने एक स्कूल का नाम लिया। सीएम योगी इसे लेकर अधिकारियों को निर्देश दिया कि बच्ची का एडमिशन तुरंत कराए। सीएम ने बच्ची को भरोसा दिलाया कि आप का एडमिशन होगा आप चिंता न करे।

केजीएमयू में भाई के इलाज के लिए चीखती रही बहन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बोली-ऑक्सीजन सिलेंडर नहीं दे रहे हैं, गार्ड मोबाइल छीन रहे

लखनऊ। लखनऊ के किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) के ट्रॉमा सेंटर में भाई के इलाज के लिए बहन के चीखने-चिल्लाने का वीडियो वायरल हुआ है। वो भाई को इलाज नहीं मिलने की बात कह रही है। जोर-जोर से चीखकर गार्डों पर मारपीट और जबरदस्ती करने का आरोप लगा रही है। वीडियो शनिवार का बताया जा रहा है। केजीएमयू प्रशासन की जांच में मारपीट की बात सामने नहीं आई है। सोशल मीडिया पर 21 सेकेंड का वीडियो वायरल हुआ है। उसमें एक महिला चीख-पुकार मचा रही है। वो कह रही है कि इस अस्पताल में क्या हो रहा है? मेरे साथ जबरदस्ती कर रहे हैं। मुझे मार रहे हैं। मेरे भाई का इलाज ही नहीं कर रहे हैं। उसको ऑक्सीजन की जरूरत है। यह लोग दे नहीं रहे हैं। गार्ड मेरा फोन छीनने आ रहे हैं। ये देखिए ये लोग मुझे परेशान कर रहे हैं। पीड़ित परिजनों का आरोप है कि मरीज को बेहद गंभीर हालत में ट्रॉमा सेंटर लाया गया था। मरीज की सांस टूट रही थी। डॉक्टर कोई सुनवाई नहीं कर रहे थे। जब ऑक्सीजन सपोर्ट देने की गुहार लगाई तो डॉक्टर और स्टाफ भड़क गए। इस बीच जैसी से परिजन की तरफ से मोबाइल निकाला गया तो तुरंत गार्ड ने झपट्टा मारा। वो मोबाइल छीनने लगा। ट्रॉमा सेंटर के स्टाफ ने निडिल से हमला किया। केजीएमयू प्रवक्ता प्रो. के.के. सिंह का कहना है कि वीडियो की जांच की गई है। मारपीट का कोई स्पष्ट साक्ष्य नहीं मिला है। वीडियो में गार्ड सिर्फ महिला की ओर जाते नजर आ रहे हैं। इसमें किसी प्रकार की आक्रामकता नजर नहीं आ रही है। वीडियो बनाने वाले ने हमला करने का आरोप लगाया है, लेकिन वीडियो में ऐसा कुछ नहीं है। वीडियो में ट्रॉमा सेंटर के सभी बेड भरे दिख रहे हैं। क्षमता से डेढ़ गुना अधिक मरीजों का इलाज किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि वायरल वीडियो शनिवार का लग रहा। किसी के साथ मारपीट नहीं हुई है। ये पहला मौका नहीं है जब ट्रॉमा सेंटर में मरीजों और तीमारदारों से मारपीट की घटना सामने आई है। पहले भी कई बार इससे जुड़े वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए है। हालांकि, विश्वविद्यालय प्रशासन ऐसी शिकायतों पर गोलमोल जवाब देकर कार्रवाई करने से बचता रहा है। सामान्य बैकग्राउंड के गंभीर मरीजों को यहां इलाज मिलना बेहद मुश्किल रहता है। केजीएमयू ट्रॉमा सेंटर 2023 में शुरू हुआ था। यह चार मंजिला भवन में चलता है। इसकी क्षमता इस समय करीब 400 बेड की है। यहां इससे ज्यादा मरीज रोजाना आते हैं।

इंदिरा नगर में मिला युवक का शव,नहाते समय डूबा था

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में इंदिरा नहर में नहाते समय डूबे युवक का शव दो दिन बाद बरामद हुआ है। मृतक की पहचान चरस मंडी हाथी खाना थाना नाका निवासी शिवम शर्मा (27) के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार, शिवम 21 जून की शाम को इंदिरा डैम थाना सुशांत गोल्फ सिटी के पास नहर में नहाते समय डूब गया था। सुशांत गोल्फ सिटी पुलिस शिवम की तलाश कर रही थी। पुलिस को सूचना मिली कि एक शव इंदिरा नहर में बह रहा है। उपनिरीक्षक अरविंद कुमार यादव और आरक्षी दीपक शाह मौके पर पहुंचे। नई जेल के पास थाना गोसाईंगंज क्षेत्र में शव को नहर से बाहर निकाला गया। मौके पर पहुंचे परिजनों ने शव की पहचान की। चौकी प्रभारी एचसीएल उप निरीक्षक संदीप शर्मा को घटना की जानकारी दी गई। पुलिस ने पंचायतनामा की कार्रवाई शुरू कर दी है।

सीएम आवास के पास महिला ने किया आत्मदाह का प्रयास, पुलिस पर लगाए गंभीर आरोप

लखनऊ। राजधानी लखनऊ स्थित मुख्यमंत्री आवास, पांच कालीदास मार्ग पर पुलिसिया कार्रवाई ही न होने से परेशान होकर एक महिला ने आत्मदाह की कोशिश की। पीड़िता ने पुलिस की निष्क्रियता से आहत होकर यह कदम उठाया। मौके पर तैनात आत्मदाह निरोधी दस्ते ने तुरंत कार्रवाई कर उसे बचा लिया और इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया। जानकारी के मुताबित महिला पीलीभीत के हजारा क्षेत्र की रहने वाली है। जिसका नाम सुमित्रा कौर बताया जा रहा है। महिला अपने भाई के साथ लखनऊ के गौतमपल्ली स्थित सीएम आवास के पास पहुंचीं और अपने ऊपर ज्वलनशील पदार्थ डालकर आग लगाने की कोशिश की। वहां मौजूद पुलिसकर्मियों ने तत्काल हस्तक्षेप कर उन्हें रोक लिया, जिससे आग नहीं भड़की। एसीपी हजरतगंज विकास जायसवाल ने बताया कि सुमित्रा ने हजारा थाने में घर में घुसकर छेड़छाड़ और अभद्रता की शिकायत दर्ज की थी। उनका आरोप है कि पुलिस ने इस मामले में कोई ठोस कदम नहीं उठाया, जिसके चलते वह मानसिक रूप से परेशान थीं और उन्होंने आत्मदाह का प्रयास किया।

विश्व योग दिवस पर योग शिविरों का बनाया रिकॉर्ड

- प्रयाग आरोग्यम केन्द्र ने लखनऊ के 105 स्थानों पर लगाए योग शिविर, लगभग एक लाख लोगों को कराया योगाभ्यास
- भाग्योदय फाउंडेशन की सहगामी संस्था है प्रयाग आरोग्यम केन्द्र

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के प्रमुख योग विज्ञान प्रशिक्षण संस्थान ''प्रयाग आरोग्यम केन्द्र (योग प्रशिक्षण एवं योगाभ्यास संस्था) द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर लखनऊ में एक कीर्तिमान स्थापित किया गया है। संस्था के ऊर्जावान योग शिक्षकों के सहयोग से 105 स्थानों पर योगाभ्यास शिविर आयोजित किए गए। इन शिविरों में लगभग सवा सौ योग शिक्षकों ने अपना सक्रिय योगदान दिया। इन योगाचार्यों में पुरुष एवं महिलाएं दोनों ही सम्मिलित हैं। ज्ञातव्य हो, ये सभी योगाचार्य प्रयाग आरोग्यम केन्द्र के साथ मिलकर कार्य कर रहे हैं। यह जानकारी देते हुए प्रयाग आरोग्यम केन्द्र के अध्यक्ष एवं संस्थापक वरिष्ठ योगाचार्य प्रशान्त शुक्ल ने बताया कि केन्द्र ने भारतीय थल सेना में 3000 से अधिक प्रतिभागियों को योगाभ्यास कराया। केन्द्रीय विद्यालय संगठन के तत्वावधान में जहां तीन स्थानों पर 15000 से अधिक प्रतिभागी उपस्थित रहे, वहीं भातखंडे संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा पांच स्थानों पर 5000 से अधिक प्रतिभागी योगाभ्यास में सम्मिलित कराए गए। वॉरियर डिफेंस अकादमी ने 2000 से अधिक प्रतिभागियों को योग सिखवाया, वहीं कालीचरण स्नातकोत्तर महाविद्यालय में 1000 प्रतिभागी प्रशिक्षित हुए। श्री शुक्ल ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान में 1000 प्रतिभागी, डायट लखनऊ एवं एससीईआरटी के योग शिविरों में 2000 से अधिक प्रतिभागी शामिल हुए। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश कृषि उत्पादन मंडी परिषद, क्लार्क्स अवध होटल, उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान आदि स्थानों पर 700 से अधिक प्रतिभागियों ने योग प्रशिक्षण प्रयाग आरोग्यम केन्द्र के योगाचार्य से लिया। बकौल श्री शुक्ल प्रयाग आरोग्यम केन्द्र ने राजधानी के कोचिंग संस्थानों में भी योग सिखाया, जहां 5000 से अधिक प्रतिभागी शामिल हुए। इंजीनियरिंग कॉलेज और विभिन्न विद्यालयों में 10000 से अधिक प्रतिभागियों को योग सिखाया गया। सी.एस.आई.आर. से जुड़ी लखनऊ की वैज्ञानिक संस्थाओं एनबीआरआई, सीडीआरआई एवं केन्द्रीय औद्योगिक विष अनुसंधान संस्थान इत्यादि तकनीकी संस्थानों में 500 वैज्ञानिकों एवं स्टाफ ने भी योग प्रशिक्षण शिविर में प्रतिभाग किया। भारत की आर्थिक राजधानी मुम्बई के 10 स्थानों के अलावा उत्तर प्रदेश के गोंडा, सिद्धार्थनगर, आगरा, उन्नाव, आजमगढ़, प्रतापगढ़, प्रयागराज, अंबेडकरनगर, सुल्तानपुर, भदोही, अयोध्या, रायबरेली, मुरादाबाद, कानपुर, बरेली, नोएडा, गाजियाबाद आदि स्थानों पर भी प्रज्ञा आरोग्यम केंद्र से जुड़े योगाचार्यों द्वारा शिविरों का संपादन किया गया। उत्तराखण्ड, कर्नाटक एवं हरियाणा में भी कुछ स्थानों पर केन्द्र से प्रशिक्षित योगाचार्यों ने अपनी सेवाएं दीं। प्रयाग आरोग्यम केन्द्र प्रमुख प्रशान्त शुक्ल ने भारत भाग्योदय एवं वैश्विक अभ्युदय को समर्पित आध्यात्मिक एवं सामाजिक संस्था 'भाग्योदय फाउंडेशन' से मिले मार्गदर्शन को भी याद किया और भाग्योदय प्रमुख आचार्य राम महेश मिश्र से प्राप्त प्रशासनिक एवं सामाजिक सहयोग की सराहना की।

राजधानी में फिर ट्रेन पलटने की साजिश, लोहे की होर्डिंग से टकाराई हमसफर एक्सप्रेस

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के मल्हौर रेलवे स्टेशन के पास एक सुपरफास्ट एक्सप्रेस ट्रेन लोहे की एक होर्डिंग टकरा गई। जो एक बड़े हादसे का रूप ले सकता था, लेकिन लोको पायलट की सूझबूझ से हादसा टल गया। इसके बाद उसने इसकी सूचना रेलवे पुलिस की दी। फिर उसे ट्रैक से हटाया गया और आगे के लिए गाड़ी ने प्रस्थान किया। बता दें कि आनंद विहार टर्मिनल-गोरखपुर हमसफर एक्सप्रेस (12572) लखनऊ में दिलकुशा और मल्हौर के बीच रेलवे ट्रैक पर जानबूझकर लगाई गई लोहे की ग्रिल से टकरा गई। यह दिल्ली के आनंद विहार से गोरखपुर जा रही थी। घटना रविवार सुबह करीबन 3 बजे की है। हालांकि ट्रेन के ड्राइवर ने पटरी पर लोहे की ग्रिल को देख लिया और ट्रेन की स्पीड कम कर दी। जिससे ट्रेन पटरी से उतरने से बच गया वरना बड़ा हादसा हो सकता था। रेलवे पुलिस ने इस मामले में गोमतीनगर थाने में एफआईआर दर्ज कर दी है और इस साजिश की जांच शुरू कर दी है। पुलिस इस घटना के बारे में पता लगाने के लिए आसपास लगे सीसीटीवी खंगाल रही है। अधिकारियों ने जानकारी देते हुए कहा कि 22 जून की रात 03.40 बजे लखनऊ कंट्रोल रूम से सूचना मिली कि रेल ट्रैक पर लोहे की होर्डिंगनुमा स्ट्रक्चर मिला है और वह गाड़ी संख्या 12572 से टकरा गया है, जिसे ट्रेन ड्राइवर ने ट्रैक से हटाकर किनारे किया। पुलिस ने बताया कि उन्हें यह होर्डिंगनुमा लोहे का स्ट्रक्चर दिलकुशा मल्हौर डाउन लाइन के किनारे मिला।

राम का जीवन आदर्श: निर्मल शास्त्री

राष्ट्रीय प्रस्तावना

■ श्रीराम कथा प्रारंभ, राज्यमंत्री समेत कई नेता पहुंचे

हरदोई। आर० आर० इंटर कॉलेज, नघेटा रोड पर श्रीराम मित्र मंडली की ओर से श्रीराम कथा का आयोजन शुरू हुआ। कथावाचक निर्मल शास्त्री ने श्रीराम के बाल्यकाल का वर्णन किया। उन्होंने कहा कि राम का जीवन एक आदर्श जीवन शैली है।

शास्त्री जी ने बताया कि राम कथा धर्म के साथ समाज में सदाचार और भाईचारे का संदेश देती है। उनकी मधुर वाणी से श्रद्धालु भावविभोर हो गए। कार्यक्रम में राज्य मंत्री रजनी तिवारी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं।

भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन और जिला पंचायत अध्यक्ष प्रेमावती ने भी कार्यक्रम में हिस्सा लिया। पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष मुकेश अग्रवाल, बच्चा बाबा और कॉलेज की संरक्षक कीर्ति सिंह भी मौजूद रहे। आसपास के गांवों और नगर से बड़ी संख्या में श्रद्धालु कथा सुनने पहुंचे। यह कथा एक सप्ताह तक चलेगी। प्रतिदिन शाम 5 बजे से कथा का आयोजन किया जाएगा।

आर्द्रा नक्षत्र की लग्न में मानसून की दस्तक

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। 22 जून को आषाढ़ मास के कृष्ण पक्ष की नवमी तिथि पर सूर्य का आर्द्रा नक्षत्र में प्रवेश हो गया है। इसके साथ ही क्षेत्र में मानसून की भी आमद हो गई है। सोमवार की सुबह से बादलों की आवाजाही और हल्की बारिश ने मौसम को सुहावना कर दिया है।

■ हरदोई में 6 जुलाई तक रहेगा सूर्य का प्रवास, किसानों को अच्छी बारिश की उम्मीद

ज्योतिषाचार्यों के मुताबिक आर्द्रा नक्षत्र को जीवनदायिनी कहा जाता है। यह वर्षा ऋतु के आगमन का संकेत देता है। इसका सीधा संबंध कृषि से है। सूर्य इस नक्षत्र में 6 जुलाई तक रहेंगे। इस दौरान अच्छी बारिश की संभावना है। इससे किसानों में खुशी का माहौल है। कृषि वैज्ञानिकों के अनुसार इस नक्षत्र में होने वाली वर्षा जमीन की ऊपरी सतह को नमी देती है। यह बुवाई के लिए बेहद फायदेमंद होती है। सोमवार को हुई बारिश को किसानों के लिए अच्छा संकेत माना जा रहा है।

एक्सीडेंट में मौसी और 2 साल के भांजे की मौत, 3 घायल

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। मनौना धाम से वापस लौट रहे टेंपो की दुर्घटना में एक महिला और 2 वर्षीय बच्चे की मौत हो गई। पाली थाना क्षेत्र के गोपालपुर गांव की शोभा अपनी बहन ललिता और उसके बच्चों के साथ बाबा श्याम के दर्शन के लिए मनौना धाम गई थी। दर्शन के बाद वापसी के दौरान अलीगंज मार्ग पर बिशारतगंज थाने के चितौरा मोड़ के पास टेंपो अनियंत्रित होकर पलट गया। टेंपो में सवार शोभा, जो अपनी गोद में 2 वर्षीय मोक्ष (लड्डू) को लिए हुई थी, सड़क किनारे लगे बिजली के पोल से टकरा गए। इस हादसे में दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। टेंपो में सवार ललिता और अन्य बच्चे घायल हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। घायलों को तुरंत अस्पताल भेजा गया। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

■ मनौना धाम से लौट रहा टेंपो पलटा, बिजली के पोल से टकराया

घटना की खबर मिलते ही गोपालपुर गांव में शोक की लहर दौड़ गई। शोभा के पति अजय कुमारए दो बेटे और एक बेटी का रो-रोकर बुरा हाल है। शोभा पिछले एक साल से नियमित रूप से मनौना धाम के दर्शन के लिए जाती थी।

नुमाइश देखने गए दीवान के बेटे को दबंगों ने पीट कर किया लहूलुहान

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। कोतवाली क्षेत्र के काशीराम कालोनी के सामने वाले मैदान में चल रही नुमाइश में 22 जून की रात दस बजे नुमाइश देखने गए एक दीवान के बेटे को दबंगों ने लात घूसों और बेल्टों से पीट कर लहूलुहान कर दिया। घायल युवक का डाक्टरी परीक्षण कराया गया। पीड़ित की लिखित तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अंबेकरनगर जनपद के थाना सम्मनपुर के ग्राम बलुआ बहादुरपुर निवासी पीड़ित ऋषभ पटेल के अनुसार उसके पिता आद्या प्रसाद कोतवाली में हेड कांस्टेबल के पद पर कार्यरत हैं। 22 जून को वह घर से अपने पिता से मिलने आया था। उसके पिता की ड्यूटी नुमाइश में लगी थीए तो वह भी नुमाइश देखने चला गया। रविवार की रात करीब दस बजे वह नुमाइश में झूले के पास खड़ा था। उसी समय सचिन पटवा पुत्र सतीश पटवा निवासी मौलागंज अपने साथी आयुष मोहनएअनमोल गुप्ताए सत्यमएहार्दिक के साथ शराब के नशे में आकर उसे गाली गलौज करने लगा। बकौल ऋषभ उसने गाली देने से मना किया तो नशे में धुत दबंगों ने उसे लात घूंसों और बेल्टों से मारपीट कर घायल कर दिया।उसका सिर झूले के पास लोहे के खंभे से टकरा दियाए जिससे वह लहूलुहान हो गया। नुमाइश देखने आए लोगों ने उपरोक्त दबंगों के नाम उसके पिता को बताए हैं। पीड़ित की लिखित तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध बलवा, एवं मारपीट करने सहित अन्य धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की है। प्रभारी निरीक्षक उमेश त्रिपाठी ने बताया घटना की जांच पड़ताल की जा रही है जल्द ही दबंग युवकों की गिरफ्तारी की।

फरियादियों की शिकायतो का गुणवत्ता पूर्ण पारदर्शिता के साथ निस्तारण करें:.अनुनय झा

■ जिलाधिकारी ने दिए शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश

■ जिलाधिकारी ने 70 वर्ष से अधिक आयु के 02 बुजुर्गों के बनवाये आयुष्मान कार्ड

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। सोमवार को जनता दर्शन के दौरान जिलाधिकारी अनुनय झा ने आम जन की समस्याओं को सुनकर उनके त्वरित निस्तारण के निर्देश सम्बंधित अधिकारियों को दिए। आज कुल 153 शिकायतें प्राप्त हुईं। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जन शिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की कोताही न की जाये। बड़ी संख्या में वंचित पात्रों की वृद्धावस्था, विधवा व दिव्यांग पेंशन संबंधित शिकायतों के निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को आदेश दिये। 70 वर्ष से अधिक आयु के 02 बुजुर्गों भारत प्रसाद पुत्र रामेश्वर प्रसाद व रामसेवक पुत्र नत्था के आयुष्मान कार्ड आधार देखकर मौके पर ही बनाये। जिलाधिकारी ने सभी उप जिलाधिकारियों को निर्देश दिए भूमि विवाद के मामले में मौके पर जाकर त्वरित कार्रवाई की जाये। वरासत के प्रकरणों में अनावश्यक विलम्ब न किया जाये। चकरोड पर कब्जे की शिकायत को गंभीरता से लेकर तत्काल कार्रवाई की जाये। नक्शा दुरुस्ती के कार्य में देरी न की जाये। जन सुनवाई के दौरान पुलिस, पेंशन, खाद्यान्न विभाग की प्राप्त शिकायतों के सम्बन्ध में जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश कि फरियादियों की शिकायतो का गुणवत्ता पूर्ण पारदर्शिता के साथ ससमय निस्तारण करें। जनता दर्शन के दौरान अतिरिक्त उप जिलाधिकारी राकेश कुमार सिंह, अपर जिला सूचना अधिकारी दिव्या निगम आदि उपस्थित रहें।

मुशायरा एवं कवि सम्मेलन में जावेद अंसारी को किया गया सम्मानित

सम्मान लेते हुए जावेद अंसारी उर्फ सानू फोटो: राष्ट्रीय प्रस्तावना

राष्ट्रीय प्रस्तावना

मल्लावाँ (हरदोई)। अंजुमन बका-ए-उर्दू मल्लावां हरदोई के 16 साल मुकम्मल होने पर बड़ा दरवाजा मैदान मल्लावा में मुशायरा एवं कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें बैरूनी व मुकामी शोहरा-ए-कराम ने शिरकत की, जिसकी सदारत डॉक्टर जुबेर संडीलवी व निजामत शकील गयाबी बिहार से, मेहमान-ए-खुसूसी मौलाना अतहर बाराबंकी व सरपरस्ती मुनीर हसन मल्लानवी ने की और भी बाहर से आए शायरों की कड़ी में खलील फरीदी रायबरेली, अकील गाजीपुरी, दावर रजा संडीला, असगर बिलग्रामी, कमर

मैं ठहरी झील सी आंखों में तेरी
कसम से डूब जाना चाहता हूं,
वो रूठा है मनाना चाहता हूं
मैं पत्थर को हंसाना चाहता हूं।।

बिलग्रामी, यासीन इब्ने उमर सीतापुरी, सलीम अख्तर पैंतेपुरी, हाजी यूनुस पैंतेपुरी, मुकामी शायर यानी की मल्लावां से जो शायर मौजूद रहे उसमें प्रोग्राम ऑर्गनाइजर शादाब गुहर, डॉक्टर रियाज बरहक, साहब मुख्य रूप से मौजूद रहे। फखरुद्दीन निसतर, शाहनवाज अकरम, हाफिज फखरुद्दीन, हाफिज अयाज फतेहगंज, मोहम्मद नईम नईम फतेहगंज, कवियो की फेहरिस्त में अरविंद कुमार मिश्रा वरिष्ठ पत्रकार एवं कवि, राम प्रकाश सिंह प्रकाश कवि, आदर्श विश्वास कवि, सत्याधार सत्या कवियों व शायरों ने कविता कहकर व तरह-तरह की शायरी सुना कर लोगों को वाह वाह करने पर व तालियां बजाने पर मजबूर कर दिया। और इसी कड़ी में बिजली समस्या समाधान ग्रुप के ओनर और सोशल वर्कर जावेद अंसारी शानू मल्लावां को एक ट्रॉफी देकर उनकी हौसला अफजाई की गई व उनको फख्र-ए-मल्लावां के खिताब से नवाजा गया।

सत्यप्रकाश तिवारी बने हरदोई उत्तरी के जिलाध्यक्ष, वरिष्ठ नेताओं ने दिया नियुक्ति पत्र

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। भारतीय किसान यूनियन अवध राजू गुप्ता संगठन ने सत्यप्रकाश तिवारी को हरदोई उत्तरी का नया जिलाध्यक्ष नियुक्त किया है। संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने 22 जून 2025 को यह घोषणा की। सत्यप्रकाश पिछले तीन सालों से जिला सचिव के पद पर कार्यरत थे।

नियुक्ति समारोह में राष्ट्रीय अध्यक्ष, प्रदेश अध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष आजाद अंसारी और प्रदेश उपाध्यक्ष आरिफ मौजूद रहे। उन्होंने सत्यप्रकाश को नियुक्ति पत्र सौंपा और मिठाई खिलाकर बधाई दी। संगठन को विश्वास है कि सत्यप्रकाश किसानों की समस्याओं के समाधान में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। कार्यक्रम में कई प्रमुख पदाधिकारी शामिल हुए। इस अवसर पर मुख्य रूप से हरदोई पश्चिमी के जिलाध्यक्ष इम्तियाज अली, युवा जिलाध्यक्ष आशीष कुमार और जिला प्रभारी आशीष सिंह मौजूद थे। साथ ही हरदोई दक्षिणी के जिलाध्यक्ष शराफत गाजी, महिला जिलाध्यक्ष रामकली भी उपस्थित रहीं।

ओपी तिवारी, कदीर, इरशाद, ललित तिवारी और उमेश सहित सैकड़ों कार्यकर्ता और किसान भी समारोह में शामिल हुए।

खाटूश्याम भक्त पदयात्रा कर करेंगे खाटूश्याम के दर्शन

राष्ट्रीय प्रस्तावना

माधौगंज (हरदोई)। कस्बा निवासी खाटूश्याम भक्त अर्जुन एवं सुमित गुड़मण्डी स्थित बालाजी महराज मंदिर परिसर से खाटूश्याम धाम के लिए पैदल रवाना हुए, कस्बे के काफी लोगो ने उन्हें पुष्प माला पहनाकर खाटूश्याम धाम दर्शन के लिए रवाना किया।

पूर्व प्रत्याशी नगरपंचायत डॉ रोहित शर्मा ने उन्हें पुष्प माला पहनाकर सेलापुर रोड तक ढ़ोल नगाड़े एवं खाटू श्याम के जयकारे लगाते हुए रवाना किया, अनमोल गुप्ता एवं शिवेन्द्र प्रधान ने भी अर्जुन और सुमित का हौसला बढ़ाया। नगर के श्याम भक्तो ने जयकारे लगाते हुए नगर की सीमा तक छोड़ने गए जिनमे सोनू आर्या, गोविन्द, सत्यम, अभिषेक कपिल दीपक, राजा, अमित, आर्यन, संदीप, कुलदीप, अमित अर्जुन दीपक आदि लोग शामिल रहे।

कस्तूरबा गांधी स्कूल के निर्माण में बच्चे कर रहे मजदूरी

मजदूरी करता किशोर फोटो: राष्ट्रीय प्रस्तावना

राष्ट्रीय प्रस्तावना

शाहाबाद (हरदोई)। विकासखंड टोडरपुर क्षेत्र के सैदपुर गांव में कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय भवन के निर्माण का कार्य चल रहा है जिसमें कम आयु के बच्चों से ठेकेदार द्वारा काम कराया जा रहा हैए जो कि कानून का खुला उल्लंघन है। ब्लॉक टोडरपुर के ग्राम सैदपुर में इस समय कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय के निर्माण का कार्य कार्यदाई संस्था के ठेकेदार द्वारा करवाया जा रहा है। ठेकेदार द्वारा किशोर बच्चों को भी मजदूरी पर रखकर उनसे कार्य करवाया जा रहा है। पढ़ने की उम्र में बच्चों से भवन निर्माण सामग्री ढुलवाई जा रही है ठेकेदार द्वारा सरकारी आदेशों की अवहेलना कर मनमानी कर बच्चों के जीवन से खिलवाड़ किया जा रहा है।

महिला को पीटने वाले भाई बहन पर रिपोर्ट दर्ज

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम अब्दुल्लापुर में 22 जून की शाम को करीब 5 बजे पुरानी रंजिश में महिला को मारपीट कर घायल करने वाले भाई बहन के विरुद्ध कोतवाली पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पीड़िता नन्ही बिटिया पत्नी राकेश कश्यप के अनुसार उसकी देवरानी प्रीती पत्नी अशोक ने कोतवाली क्षेत्र के ग्राम फ्रिोजपुर कला निवासी अपने भाई सोनपाल के साथ मिलकर पुरानी रंजिश में उसे गाली गलौज किया। मना करने पर भाई बहन ने मिलकर उसे मारपीट कर घायल कर दिया। सोनपाल ने उसके सिर पर ईंट मार दी जिससे वह लहूलुहान हो गई। पीड़िता की लिखित तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर घायल महिला को मेडिकल परीक्षण के लिए भेजा है। पुलिस ने मामले की जांच कर रही है।

कार्यालय खण्ड विकास अधिकारी, कछौना-हरदोई।

निविदा आमंत्रण सूचना
(ई-प्रोक्यूरमेंट प्रेस सूचना)

पत्रांक-515/लेखाकार/ई-निविदा/2025-26 **दिनाँक- 21.06.2025**

उत्तर प्रदेश की ओर से खण्ड विकास अधिकारी कछौना हरदोई उत्तर प्रदेश द्वारा ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग/लोक निर्माण विकास/जिला पंचायत/किसी अन्य राजकीय कार्यदायी संस्था में पंजीकृत विभिन्न श्रेणी के पात्र निविदादाताओं/सामग्री आपूर्ति कर्ताओं से ई-टेण्डरिंग के माध्यम से नीचे दर्शाये गये कार्यो हेतु प्रतिशत दरों पर निविदा आंमत्रित की जाती है। निम्न कार्य मनरेगा योजना के अन्तर्गत कार्यदायी संस्था क्षेत्र पंचायत तथा ग्राम पंचायत एवं बाल विकास पुष्टाहार विभाग द्वारा संयुक्त रूप से धनराशि के अंशदान द्वारा प्रस्तावित है। जिसकी वित्तीय व प्रशासनिक स्वीकृति उपरोक्तानुसार निम्नलिखित ग्राम पंचायत में प्रति आंगनबाडी केन्द्र निर्माण हेतु मु0-11.84 लाख रूपये प्रदान की गयी है। उक्त पत्र में अंकित क्रमांक 01 से 13 तक की शर्ते लागू रहेगीं। चूँकि यह कार्य मनरेगा योजना के कन्वर्जेन्स से कराये जाने है, अतएव कार्यो में केवल सामग्री आपूर्ति की ही निविदा स्वीकार की जायेगी। मनरेगा योजना में ठेकेदारी प्रथा प्रतिबन्धित है।

विवरण निम्नवत है:-

क्र0 सं0	विकास खण्ड का नाम	कार्य स्थल का नाम/ आँगनवाड़ी केन्द्र का नाम	ग्राम पंचायत का नाम	मात्रा प्राक्कलन के अनुसार	अनुमानित लागत सामग्री अंश (रू0लाखों में)	धरोहर धनराशि 02% (रू0लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि (वर्षा ऋतु सहित)
01	कछौना	प्रा0पा0 मतुआ	त्योरीमतुआ	प्राक्कलन के अनुसार	11.072	0.2200	1000.00	06 माह

1. वेबसाईट पर बिड डाक्यूमेन्ट उपलब्धता की तिथि-दिनांक 23.06.2025 से 05.07.2025 तक।
2. ई-निविदा के माध्यम से निविदा प्राप्ति के लिए अन्तिम तिथि/समय-दिनांक 05.07.2025 को सांय 04:00 बजे तक।
3. ई-निविदा के माध्यम से निविदा खोलने की तिथि एवं समय-दिनांक 06.07.2025 को दोपहर 12:00 बजे के बाद।
4. निविदा दाताओं द्वारा ई-टेण्डरिंग प्रणाली के अन्तर्गत निर्धारित प्रपत्रों के अतिरिक्त मूल अभिलेखों (हैसियत प्रमाण पत्र, चरित्र प्रमाण पत्र,जीएसटी, पंजीकरण प्रमाण-पत्र,पैनकार्ड) एवं निविदा शुल्क तथा धरोहर धनराशि 02 प्रतिशत बिड के साथ सम्बन्धित प्रमाण-पत्र की स्केन प्रति खण्ड विकास अधिकारी कछौना हरदोई के पद नाम से बंधक कराके निविदा के साथ अपलोड करना पडेगा एवं कार्यादेश से पूर्व 05 प्रतिशत धरोहर धनराशि जमा करना अनिवार्य होगा। अवशेष 05 प्रतिशत की कटौती भुगतान के समय कर ली जायेगी।
5. निविदा दाता को कार्यादेश में दिये गये निर्देशों/शर्तो का पालन करना अनिवार्य होगा।
6. निविदा दाता को 10रु0 के स्टॉम्प पेपर पर यह प्रमाण पत्र देना होगा कि फर्म कहीं भी काली सूची मे दर्ज नही है। यह प्रमाण पत्र नोटराइज कराकर देना होगा।
7. शासनादेश संख्या 137 दिनाँक 21 मार्च 2022 के तहत मनरेगा योजनान्तर्गत मटेरियल आपूर्ति हेतु वेन्टर के रूप में योजना के क्रियान्वयन से जुडे पदाधिकारी/कर्मी के पारिवारिक सदस्यों/रिश्तेदारों का सम्बन्ध फर्म से नही होना चाहिए। तत्सम्बन्धी शपथ-पत्र भी संलग्नक करें।
8. टेन्डर कमेटी-खण्ड विकास अधिकारी/कार्यक्रम अधिकारी, अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी(मनरेगा), अवर अभियन्ता आर0ई0डी0, सहायक विकास अधिकारी (पं0) के समक्ष निविदा प्रक्रिया सम्पन्न की जायेगी।
9. सभी प्रकार का न्याय क्षेत्र हरदोई होगा।

अधिक जानकारी एवं शर्तों के लिए कृपया वेबसाईट https://etender.up.nic.in पर लॉगिन करें और विड डाक्यूमेन्ट को डाउनलोड करें। पर लाग आन करें और विड डाक्यूमेन्ट को डाउनलोड करें।

(महेश कुमार)
खण्ड विकास अधिकारी
कछौना-हरदोई।

कार्यालय ग्राम पंचायत-कुरसेली, विकास खण्ड-हरियावाँ (हरदोई)।

पत्रांक:-मेमो/ग्रा0पं0/2025-26 **दिनाँक:-23.06.2025**

अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत-कुरसेली द्वारा मनरेगा योजना के अन्तर्गत निम्न कार्यो को सम्पन्न कराने हेतु टिन धारक फर्मों से कार्यस्थल पर सामग्री आपूर्ति हेतु दिनाँक-24.06.2025 से 30.06.2025 तक निविदा आमंत्रित की जाती है जिनका विवरण व शर्तें निम्नवत् है-

क्र0 सं0	कार्य का नाम	अनुमानित लागत	क्रय की जाने वाली सामग्री	धरोहर राशि	निविदा प्रपत्र मूल्य (रू0)
01	ग्राम पंचायत कुरसेली में वृहद गौशाला में मिट्टी व खडण्जा, टीनशेड् व वृक्षारोपण कार्य।	980720.00	ईंटा खड़ण्जा, टीन शेड, सीमेन्ट, मौरंग, बालू आदि।	19700.00	200.00
02	ग्राम पंचायत कुरसेली में भगवानदीन पुत्र श्यामलाल का कैटल सेल्टर निर्माण कार्य।	134897.00	ईंट प्रथम श्रेणी, ईंट गिट्टी, लोहा, सीमेन्ट, मौरंग, बालू, टीनशेड आदि।	2700.00	200.00

नियम व शर्तें:-

01. वर्णित कार्य हेतु सामग्री आपूर्ति के सापेक्ष 2 प्रतिशत निविदा पत्र के साथ धरोहर धनराशि ग्राम पंचायत-कुरसेली के पक्ष में एन0एस0सी0/एफ0डी0आर0 के रूप में बन्धक की जानी होगी। आपूर्ति सामग्री के सापेक्ष बिल भुगतान पर 10 प्रतिशत धनराशि की कटौती की जायेगी।
02. निविदा प्रपत्र दिनाँक-24.06.2025 से 30.06.2025 तक प्रातः 10:00 बजे से अपरान्ह 02:00 बजे तक कार्यालय ग्राम पंचायत-कुरसेली से नकद रूपये जमा करके प्राप्त किये जा सकते है।
03. समस्त निविदायें दिनाँक-24.06.2025 से 30.06.2025 तक कार्यालय ग्राम पंचायत-कुरसेली में रखे निविदा बाक्स में 02:00 बजे तक डाली जा सकेंगी। तदोपरान्त प्रधान ग्राम पंचायत-कुरसेली की अध्यक्षता में कार्यालय द्वारा गठित समिति के समक्ष दिनाँक-01.07.2025 को खोली जायेंगी।
04. वर्णित कार्य पर सामग्री आपूर्ति हेतु व्यापार कर पंजीकृत फर्मों से ही निविदा आमंत्रित की जाती है।
05. अपूर्ण/अधूरी निविदायें स्वीकार नहीं की जायेगी।
06. समस्त आपूर्ति की गई सामग्री के बिलों के भुगतान पर निर्धारित दर से करो की कटौती की जायेगी।
07. किसी भी निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार गठित निविदा समिति को होगा।

(प्रज्ञा वर्मा)
प्रधान
ग्राम पंचायत-कुरसेली,
विकास खण्ड-हरियावाँ, हरदोई।

(लाल बहादुर)
ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत-कुरसेली,
विकास खण्ड-हरियावाँ, हरदोई।

कचरा प्रबंधन भी है संभावनाओं का क्षेत्र

घरों, उद्योगों और व्यावसायिक गतिविधियों से लगातार निकलने वाले कचरे का बेहतर ढंग से निपटान बड़ी चुनौती है। हालांकि बदली स्थितियों में वेस्ट मैनेजमेंट को लेकर कुछ नये व सकारात्मक समाधान सामने आये हैं। जैसे रिसाइक्लिंग करना व बेकार समझी जाने वाले सामान से कुछ उपयोगी वस्तुएं बनाना। दरअसल, कुछ कचरे को केवल हटाने की नहीं, समझने और संवारने की जरूरत है- क्योंकि अब यह पर्यावरण मुद्दे के अलावा अर्थव्यवस्था, रोजगार का भी आधार बन गया है। केवल घरों से रोजाना फेंके जाने वाले सब्जियों के छिलके, प्लास्टिक थैलियां, टूटे खिलौने, अखबार, बोतलें- सब मिलकर भारत में प्रतिदिन 1.5 लाख टन ठोस कचरा उत्पन्न करते हैं। इसका सिर्फ 25-30 प्रतिशत हिस्सा ही वैज्ञानिक रूप से प्रोसेस हो पाता है। लेकिन अब वेस्ट मैनेजमेंट प्रोफ़ेशनल्स की नई पीढ़ी कचरे को कंचन में बदलने का काम कर रही है। कचरा प्रबंधन में युवाओं के लिए बड़ी संख्या में कैरियर विकल्प मौजूद हैं। आज जरूरत है सॉर्टिंग एक्सपर्ट्स, रिसाइक्लिंग टेक्नीशियनों, कचरा विश्लेषकों, कंपोस्ट विशेषज्ञों और प्लास्टिक प्रबंधन सलाहकारों की। ये प्रोफ़ेशनल नगर पालिकाओं और सरकारों के साथ कार्य करते हैं, वहीं स्टार्टअप्स, सीएसआर प्रोजेक्ट्स और पर्यावरणीय संगठनों से भी जुड़कर बदलाव ला रहे हैं। भारत सरकार के स्वच्छ भारत मिशन (एसबीएम) के अनुसार, 2024 तक देश के 70 प्रतिशत से अधिक कचरे का स्रोत पर ही पृथक्करण किया जाने लगा है-यह काम हजारों प्रशिक्षित वेस्ट वर्कर्स द्वारा किया जा रहा है। नीति आयोग की रिपोर्ट के मुताबिक, रिसाइक्लिंग इंडस्ट्री हर साल 40,000 करोड़ रुपये का कारोबार कर रही है और इसमें 20 लाख से अधिक रोजगार सृजित हो रहे हैं। सीपीसीबी यानी केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, ई-वेस्ट और प्लास्टिक वेस्ट के लिए अलग-अलग संग्रह केंद्रों और प्रोसेसिंग यूनिट्स में विशेषज्ञों की भारी कमी है। ऐसे में यह क्षेत्र युवाओं के लिए सुनहरा अवसर बन चुका है। कचरा अब देश की अर्थव्यवस्था में एक नई धारा का निर्माण कर रहा है। एक राष्ट्रीय अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र में छपी हालिया रिपोर्ट के अनुसार, भारत की रीसाइक्लिंग इंडस्ट्री वर्ष 2047 तक 25 लाख करोड़ रुपये यानी 3 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचने की ओर अग्रसर है। इस अद्भुत आर्थिक संभावना का आधार है देश में उभरती हुई सर्कुलर इकॉनमी की अवधारणा, जो'टेक-मेक-डिस्पोज' वाले पुराने मॉडल को पीछे छोड़, संसाधनों के दोबारा उपयोग, अपशिष्ट प्रबंधन और टिकाऊ उत्पादन प्रणाली को प्रोत्साहित कर रही है। भारत सरकार इस दिशा में सक्रियता से कदम बढ़ा रही है-ईपीआर यानी एक्सपेंडेड प्रोड्यूसर रेस्पॉन्सिबिलिटी जैसी नीतियों के माध्यम से प्लास्टिक, ई-वेस्ट, बैटरियों और उपयुक्त तेलों के पुनर्प्रयोग को अब कानूनी ढांचे में लाया जा रहा है। यह पर्यावरण रक्षा के साथ ही अर्थव्यवस्था को मजबूती देता है। रिपोर्ट के अनुसार, यदि पैकेजिंग उद्योग 'सर्कुलर' मॉडल अपनाता है, तो 6.5 लाख करोड़ रुपये का आर्थिक मूल्य उत्पन्न हो सकता है और 65 लाख ग्रीन जॉब्स पैदा हो सकते हैं। कचरा प्रबंधन का क्षेत्र शैक्षणिक योग्यता के सभी स्तरों के युवाओं के लिए उपयुक्त है। अगर कोई छात्र 10वीं या 12वीं पास है, तो वह सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट, कंपोस्टिंग, या वेस्ट सेग्रिगेशन जैसे शॉर्ट टर्म कोर्स (3 से 6 माह) कर सकता है। इन कोर्सेस की सुविधा स्किल इंडिया, एनएसडीसी, टीआईएसएस, इग्नू, और राज्य स्तरीय प्रशिक्षण संस्थानों द्वारा दी जाती है। जो ग्रेजुएट या पोस्ट- ग्रेजुएट छात्र हैं, वे एनवायरमेंट मैनेजमेंट, सस्टेनेबल वेस्ट मैनेजमेंट, या अर्बन प्लानिंग जैसे क्षेत्रों में डिप्लोमा या डिग्री ले सकते हैं।

भारत सरकार के स्वच्छ भारत मिशन (एसबीएम) के अनुसार, 2024 तक देश के 70 प्रतिशत से अधिक कचरे का स्रोत पर ही पृथक्करण किया जाने लगा है-यह काम हजारों प्रशिक्षित वेस्ट वर्कर्स द्वारा किया जा रहा है। नीति आयोग की रिपोर्ट के मुताबिक, रिसाइक्लिंग इंडस्ट्री हर साल 40,000 करोड़ रुपये का कारोबार कर रही है और इसमें 20 लाख से अधिक रोजगार सृजित हो रहे हैं। सीपीसीबी यानी केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, ई-वेस्ट और प्लास्टिक वेस्ट के लिए अलग-अलग संग्रह केंद्रों और प्रोसेसिंग यूनिट्स में विशेषज्ञों की भारी कमी है। ऐसे में यह क्षेत्र युवाओं के लिए सुनहरा अवसर बन चुका है।

प्रधानमंत्री मोदी का हर अभियान बना जन आन्दोलन

डॉ.राजेश मिश्र

मोदी सरकार ने 11 साल के कार्यकाल में कई उल्लेखनीय और अभूतपूर्व कार्य कर भारत को कई क्षेत्रो मे नई ऊंचाई पर पहुंचाया है। शौचालय पी.एम. आवास निर्माण के बाद बड़ी उपलब्धियों मे यदि किसी को गिना जाअगा तो वह है आयुष्मान भारत योजना, जिसने 50 करोड़ गरीबों को 5 लाख रुपये तक का मुफ्त स्वास्थ्य बीमा प्रदान किया है। इस योजना ने 6 करोड़ से अधिक लोगो का इलाज कराकर उन्हे वित्तीय संकट से बचाया। देखा जाए तो गरीब और मध्यम वर्गीय परिवार के लिये इलाज पर होने वाला खर्च कमर तोड़ने वाला होता है।

अपने पहले कार्यकाल में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जब गांधी जयंती पर स्वच्छता अभियान की शुरुआत की तो किसी को अंदाजा न रहा होगा की यह अभियान जन आन्दोलन का रूप ले लेगा । स्वच्छता आन्दोलन के साथ देखते ही देखते तरह से राजनेता, अभिनेता, अधिकारी, कर्मचारी, व्यापारी व आमजन जुड़ गये वह अपने आप मे अद्वितीय ही रहा । अभियान पूरे देश में व्यापक असर तो दिखा ही साथ ही लोगों के दिलों-दिमाग में स्वच्छता के प्रति जागरुकता के प्रति अमिट छाप छोड़ गया । आज भी लोग सार्वजनिक व निजी स्थलों मे कचरा फेंकने, गंदगी करने के पहले सौ बार सोचते है। कोविड के समय स्वास्थ्य के प्रति जागरुकता और जन सहयोग को मिशाल के रूप मे देश ने देखा है। सरकारी मदद इलाज के इतर जिस तरह से एक दूसरे की मदद के लिए लोग सामने आए और लाखो लोगों की जान सुरक्षित किए वह प्रधानमंत्री के आह्वान का ही नतीजा रहा है। मोदी सरकार ने 11 साल के कार्यकाल में कई उल्लेखनीय और अभूतपूर्व कार्य कर भारत को कई क्षेत्रो मे नई ऊंचाई पर पहुंचाया है। शौचालय पी.एम. आवास निर्माण के बाद बड़ी उपलब्धियों मे यदि किसी को गिना जाअगा तो वह है आयुष्मान भारत योजना, जिसने 50 करोड़ गरीबों को 5 लाख रुपये तक का मुफ्त स्वास्थ्य बीमा प्रदान किया है। इस योजना ने 6 करोड़ से अधिक लोगो का इलाज कराकर उन्हे वित्तीय संकट से बचाया। देखा जाए तो गरीब और मध्यम वर्गीय परिवार के लिये इलाज पर होने वाला खर्च कमर तोड़ने वाला होता है। गम्भीर बीमारी के समय तो कई ऐसे परिवार रहे जो खर्च न उठा पाने की स्थिति मे मरीज को अपने हाल पर छोड़ देते थे। आयुष्मान भारत योजना ने अब सब कुछ आसान कर दिया है। सामान्य हो या असामान्य सभी तरह की बीमारियों की चिन्ता आयुष्मान भारत पर छोड़ी जा चुकी है। आयुष्मान भारत योजना के बाद डिजिटल इण्डिया का कदम क्रान्तिकारी रहा है। डिजिटल इण्डिया ने यूपीआई के माध्यम से भारत को वैश्विक डिजिटल भुगतान का नेतृत्वकर्ता बनाया जिससे 2025 तक 1.3 ट्रिलियन मासिक लेन-देन दर्ज किए गए। मेक इन इण्डिया विनिर्माण और निवेश को बढ़ावा दिया जिससे भारत चौथी सबसे बड़ी अर्थ व्यवस्था बना। जल जीवन मिशन ने 11.82 करोड़ ग्रामीण घरो को नल जल कनेक्शन प्रदान किया जिससे स्वच्छ पेयजल की पहुंच बढ़ी। मोदी सरकार ने अपने ग्यारह वर्ष के कार्यकाल मे ऐतिहासिक और साहसिक निर्णय लिए हैं। अनुच्छेद 370 का हटाया जाना ऐसा निर्णय रहा जिसे देश मान चुका था की यह सम्भव नही है। 'यह नहीं हो सकता' की धारणा आम हो चुकी थी लोकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व मे यह धारणा टूट गई। अनुच्छेद 370 समाप्त हो गया और किसी तरह की चूं- चपड़ भी नही हुई। विपक्ष की यह आशंका भी निर्मूल साबित हुई की देश मे भू-चाल आ जाएगा।अनुच्छेद 370 के समाप्ति के बाद देश ने भी देखा की जब जम्मू-कश्मीर में लोकसभा चुनाव हुए तो 58.46 फीसद तक मतदान हुआ। यह परिवर्तन एक साहसिक निर्णय का असर रहा है। इसी तरह तीन तलाक की प्रथा जो मानवता के लिए त्रासदी थी जिस पर वर्षों तक चुप्पी छायी रही। सुप्रीम कोर्ट ने अपनी बात कही लेकिन कोई निर्णायक कदम नही उठाया गया। मोदी सरकार ने तीन तलाक को समाप्त कर यह साबित कर दिया कि वह महिलाओं के सम्मान और अधिकारों के लिए प्रतिबद्ध है। यह निर्णय तब और भी महत्वपूर्ण हो जाता है जब पता चलता है कि इस्लामिक देशों में तो तीन तलाक बहुत पहले ही समाप्त हो चुका है। प्रधानमंत्री ने गरीबों के कल्याण की सार्थक योजना चलाई जिसका असर देखने को मिला है। गरीबी हटाओ केवल पुराने नारे तक सीमित नहीं रहा बल्कि गरीबों के कल्याण को साकार रूप दिया गया। आंकड़े बताते हैं की 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा के उपर उठ चुके है। नीति आयोग और अंतरराष्ट्रीय आर्थिक मंचों द्वारा प्रस्तुत किए गए आंकडे भी इसके गवाह है। भारत मे अत्यधिक गरीबी में 80 प्रतिशत की गिरावट दर्ज हुई है। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के अंतर्गत 80 करोड लोगो को प्रति व्यक्ति 5 किलो गेहूं व चावल निःशुल्क उपलब्ध कराया गया जिसे बडी उपलब्धि के रूप में माना जा सकता है। पी.एम. आवास योजना ने भी गरीबों की ना की दशा बदली बल्कि खुशहाली की राह दिखाआ है। पी.एम. आवास योजना के 4 करोड़ पक्के मकान बनाए जा चुके है और अगले पांच वर्षों में 3 करोड और मकानों के निर्माण का संकल्प लिया गया है। यदि आज आप गांवों की यात्रा करें तो पहले जहां खपरैल व घासफूस के घर दिखते थे अब वहां पक्के मकान खड़े है। सड़क नेटवर्क क्षेत्र में पहले जो सड़कें अधूरी व टूटी-फूटी रहती थीं वह अब हाइवे मे बदल चुकी हैं। यह आज के आधुनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर का परिचायक है। पुलवामा व हाल में हुए पहलगाम आतंकी हमले से सभी वाकिफ हैं। आतंकी हमले के बाद प्रधानमंत्री नेहवा ऽ हवाई बातें नहीं की, बल्कि जो कहा वह करके दिखाया है। देश ने देखा कि किस तरह सेना ने घुस कर मारा। यह तभी संभव होता जब नेतृत्त मजबूत हाथो में हो, और कुछ कर दिखाने का जज्बा हो। मोदी सरकार ने देश की आंतरिक और वाह्य सुरक्षा फोकस करते हुए नक्सलवाद व आतंकवाद की कमर तोड़ने का काम किया है। पहले देश में 126 जिले नक्सल प्रभावित माने जाते थे जो अब घटकर 18 रह गए हैं। हिंसा मे 53 फीसद की कमी आई है। सुरक्षाबलों की हताहत संख्या में 72 फीद गिरावट दर्ज की गई है। इससे स्पष्ट होता है कि भारत अब नक्सलवाद को जड़ से समाप्त करने की दिशा में तेजी से आगे बढ रहा है। संसदीय क्षेत्र सीधी के संदर्भ मेंः प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ग्यारह वर्ष के कार्यकाल मे संसदीय क्षेत्र सीधी में एतिहासिक कार्य हुए हैं। ललितपुर- सिंगरौली रेल परियोजना की आधारशिला 1985 मे रखी गई। बाद में परियोजना को ठंडे बस्ते मे डाल दिया गया। केन्द्र मे कांग्रेस की सरकार होने और स्थानीय स्तर पर मजबूत व पहुंचवाले नेताओं के होने के बावजूद परियोजना को गतिमान बनाने एक धेला भी नही दिया गया। रेल परियोजना को गति देने का काम नरेन्द्र मोदी की सरकार बनने के बाद हुआ है। ग्यारह वर्ष के प्रयास का नतीजा रहा की रीवा से सीधी और सिंगरौली तक रेल लाइन बिछाने का काम तेज है। जगह ऽ जगह स्टेशन, पुल आदि का कार्य तेजी से हो रहा है। बघवार तक तो पिछले महीने ट्रायल मे रेल आ चुकी है। जिला मुख्यालय मे भी शीघ्र बहुप्रतीक्षित रेल पहुंचने वाली है। पिछले 40 वर्ष से ठप पड़ी रेल परियोजना को जहां मोदी सरकार ने सजीव कर दिखाया वहीं सीधी ऽ रीवा मार्ग पर कैमोर पहाड़ मे विश्वस्तरीय सुरंग का निर्माण कराकर समूचे विंध्य को बड़ी सौगात दी है। सुरंग बन जाने से सीधी और रीवा के बीच आवागमन सुगम व रोमांचित हो गया है । संसदीय क्षेत्र मे इसके अलावा बेहतरीन नेशनल हाइवे निर्माणाधीन हैं। गांव ऽ देहात भी सड़क, पेयजल, बिजली की सुविधा से युक्त हो गए हैं। सीधी ऽ सिंगरौली में मेडिकल कालेज की स्थापना, इंजीनियरिंग, पॉलीटेक्निक संस्थानों की स्थापना ने शिक्षा के क्षेत्र को मजबूती प्रदान की है। साथ ही सिंचाई परियोजना की शुरुआत आदि ने किसानों को आर्थिक रूप से सुदृढ़ बनाने का काम किया है।

भारत में आध्यात्म एवं युवाओं के बल प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि के नए संकेत

प्रहलाद सबनानी

जापान की अर्थव्यवस्था को पीछे छोड़ते हुए भारत आज विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और संभवत आगामी लगभग दो वर्षों के अंदर जर्मनी की अर्थव्यवस्था से आगे निकलकर विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं की अपनी अपनी विशेषताएं हैं, जिसके आधार पर यह अर्थव्यवस्थाएं विश्व में उच्च स्थान पर पहुंची हैं एवं इस स्थान पर बनी हुई हैं। प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद के मामले में आज भी कई विकसित देश भारत से आगे हैं। इन समस्त देशों के बीच चूंकि भारत की आबादी सबसे अधिक अर्थात 140 करोड़ नागरिकों से अधिक है, इसलिए भारत में प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद बहुत कम है। अमेरिका के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 30.51 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर है और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 89,110 अमेरिकी डॉलर हैं। इसी प्रकार, चीन के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 19.23 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर है और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 13,690 अमेरिकी डॉलर है और जर्मनी के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 4.74 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर है और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 55,910 अमेरिकी डॉलर है। यह तीनों देश सकल घरेलू उत्पाद के आकार के मामले में आज भारत से आगे हैं। भारत के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 4.19 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर है तथा प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद केवल 2,880 अमेरिकी डॉलर है। भारत के पीछे आने वाले देशों में हालांकि सकल घरेलू उत्पाद का आकार कम जरूर है परंतु प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद के मामले में यह देश भारत से बहुत आगे हैं। जैसे जापान के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 4.18 लाख करोड़ है और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 33,960 अमेरिकी डॉलर है। ब्रिटेन के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 3.84 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 54,950 अमेरिकी डॉलर है। फ्रान्स के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 3.21 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर है और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 46,390 अमेरिकी डॉलर है। इटली के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 2.42 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर है और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 41,090 अमेरिकी डॉलर है। कनाडा के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 2.23 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर है और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 53,560 अमेरिकी डॉलर है। ब्राजील के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 2.13 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 9,960 अमेरिकी डॉलर है। सकल घरेलू उत्पाद के आकार के मामले में विश्व की सबसे बड़ी 10 अर्थव्यवस्थाओं में भारत शामिल होकर चौथे स्थान पहुंच जरूर गया है परंतु प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद के मामले में भारत इन सभी अर्थव्यवस्थाओं से अभी भी बहुत पीछे है। इस सबके पीछे सबसे बड़े कारणों में शामिल है भारत द्वारा वर्ष 1947 में राजनैतिक स्वतंत्रता प्राप्ति पश्चात, आर्थिक विकास की दौड़ में बहुत अधिक देर के बाद शामिल होना। भारत में आर्थिक सुधार कार्यक्रमों की शुरुआत वर्ष 1991 में प्रारम्भ जरूर हुई परंतु इसमें इस क्षेत्र में तेजी से कार्य वर्ष 2014 के बाद ही प्रारम्भ हो सका है। इसके बाद, पिछले 11 वर्षों में परिणाम हमारे सामने हैं और भारत विश्व की 11वीं अर्थव्यवस्था से छलांग लगते हुए आज 4थी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। दूसरे, इन देशों की तुलना में भारत की जनसंख्या का बहुत अधिक होना, जिसके चलते सकल घरेलू उत्पाद का आकार तो लगातार बढ़ रहा है परंतु प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद अभी भी अत्यधिक दबाव में है। अमेरिका में तो आर्थिक क्षेत्र में सुधार कार्यक्रम 1940 में ही प्रारम्भ हो गए थे एवं चीन में वर्ष 1960 से प्रारम्भ हुए। अतः भारत इस मामले में विश्व के विकसित देशों से बहुत अधिक पिछड़ गया है। परंतु, अब भारत में गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले नागरिकों की संख्या में तेजी से कमी हो रही है तथा साथ ही अतिधनाडय एवं मध्यमवर्गीय परिवारों की संख्या बहुत तेजी से बढ़ रही है, जिससे अब उम्मीद की जानी चाहिए कि आगे आने वाली समय में भारत में भी प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद में तेज गति से वृद्धि होगी। विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था, अमेरिका में सेवा क्षेत्र इसकी सबसे बढ़ी ताकत है। अमेरिका में केवल 2 प्रतिशत आबादी ही कृषि क्षेत्र पर निर्भर है और अमेरिका की अधिकतम आबादी उच्च तकनीकी का उपयोग करती है जिसके कारण अमेरिका में उत्पादकता अपने उच्चत्तम स्तर पर है। पेट्रोलीयम पदार्थों एवं रक्षा उत्पादों के निर्यात के मामले में अमेरिका आज पूरे विश्व में प्रथम स्थान पर है। वर्ष 2024 में अमेरिका ने 2.08 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर मूल्य के बराबर का सामान अन्य देशों को निर्यात किया है, जो चीन के बाद विश्व के दूसरे स्थान पर है। तकनीकी वर्चस्व, बौद्धिक सम्पदा एवं प्रौद्योगिकी नवाचार ने अमेरिका को विकास के मामले में बहुत आगे पहुंचा दिया है। टेक्निकल नवाचार से जुड़ी विश्व की पांच शीर्ष कम्पनियों में से चार, यथा एप्पल, एनवीडिया, माक्रोसोफ्ट एवं अल्फाबेट, अमेरिका की कम्पनियां हैं। इन कम्पनियों का संयुक्त बाजार मूल्य 12 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर से भी अधिक है, जो विश्व के कई देशों के सकल घरेलू उत्पाद से बहुत अधिक है। अतः अमेरिका के नागरिकों ने बहुत तेजी से धन सम्पदा का संग्रहण किया है इसी के चलते प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद अमेरिका में बहुत अधिक है। द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद वर्ष 1944 में अमेरिका के ब्रेटन वुड्ज नामक स्थान पर हुई एतिहासिक बैठक में विश्व के 44 देशों ने वैश्विक वित्तीय व्यवस्था के नए ढांचे पर सहमति जताते हुए अपने देश की मुद्रा को अमेरिकी डॉलर से जोड़ दिया था। इसके बाद से वैश्विक अर्थव्यवस्था में अमेरिकी डॉलर का दबदबा बना हुआ है। आज विश्व का लगभग 80 प्रतिशत अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग लेन देन अमेरिकी डॉलर में होता है। अमेरिका के बाद विश्व की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था चीन को पूरे विश्व का विनिर्माण केंद्र कहा जाता है क्योंकि आज पूरे विश्व के औद्योगिक उत्पादन का 31 प्रतिशत हिस्सा चीन में निर्मित होता है। चीन में पूरे विश्व की लगभग समस्त कम्पनियों ने अपनी विनिर्माण इकाईयां स्थापित की हुई हैं। चीन के सकल घरेलू उत्पाद में विनिर्माण इकाईयों का योगदान 27 प्रतिशत से अधिक हैं। पूरे विश्व में आज उत्पादों के निर्यात के मामले में प्रथम स्थान पर है। विभिन्न उत्पादों का निर्यात चीन की आर्थिक शक्ति का प्रमुख आधार है। सस्ती श्रम लागत के चलते चीन में उत्पादित वस्तुओं की कुल लागत तुलनात्मक रूप से बहुत कम होती है। वर्ष 2024 में चीन का कुल निर्यात 3.57 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक का रहा है। विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था अर्थात जर्मनी ने पिछले एक वर्ष में 25,000 पेटेंट अर्जित किए हैं। जर्मनी को, ऑटोमोबाइल उद्योग ने, पूरे विश्व में एक नई पहचान दी है। चार पहिया वाहनों के उत्पादन एवं निर्यात के मामले में जर्मनी पूरे विश्व में प्रथम स्थान पर है। जर्मनी में निर्मित चार पहिया वाहनों का 70 प्रतिशत हिस्सा निर्यात होता है। यूरोपीय यूनियन के देशों की सड़कों पर दौड़ने वाली हर तीसरी कार जर्मनी में निर्मित होती है। जर्मनी विश्व का तीसरा सबसे बड़ा निर्यातक देश है, जिसने 2024 में 1.66 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर मूल्य के बराबर राशि के उत्पाद एवं सेवाओं का निर्यात किया था। मुख्य निर्यात वस्तुओं में मोटर वाहनों के अलावा मशीनरी, रसायन और इलेक्ट्रिक उत्पाद शामिल हैं।

आपातकाल विस्मृत न हो

डॉ. आशीष वशिष्ठ

बीते साल 25 जून को लोकसभा अध्यक्ष चुने जाने के तुरंत बाद ओम बिरला ने आपातकाल की निंदा करते हुए एक प्रस्ताव पढ़ा, जिसमें आपातकाल को 'प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा संविधान पर हमला' बताया गया। इस कदम के बाद सदन में कांग्रेस सांसदों ने विरोध किया। कांग्रेस की ओर से कहा गया कि पांच दशक पुराने इस काले दौर का स्मरण नहीं किया जाना चाहिए। संयोगवश, इंडिया ब्लॉक के सदस्यों ने एक दिन पूर्व 24 जून को सदस्य के रूप में शपथ लेते समय संविधान की प्रतियां उठाई थीं। ऐसे में अहम सवाल यह है कि क्या कांग्रेस आपातकाल को सही मानती है या फिर यह चाहती है कि लोकतंत्र को कलंकित करने और संविधान का निरादर करने वाले इस तानाशाही भरे कदम का स्मरण नहीं किया जाना चाहिए?

अंग्रेजों से आजाद होने के बाद भारत लोकतांत्रिक देश तो बन गया, लेकिन ठीक 25 साल बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की ओर से थोपी गई इमरजेंसी में लोकतंत्र की धज्जियां उड़ गई थी। 25 जून, 1975 की आधी रात अपनी सत्ता बनाए रखने के लिए इंदिरा ने तानाशाही का ऐसा नमूना पेश किया, जो उस पीढ़ी के लोग अब भी नहीं भूल पाए हैं। बीते साल 25 जून को लोकसभा अध्यक्ष चुने जाने के तुरंत बाद ओम बिरला ने आपातकाल की निंदा करते हुए एक प्रस्ताव पढ़ा, जिसमें आपातकाल को 'प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा संविधान पर हमला' बताया गया। इस कदम के बाद सदन में कांग्रेस सांसदों ने विरोध किया। कांग्रेस की ओर से कहा गया कि पांच दशक पुराने इस काले दौर का स्मरण नहीं किया जाना चाहिए। संयोगवश, इंडिया ब्लॉक के सदस्यों ने एक दिन पूर्व 24 जून को सदस्य के रूप में शपथ लेते समय संविधान की प्रतियां उठाई थीं। ऐसे में अहम सवाल यह है कि क्या कांग्रेस आपातकाल को सही मानती है या फिर यह चाहती है कि लोकतंत्र को कलंकित करने और संविधान का निरादर करने वाले इस तानाशाही भरे कदम का स्मरण नहीं किया जाना चाहिए? क्या कांग्रेस कांग्रेस चाहती है कि आपातकाल पर चर्चा नहीं होनी चाहिए। लेकिन आपातकाल के भुगतभोगी आम लोगों और नेताओं का मानना है कि अतीत की भूलों को विस्मृत करने से उनके दोहराए जाने का खतरा बढ़ जाता है। वास्तव में कांग्रेस और उसके नेता आपातकाल की गलती को स्वीकार नहीं करते। अगर वह अपनी गलती स्वीकार करते तो वह यह कहने की हिम्मत जुटाते कि 49 साल पहले तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की ओर से देश पर आपातकाल थोपने और राजनीतिक विरोधियों, मीडिया एवं जनता के खिलाफ दमन का चक्र चलाना एक भूल थी। कांग्रेस को आपातकाल की याद दिलाना इसलिए आवश्यक है, क्योंकि पिछले कुछ समय से वह संविधान के खतरे में होने का फर्जी हौवा खड़ा कर उसके प्रति प्रतिबद्धता जताने में लगी हुई है। यह ठीक है कि 2024 के लोकसभा चुनावों में कांग्रेस का संख्या बल बढ़ा है, लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि वह दबे-छिपे स्वर में आपातकाल को सही ठहराने की कोशिश करती दिखने लगे। उसकी यह कोशिश तो आपातकाल के स्मरण को और अधिक आवश्यक ठहराती है। यदि वह संविधान के प्रति इतनी ही अधिक प्रतिबद्ध है तो फिर यह क्यों नहीं स्वीकार करना चाहती कि इंदिरा गांधी ने अपनी संसद सदस्यता खारिज किए जाने के इलाहाबाद उच्च न्यायालय के फैसले को निष्प्रभावी करने के लिए आपातकाल का सहारा लिया और इस क्रम में इसी संविधान को कुचला और उसकी प्रस्तावना को मनमाने तरीके से बदल दिया। नयी पीढ़ी तो आपातकाल की विभीषिका से बिल्कुल अपरिचित है। बातचीत के क्रम में इस पीढ़ी ने आपातकात शब्द जरूर सुना होगा लेकिन 25-26 जून, 1975 की रात को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा देश पर थोपे गए आपातकाल के दंश की कई पीढ़ियां भुक्तभोगी हैं। आपातकाल के दौरान पूरा देश कारागार में परिवर्तित हो गया था। विपक्ष के सभी नेताओं को रात में ही जगा कर नज़दीकी जेल में ज़बरन उन्हें डाल दिया गया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ यानी आरएसएस और जमात-ए-इस्लामी सहित 26 संगठनों पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया। आपातकाल के मुखर आलोचक रहे फिल्मी कलाकारों को भी इसका दंश झेलना पड़ा। किशोर कुमार के गानों को रेडियो और दूरदर्शन पर बजाने पर प्रतिबंध लगा दिया गया। देव आनंद को भी अनौपचारिक प्रतिबंध का सामना करना पड़ा था। आपातकाल की कहानी को बार-बार दोहराना इसलिए भी जरूरी है कि आज की युवा पीढ़ी कम से कम यह जान ले कि जो आजादी और स्वतंत्रता उसे अनायास मिली है, सहज सुलभ है, वह दरअसल कितने बलिदानों से मिली है और उसे कायम रखने के लिए कितनी लड़ाइयां हुई हैं ! लोगों को पता चलना चाहिए कि संविधान की हत्या किसे कहते हैं। पूर्व उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू के शब्दों में, ''आपातकाल की घोषणा ने देश की लोकतांत्रिक संरचना को हिला कर रख दिया। लोकतांत्रिक व्यवस्था के कमज़ोर पक्षों पर व्यापक विचार विमर्श हुआ और देश ने दोबारा कभी भी इसे नहीं लगाए जाने का प्रण किया। यह प्रतिज्ञा तभी बनी रहेगी जब देश बार बार उस आपातकाल से मिलने वाले सबक को याद करता रहेगा। ख़ास कर, युवाओं को आज़ाद भारत के उस काले अध्याय की जानकारी और उससे मिले सबक को जानना होगा। देश में आपातकाल लागू होने के बाद कई त्रासद घटनाएं हुईं। दिल्ली का तुर्कमान गेट कांड भी इनमें एक था। मुस्लिम बहुल उस इलाके को संजय गांधी ने दिल्ली के सौंदर्यीकरण के नाम पर खाली करा दिया। यह काम लोगों की सहमति से नहीं, बल्कि जबरन किया गया गया। बुल्डोजर से लोगों के घर ढहाए गए। जिन्होंने विरोध किया, उन्हें जेलों में ठूंस दिया गया। विरोध के दौरान पुलिस ने लाठियां बरसाईं और आंसू गैस के गोले छोड़े। पुलिस ने गोलियां भी चलाईं। चार लोगों की जान चली गई। संजय गांधी ने तब तक परिवार नियोजन का अभियान छेड़ दिया था। सड़क से भिखारियों, झोपड़पट्टी के लोगों और राहगीरों को पकड़ कर जबरन नसबंदी के टार्गेट पूरे किए जाने लगे। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में 18 अक्टूबर 1976 को नसबंदी अभियान का विरोध कर रहे आंदोलकारियों पर पुलिस ने सीधी फायरिंग कर दी थी। जिसमें 42 बेगुनाहों की मौत हो गई थी। मृतकों की स्मृति में यहां शहीद चौक बना हुआ है। एक रिपोर्ट के मुताबिक इमरजेंसी के दौरान देशभर में 1 करोड़ 10 लाख से ज्यादा लोगों की नसबंदी कर दी गई थी। तत्कालीन अटार्नी जनरल नीरेन डे ने तब सुप्रीम कोर्ट में यह कुबूल किया था कि जीने का अधिकार स्थगित है। यदि स्टेट आज किसी की जान भी ले ले तो भी उसके खिलाफ कोई व्यक्ति कोर्ट की में नहीं जा सकता। ऐसे मामलों को सुनने के कोर्ट के अधिकार खत्म कर दिए गए हैं। ऐसा तो अंग्रेजों के राज में भी नहीं था। विलायती शासन में भी कम से कम जनता को कोर्ट में जाने की छूट तो मिली हुई थी। आपातकाल की अवधि के दौरान सत्ता के दुरुपयोग, कदाचार और ज्यादतियों के विभिन्न पहलुओं की जांच के लिए भारत के सर्वोच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति जेसी शाह की अध्यक्षता में शाह आयोग का गठन किया था। आयोग द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया था कि आपातकाल के दौरान एक लाख से ज्यादा लोगों को निवारक हिरासत कानूनों के तहत गिरफ्तार किया गया था। 24 जून 2024 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इमरजेंसी का जिक्र करते हुए कहा- ''जो लोग इस देश के संविधान की गरिमा को समर्पित हैं, जो लोग भारत की लोकतांत्रिक परंपराओं पर निष्ठा रखते हैं, उनके लिए 25 जून न भूलने वाला दिवस है। इमरजेंसी के विरोध में केंद्र की बीजेपी सरकार ने हर साल 25 जून को 'संविधान हत्या दिवस' के रूप में मनाने का फैसला किया है। असल में, 'संविधान हत्या दिवस' मनाने का मकसद संविधान की हत्या करने वालों और इस घटना से लोगों को हुई तकलीफों के बारे में आज की पीढ़ी को परिचित कराना है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने कहा था, ''जब भी मैं निराशा होता हूं, तब इतिहास के पन्नों को पलटकर सत्य और प्रेम की जीत को दोहराने वाले तथ्यों का स्मरण करता हूं। इतिहास के पन्नों पर आतातायी और हत्यारे भी रहे हैं और कुछ पल के लिए वो अजेय भी दिखे लेकिन यह खास ख्याल रखें कि अंत में उनका खात्मा हुआ है। जीत हमेशा सत्य की हुई है।'' हमें अपने कटु अनुभवों से सीख लेने की आवश्यकता है, ताकि न्यू इंडिया के सपने को साकार कर सकें।

कुल्हाड़ी से भाई के ताबड़तोड़ हमले में बहन की मौत

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कौशाम्बी। कोखराज क्षेत्र के बालकमऊ गांव में सोमवार की सुबह मामूली विवाद में नशेड़ी भाई ने कुल्हाड़ी से वार कर बहन की हत्या कर दी।घटना की जानकारी होने पर गांव में सनसनी फैल गयी। मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपित भाई को हिरासत में लेकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। बालकमऊ गांव निवासी केसलाल की 16 वर्षीय बेटी राजदुलारी पुत्री केस लाल सुबह करीब 10 बजे घर में खाना बना रही थी। तभी नशेड़ी भाई कुंवर सिंह घर पहुंचा तथा बहन से माचिस मांगा। इस दौरान चूल्हे में रोटी बना रही बहन को माचिस देने में देरी होने पर वहीं पास में रखी कुल्हाड़ी से भँबके सर व गले में कई वार कर दिया जिससे मौके पर ही बहन की मौत हो गयी तथा शव को घर में रखे भूषा में छिपा दिया। जिस समय यह वारदात हुई, उस समय पिता आम बेचने व मां खेत की तरफ गयी थी। खेत से घर आने पर मां ने बेटी को आवाज लगायी लेकिन जब बेटी की कोई आवाज नही सुनायी दी तो घर के अंदर गयी तथा रसोई से लेकर भूषा रखे स्थान तक खून जमीन पर गिरा हुआ था यह देख भूषा हटाने पर उसमें छिपाकर रखा शव देखकर जोर जोर से चिल्लाने लगी जिसे सुनकर ग्रामीणों की भी भीड़ जुट गई तथा खबर मिलते ही आम बेचने घर से निकला मौके पर पहुंचा। पुलिस ने आरोपित भाई को हिरासत में ले ली है। खबर पाकर मौके पर सी ओ व इंस्पेक्टर कोखराज सीबी मौर्य तथा चौकी प्रभारी सिंघिया अतुल रंजन मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल किये। इंस्पेक्टर कोखराज सी बी मौर्य ने बताया कि भाई नशेड़ी है। नशे की हालत में विवाद होने पर घटना को अंजाम दिया। पूंछतांछ की जा रही है।

कान्हा मल्टी हॉस्पिटल में 250 चश्मों का निःशुल्क वितरण व 25 मोतियाबिंद के ऑपरेशन हुए

बांदा। सोमवार को कान्हा मल्टी हॉस्पिटल लोहिया पुल गायत्री नगर में श्री सदुरु सेवा संघ ट्रस्ट जानकीकुण्ड चित्रकूट के सहयोग से निःशुल्क कैम्प में के माध्यम से 250 निःशुल्क चश्मा का वितरण किया गया और 25 मोतिया बिंद का ऑपरेशन निःशुल्क हेतु भर्ती किया गया कान्हा मल्टी हॉस्पिटल के प्रबंधक सुरेश गुप्ता कान्हा ने बताया कि सतगुरु सेवा संघ ट्रस्ट के स्पेशलिस्ट डाक्टरों के सहयोग से कान्हा मल्टी हॉस्पिटल में निःशुल्क कैम्प लगवाया गया जिसमें 300 मरीजों का पंजीयन हुआ जिसमें 275 मरीजों को निःशुल्क चश्मे का वितरण किया गया और 25 मोतिया बिंद के ऑपरेशन हेतु भर्ती हुए जिनका ऑपरेशन निःशुल्क किया जा रहा है।सुरेश कान्हा के द्वारा समय-समय पर हर तरीके सेवाओं का निःशुल्क आयोजन किया जाता है ताकि अधिक से अधिक लोगों को जो जरूरतमंद हो लाभान्वित हो सकें। सुरेश अपने संबोधन में कहा कि मैं अपने बांदा जनपद के हर जरूरत मन्दों को ज्यादा से ज्यादा निःशुल्क लाभ दिला दिलाने का पूरा प्रयास करता हूं।

शाखा प्रबंधक बैंक ऑफ़ इंडिया सफीपुर ने सृजन मिश्रा को किया सम्मानित

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

सफीपुर-उन्नाव। जनपद उन्नाव की तहसील सफीपुर के गांव दरौली रेलवे क्रॉसिंग के निकट गुरुवार के दिन कानपुर से बालामऊ जाने वाली ट्रेन नंबर 54336 को दरौली गांव के ही निवासी सृजन मिश्रा ने फिल्मी अंदाज में बगल में ही एक बकरी चराने वाले बच्चे की लाल टी शर्ट उतरवाकर ट्रेन रुकवाया जैसे ही ट्रेन रुकी लोको पायलट ने सृजन से ट्रेन रुकवाने का कारण पूछा तो सृजन मिश्र ने बताया कि आगे दरौली अंडरपास ऊपर की गिट्टी धंस गई है जिससे पटरी का कोई भी सपोर्ट नहीं है ट्रेन को खतरा हो सकता है खतरे का अंदेशा पाकर लोको पायलट ने तत्काल जाकर मौका मुयायना किया जिस पर घटना सही पाई गई लोको पायलट ने सृजन मिश्रा की सजगता और बुद्धिमत्ता की तारीफ की व तत्काल लोको पायलट ने कंट्रोल रूम फोन करके टीम को बुलवाया और ट्रैक सही करवाया तब जाकर लगभग 42 मिनट के बाद ट्रेन गंतव्य को रवाना हुई क्र गुरूवार की वो पहले बारिश को लेकर आज तक दरौली अंडरपास में हमेशा जल भराव के कारण ग्रामवासियों को लगभग आठ किलोमीटर घूम कर जाना होता है ये समस्या आज की नहीं है गाँव के निवासी विभव त्रिवेदी बताते है कि जब से यह अंडरपास का निर्माण हुआ है बरसात के दिनों में गाँव के आम व्यापारियों व किसानो की हालात बद से बदतर हो गयी है,गाँव के ही पवन तिवारी ने बताया कि अभी स्कूल खुलने वाले है ऐसा ही रहा तो गाँव के बच्चो को भारी परेशानी उठानी पड़ेगी क्र इसी अंडरपास की वजह से ट्रेन का यह बड़ा हादसा सृजन मिश्रा की सजकता से दूर हो गया ,उस दिन से लेकर आज तक सृजन मिश्रा के इस फिल्मी अंदाज की बहादुरी के लिए उसे बधाइयां मिलने का क्रम अनवरत चालू है क्रइसी क्रम में आज सोमवार को सफीपुर शाखा प्रबंधक बैंक आफ इंडिया जितेश कुमार पांडे जी ने सृजन मिश्रा को बुलाकर इस बहादुरी और सजकता के लिए एक बैग और एक स्मार्ट वॉच उपहार स्वरूप देकर हौसला बढाया और भविष्य में आगे भी मदद का आश्वासन दिया।

खूंटा गाड़ने के विवाद में वृद्ध की पटककर हत्या

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कौशाम्बी। मंझनपुर कोतवाली के अंतर्गत गांव रघवापुर निवासी प्रेमचंद्र यादव पुत्र स्व. बुध्धू निवासी उम्र लगभग 65 वर्ष सोमवार को खलिहान की जमीन पर खूंटा गाड़ रहे थे इसी समय पड़ोस के साधु यादव मौके पर आकर अपनी जमीन बताते हुए खूंटा गाड़ने से मना करने लगे जिससे दोनों पक्षों में विवाद बढ़ गया। इसी दौरान साधु यादव ने प्रेमचन्द्र को उठाकर जमीन में पटक दिया जिससे चोट गहरी लग जाने से प्रेमचंद्र की मौके पर मौत हो गयी जिससे मृतक के परिजनों में कोहराम मच गया। इस दौरान मौका पाकर साधु यादव मौके से फरार हो गया। खबर पाकर मौके पर पहुंचकर घटना की छानबीन की तथा शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजी।

सर्राफा व मोबाइल शॉप की दुकान में शटर तोड़ कर लाखों की चोरी

- सराफा की दुकान से दो किलो चांदी के जेवर तथा कुछ नकद ले गए चोर
- मोबाइल शॉप से एसेसरीज तथा मोबाइल कबर आदि समान चोरी कर ले गए चोर

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर। कस्बा कंाट की मुख्य हाइवे के किनारे मेन मार्केट स्थित सराफा दुकान का शटर काटकर चोर लगभग दो किलो चांदी के जेवर सहित अन्य सामान चुरा ले गए।हालांकि इस दौरान चोरों ने आलमारी तोड़ने का प्रयास किया लेकिन सफल नहीं हो सके।सराफा दुकान के अंदर से पड़ोसी मेडिकल स्टोर में घुसे चोरों ने रैक तोड़कर बिक्री के रखे रुपए चोरी कर ले गए।इसी दौरान चोरों ने महुआ तिराहे पर शहज़ाद मोबाइल शाप को निशाना बनाया जहां से चोर मोबाइल एसेसरीज तथा मोबाइल उपकरण चोरी कर ले गए।दो दुकानों को निशाना बनाया। चौक कोतवाली क्षेत्र के सुनहरी मस्जिद निवासी ज्ञान प्रकाश उर्फ सोनी की थाना कंाट क्षेत्र के मुख्य बाजार स्थित अभयन मोड़ पर प्रिय ज्वैलर्स के नाम से सर्राफा की दुकान है। रविवार की शाम को वह अपनी दुकान बंद कर अपने घर चले गए।सुबह जब पड़ोसी मेडिकल स्वामी अपनी दुकान खोलने पहुंचे तो सराफा की दुकान का शटर टूटा हुआ देख तो तुरंत सराफा दुकान स्वामी ज्ञान प्रकाश उर्फ सोनी को फोन पर सूचना दी।सूचना पाकर ज्ञान प्रकाश अपने परिचयों और कुछ व्यापारियों के साथ अपनी दुकान पर पहुंचे अंदर घुसकर देखा तो मालूम हुआ कि दुकान में रखे चंदे के जेवरात जोकि लगभग दो किलो ग्राम के थे।गायब है। इस दौरान चोरों ने आलमारी खोलने का प्रयास किया लेकिन सफल नहीं हो सके।।इसी दुकान के अंदर से मेडिकल की दुकान में खुला रास्ता है उससे चोर मेडिकल तक पहुंच गए और रैक में रखे दुकानदारी के रुपए चोरी कर ले गए।इसके बाद बेखौफ चोर महुआ तिराहे स्थिति शहज़ाद मोबाइल शाप पर पहुंचे और शटर तोड कर अंदर घुस गए।और मोबाइल ऐसेसरीज आदि समान चोरी कर ले गए। मोबाइल स्वामी कंाट के मोहल्ला पट्टी पूर्वी निवासी शहजाद के मुताबिक चोर उनका लगभग डेढ़ लाख का सामान चोरी कर ले गए।वही सराफा व्यापारी ज्ञान प्रकाश उर्फ सोनी के मुताबिक चोर उनकी दुकान से लगभग तीन लाख रुपए के चांदी के जेवरात व अन्य सामान चोरी कर ले गए।सूचना पाकर इंस्पेक्टर कांट ब्रजेश सिंह,सीओ सदर प्रियांक जैन, विधि विज्ञान प्रयोगशाला की टीम तथा क्राइम ब्रांच मौके पर पहुंची और चोरी की जानकारी कर साक्ष्य जुटाए। प्रभारी निरीक्षक बृजेश सिंह ने बताया दो दुकानों में चोरी हुई मामले की जांच की जा रही है

संक्षिप्त समाचार

आज तीन फीडरों की की गुल रहेगी बिजली

शुक्लागंज-उन्नाव। सरैयां स्थित गंगाघाट विद्युत सबस्टेशन पर मंगलवार को बिजली आपूर्ति करने वाले ट्रांसफॉर्मर और अन्य उपकरणों का ''रखरखाव कार्य'' किया जाएगा। इस कारण बिजली विभाग सबस्टेशन से संचालित होने वाले ''तीन फीडरों की बिजली सुबह से शाम तक बंद रखेगा''। विद्युत वितरण खंड द्वितीय के अधिशासी अभियंता ने जानकारी देते हुए बताया कि मंगलवार को शुक्लागंज सबस्टेशन से जुड़े गंगाघाट विद्युत सबस्टेशन पर लगे ट्रांसफॉर्मरों का नियमित परीक्षण और यार्ड में स्थापित बिजली संयंत्रों का रखरखाव कार्य होगा। इस अनुरक्षण कार्य के चलते मिश्रा कॉलोनी फीडर, शक्तिनगर फीडर और फीडर 4 की बिजली आपूर्ति ''आज सुबह लगभग 10 बजे से शाम 4 बजे तक बंद रहेगी''।

रागिनी पुत्री रवि करण सिंह ने लगाया एसपी से न्याय की गुहार

बांदा। रागिनी पुत्री रवि करण सिंह निवासी इंदिरा नगर टीवी टावर के पीछे पुलिस अधीक्षक को प्राथना पत्र दे कर बताया कि 16 जून को मेरे भाई विवेक सिंह पुत्र रवि करण सिंह को उनके दो साथी विकास वर्मा पुत्र छोटेलाल वह सूरज सिंह परिहार उर्फ मेहमान पुत्र अज्ञात यह दोनों मेरे भाई विवेक सिंह को बांदा से कहीं दूर ले गए उस समय मेरे भाई विवेक सिंह के पास 50000(पच्चास हजार रुपए)थे। इसके बाद मेरे पास रात में 9:30 पर फोन के माध्यम से जानकारी दी गई कि मेरे भाई विवेक सिंह को बांदा जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उसकी स्थिति गंभीर है स्थिति गंभीर होने के कारण मेरे भाई विवेक सिंह को बांदा जिला अस्पताल से कानपुर के लिए रेफर कर दिया गया है और वह कोमा में है इस पूरी घटना से यह संदेह उत्पन्न होता है कि मेरे भाई के साथ उसके तथा कथित दोस्त ने धोखाधड़ी ठगी और जान से खिलवाड़ किया है इस वजह से दोषियों को पकड़ कर उचित कार्यवाही की जाए जिससे दोषियों को सजा मिल सके।

कमिश्नर ने ली मंडलीय विकास कार्यों की समीक्षा हेतु आयुक्त द्वारा महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न

बांदा। आयुक्त अजीत कुमार की अध्यक्षता में मंडलीय विकास कार्यों की समीक्षा बैठक आयुक्त सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक में मंडल के समस्त विभागीय अधिकारी एवं जनपद स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।आयुक्त अजीत कुमार ने निर्देशित किया कि स्वास्थ्य, शिक्षा, सड़क, एवं विद्युत जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर विशेष ध्यान केंद्रित किया जाए। उन्होंने सभी मुख्य विकास अधिकारियों को निर्देश दिया कि ''फैमिली आईडी'' परियोजना में प्रगति लायी जाए और ''फार्मर रजिस्ट्री'' के कार्यों में भी तेजी लाई जाए, ताकि सभी पात्र कृषकों को योजनाओं का समुचित लाभ मिल सके।उन्होंने सभी जनपदों को निर्देशित किया कि आईजीआरएस (जन शिकायत निवारण प्रणाली) से संबंधित शिकायतों का गुणवत्ता युक्त एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, क्योंकि यह माननीय मुख्यमंत्री की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है।उपनिदेशक शिक्षा को निर्देशित किया गया कि वे निरंतर विद्यालयों का निरीक्षण करें एवं ''ऑपरेशन कायाकल्प'' के अंतर्गत विद्यालयों की साफ-सफाई, पठन-पाठन की गुणवत्ता तथा शिक्षकों की उपस्थिति आदि की नियमित समीक्षा करें।आयुक्त ने यह भी स्पष्ट निर्देश दिए कि मुख्यमंत्री आवास योजना में जिन जनपदों की रैंकिंग कमजोर है, वहां सुधारात्मक कार्यवाही की जाए।

महिला पर मिथ्या वार, साजिश के पीछे सपा की चाल, जदयू का हल्लाबोल!''

बाँदा। जनता दल यूनाइटेड (उत्तर प्रदेश) की प्रदेश उपाध्यक्ष शालिनी सिंह पटेल के खिलाफ सुनियोजित सोशल मीडिया हमले के विरोध में जदयू कार्यकर्ताओं ने सोमवार को प्रशासन और पुलिस को दो टूक चेतावनी देते हुए ज्ञापन सौंपा और दोषियों पर कठोर कार्यवाही की माँग की।पार्टी कार्यकर्ताओं का आरोप है कि समाजवादी पार्टी की महिला जिला अध्यक्ष अर्चना सिंह पटेल ने व्यक्तिगत विद्वेष के चलते शालिनी सिंह पटेल की सामाजिक और राजनीतिक प्रतिष्ठा को ध्वस्त करने की साजिश रची है। सोशल मीडिया पर झूठे, अपमानजनक और मानहानिकारक पोस्ट प्रसारित कर एक महिला नेता के चरित्र पर प्रहार किया गया है।

डीएम के निर्देश पर कटान स्थल का दौरा कर किया निरीक्षण

- सदर तहसीलदार, नायब तहसीलदार परियर और लेखपाल ने मौके पर पहुंचकर लिया स्थिति का जायजा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

शुक्लागंज-उन्नाव। गंगा नदी का जलस्तर घटने और बढ़ने से पश्चिमी क्षेत्र की चंपापुरवा बस्ती के सामने पिछले कई सालों से लगातार कटान हो रही है। इस गंभीर समस्या को देखते हुए क्षेत्रीय सभासद ने जिला प्रशासन को अवगत कराया था, जिसके बाद सोमवार को सदर तहसीलदार, नायब तहसीलदार परियर और लेखपाल ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया।

हाल ही में पहाड़ी और मैदानी इलाकों में हुई बारिश के कारण गंगा के जलस्तर में मामूली वृद्धि दर्ज की गई है। इसी को ध्यान में रखते हुए क्षेत्रीय सभासद ने जिलाधिकारी को चंपापुरवा बस्ती के सामने हो रही कटान के बारे में सूचित किया था। जिलाधिकारी के निर्देश पर सदर तहसीलदार अरसला नाज, नायब तहसीलदार परियर पूर्णिमा तिवारी, और क्षेत्रीय लेखपाल अशोक सैनी ने सोमवार को चंपापुरवा के कटान स्थल का दौरा किया। निरीक्षण के दौरान, अधिकारियों ने तटीय क्षेत्र में रहने वाले लोगों से बाढ़ की स्थिति और उससे निपटने की तैयारियों के बारे में भी बातचीत की। तहसीलदार अरसला नाज ने बताया कि वे जिलाधिकारी के निर्देश पर बाढ़ प्रभावित क्षेत्र का भ्रमण करने आई थीं। उन्होंने स्थानीय लोगों से बाढ़ को लेकर चर्चा की और उन्हें आश्वस्त किया।

बुजुर्ग महिला की करेंट से मौत, पंखे की चपेट में आईं

जसपुरा । कस्बे के मोहल्ला निवासी 75 वर्षीय बुजुर्ग महिला की बीती रात पंखे में करेंट लगने से दर्दनाक मौत हो गई। सुबह जब पड़ोसी महिला रोज की तरह दरवाजे पर गोबर रखने गई और कोई हलचल नहीं दिखी, तब जाकर इस हादसे का खुलासा हुआ। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हादसे की खबर से मोहल्ले में शोक की लहर दौड़ गई। जानकारी के मुताबिक, मृतका भार्गव पत्नी स्व. चुनूबाद सिंह कस्बे में अकेली रहती थीं। वे पुलिस विभाग में कार्यरत रहे चुनूबाद सिंह की विधवा थीं, जिनकी करीब 40 साल पहले सड़क हादसे में मौत हो गई थी। भार्गव पेंशन के सहारे गुजर-बसर कर रही थीं। स्थानीय लोगों ने बताया कि रविवार रात करीब 8-9 बजे तक कुछ बच्चे टीवी देखने उनके घर गए थे। बच्चों के जाने के बाद भार्गव ने दरवाजा बंद कर लिया। इसके बाद कोई उनकी खोज-खबर नहीं ले पाया। सोमवार को सुबह पड़ोस की एक महिला रोज की तरह गोबर दरवाजा रखने पहुंची।

उन्नाव यातायात पुलिस के नेकदिल सिपाही ने दिया इंसानियत का संदेश

- अगर हर विभाग में एक राम प्रकाश हो जाए, तो सड़क पर कोई भूखा, बेसहारा और मजबूर नज़र नहीं आएगा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। जब देश में व्यवस्था को लेकर निराशा फैलती है और आम जनता का भरोसा तंत्र से उठने लगता है, तब कहीं कोई एक ऐसा व्यक्ति सामने आता है जो अकेले ही इंसानियत को फिर से ज़िंदा कर जाता है।

आज हम बात कर रहे हैं उत्तर प्रदेश यातायात पुलिस विभाग में तैनात दीवान राम प्रकाश की – जिनका हाल ही में सामने आया एक वीडियो समाज में नई उम्मीद की रौशनी बन गया। राम प्रकाश दीवान एक गरीब, लाचार व्यक्ति की मदद करते नजर आए। यह कोई दिखावटी अभियान नहीं था, न ही कोई प्रचार – यह एक खामोश करुणा थी, जो उनकी वर्दी के पीछे छिपे सच्चे इंसान की पहचान करवा गई। आज जब पुलिसकर्मियों को लेकर समाज में तमाम तरह की भ्रांतियाँ हैं, उस माहौल में दीवान राम प्रकाश ने यह साबित कर दिया कि हर वर्दी के पीछे एक सच्चा इंसान भी होता है – जो न सिर्फ कर्तव्य निभाता है, बल्कि ज़रूरत पड़ने पर एक अनजान की मदद के लिए भी खड़ा होता है।उनके इस कार्य ने न सिर्फ यातायात विभाग का, बल्कि पूरे प्रशासनिक तंत्र का नाम रोशन किया है।

31 जुलाई तक चलेगा जिले में संचारी रोग नियंत्रण अभियान

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान की जनपद स्तरीय अन्तर्विभागीय समन्वय समिति की बैठक जिला कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी महोदया, जे0 रीभा की अध्यक्षता में सम्पन्न की गयी। जनपद में वर्तमान में संचारी रोग नियंत्रण 1 जुलाई से 31 जुलाई तक एवं दस्तक अभियान दिनांक 11 जुलाई से 31 जुलाई तक चलाया जायेगा। जिसमें 13 विभाग मिलकर कार्य करेगें समस्त विभागों का कार्य उत्तर दायित्व शासन द्वारा निर्धारित किया गया है। समस्त विभागों को निर्देशित किया गया है कि कार्यक्रम की कार्ययोजना निर्धारित समय से पूर्व कार्या0 मुख्य चिकित्सा अधिकारी को उपलब्ध करा दी जाये एवं कार्यक्रम के दौरान समस्त गतिविधियों को कार्ययोजनानुसार सम्पादित कराई जाय। समस्त विभाग ग्राम प्रधान, ग्राम सचिव, अध्यापक, आंगनवाडी, आंशा एवं फ्रन्ट लाइन वर्कर्स का प्रशिक्षण शत प्रतिशत कराया जाये जिसकी फोटोग्राफ एवं उपस्थिति सहित सूचना उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। माह जुलाई में कार्ययोजना के अनुसार निर्धारित ग्रामों/नगरीय निकाय में संचारी रोगो से बचाव एवं जागरूकता से सम्बन्धित निम्न लिखित गतिविधि सम्पन्न की जायेगी। शिक्षा विभाग - शिक्षा विभाग द्वारा बच्चों को संचारी रोगों से बचाव एवं साफ-सफाई की जानकारी प्रतिदिन प्रार्थना सभा में दी जायेगी तथा पेटिग प्रतियोगिता, निबन्ध लेखन आदि के माध्यम से जागरूक कार्यक्रम शुद्व पेय जल के विषय में जानकारी दी जायेगी। ग्राम्य विकास विभाग- जनपद के समस्त ग्रामों में कार्ययोजनानुसार नालियो की सफाई, झाडियों की कटाई, एण्टी लार्वा दवा का छिडकाव, जल भराव का निस्तारण, शुद्व पेय जल की व्यवस्था की जायेगी। इस कार्य हेतु समस्त ए0डी0ओ0 पंचायत को जिम्मेदारी दी गयी है।

स्वास्थ्य विभाग एवं बाल विकास सेंवा पुष्टाहार विभाग- समस्त ब्लाको एवं ग्रामों में आशा, आंगनवाडी कार्य कत्रियों द्वारा पोस्टर, पम्पलेट्स वितरित कर एवं 15 वर्ष से कम उम्र के बच्चे जिन घरों में मिलते है उन घरों पर संचारी रोगों से बचाव का स्टीकर लगाया जायेगा साथ ही प्रत्येक घर पर जा कर मच्छर पनपने की परिस्थितियों को नष्ट करने व मच्छरों बचाव के विषय में जानकारी दी जायेगी। कुपोषित बच्चों का चिन्हीकरण कर पुष्टाहार उपलब्ध कराया जायेगा। घर घर भ्रमण के दौरान आशा आंगनवाडी द्वारा बुखार के रोगियों की सूची, खॉसी जुकाम के रोगियों की सूची, क्षय रोग ग्रसित लक्षणों वाल व्यक्तियो की सूची जॉच हेतु तैयार कर यूडीएसपी पोर्टल पर अपलोड करेगी एवं समस्त जनमानस को बुखार होने पर 108 एम्बुलेन्स केा प्रयोग के विषय में लोगों को जानकारी दी जायेगी। दस्त के रोगी मिलने पर ओ0आर0एस0, जिंक की टैब0 उपलब्ध करायी जायेगी। नगर विकास विभाग- नगर पालिका व नगर पंचायतों द्वारा नगरीय क्षेत्र में प्रतिदिन सफाई का कार्य, कूडा निस्तारण, नालियों की सफाई, मच्छर से बचाव हेतु फॉगिंग एवं नालियों में लार्वा निरोधक दवा का छिडकाव किया जायेगा। कृषि विभाग एवं पशुपालन विभाग- समस्त ग्रामों में सुअर पालकों को संचारी रोगों से बचाव के विषय में संवेदीकरण किया जायेगग साथ ही जनसमुदाय को चूहा, छछूंदर सें फैलने वाले रोग स्क्रब टाइफस के बारे में जागरूक किया जायेगा।

जिला कांग्रेस कमेटी स्टेशन रोड कार्यालय में संजय गांधी की पुण्यतिथि मनाई गई

बांदा । इस अवसर पर कंाग्रेस जिला अध्यक्ष राजेश दीक्षित ने कहा कि संजय गांधी देश के युवा दिलों की धड़कन थी उन्होंने दहेज के खिलाफ एक मुहिम चलाई जिसमें दहेज प्रथा पर रोक लगी साथ ही छोटा परिवार सुखी परिवार का नारा दिया जिसे जन जन ने अपनाया जिला महिला कंाग्रेस अध्यक्ष सीमा खान ने कहा कि अगर संजय गांधी जीवित होते देश की तस्वीर कुछ ओर होती उन्होंने साक्षरता और वृषारोपण जैसे कार्यक्रम की एक मुहिम चलाई जिसे देशवासियों ने काफी सराहा।कांग्रेस नेता संकटा प्रसाद त्रिपाठी ने कहा कंाग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव एवं अमेठी से सांसद चुने जाने पर पूरे देश के कंाग्रेसियों में एक जोश था लोक सभा में 250 सांसद उनके भाषण को सुनने के लिए बेचैन रहते थे।इस अवसर पर शिवबली सिंह, सत्यप्रकाश द्विवेदी एडवोकेट, बी लाल भाई, अशरफ उल्ला रम्पा, धीरेंद्र पांडेय धीरू, वारिश अली, इस्लाम मंसूरी, सब्बीर सौदागर, नत्थू राम सेन, सुख देव गांधी, गयादीन प्रजापति, कुंवरपाल सिंह सहित काफी संख्या में कंाग्रेस जन मौजूद रहे।

पीड़ित ने जिलाधिकारी को लिखित शिकायतपत्र देकर न्याय की गुहार लगाई व आमरण अनशन करने की दी चेतावनी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। जिला कलेक्ट्रेट परिसर कार्यालय से सामने आया है जहां पर सोमवार को पीड़ित जिला कलेक्ट्रेट परिसर कार्यालय पहुंचकर जिलाधिकारी को लिखित शिकायतपत्र देकर न्याय की गुहार लगाई है,? आपको बता दें कि पीड़ित गनेश प्रसाद पुत्र शंकरलाल निवासी ग्राम पुकारी थाना नरैनी जनपद बांदा, पीड़ित का रहायसी मकान ग्राम पुकारी में स्थित है, जिससे पीडित सपरिवार रहता है, पीड़ित के मकान से लगा हुआ राजा उमलिया उर्फ रामबालक पुत्र काशी प्रसाद निवासी पुकारी का मकान बना है।

पीड़ित के रहायसी मकान के दरवाजे के सामने नापदान में पाइप डालकर नापदान का पानी बहाता है। व छत में पाइप डालकर गंदा पानी पीड़ित के दरवाजे से बहाता है ,जिसके कारण गंदगी फैलने के साथ कूड़ा कचड़ा बजबजा रहा है, जिससे भीषण बीमारियां फैलने की सम्भावना व्याप्त हैं। जिससे रहना मुश्किल है पीड़ित को निकलने में परेशानी होती है पीड़ित के मना करने पर लड़ाई झगडा करने पर आमादा हो जाते हैं।और जान से मारने की धमकी देता है।पीड़ित ने क ई बार इस समस्या को उपजिलाधिकारी व अन्य अधिकारियों को लिखित शिकायतपत्र दे चुके हैं पर कोई सुनवाई नहीं हुई है।जिसके बाद उक्त प्रकरण की शिकायत का आज तक कोई भी समाधान किसी भी अधिकारी के स्तर से नहीं किया गया है। आरोप लगाते हुए पीड़ित ने कहा कि ऐसी दुःख?द गम्भीर असहनीय स्थिति में आमरण अनशन कर प्राण त्यागने के अलावा कोई भी रास्ता शेष नही बचा है। पीड़ित ने अंतिम बार जिलाधिकारी के समक्ष प्रस्तुत किया लिखित शिकायतपत्र व जिलाधिकारी को शिकायत पत्र देकर बताया कि अगर इस समस्या को एक जल्दी निदान ना करवाया गया तो अशोक लाट में आमरण अनशन करने को बाध्य होंगे।

डीएम-एसपी ने वन स्टॉप सेंटर का किया औचक निरीक्षण, दिए निर्देश

● डीएम एसपी ने परखी व्यवस्थाएं, संवासिनियों से किया सीधा संवाद

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखीमपुर खीरी। जिले में महिला सशक्तिकरण और सुरक्षा की दिशा में कार्य कर रहे महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित वन स्टॉप सेंटर की व्यवस्थाओं को परखने के लिए डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल, एसपी संकल्प शर्मा ने अचानक सेंटर पर पहुंचकर औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की बारीकी से जांच की। इस दौरान जिला प्रोबेशन अधिकारी लवकुश भार्गव मौजूदरहे।

डीएम-एसपी ने महिलाओं की सुरक्षा, सुविधा, इलाज, परामर्श और कानूनी मदद की उपलब्धता से जुड़े सभी पहलुओं का परीक्षण किया। संवासिनियो से सीधे संवाद कर व्यवस्थाओं की हकीकत जानी। दोनों अधिकारियों ने सेंटर की संपूर्ण कार्यप्रणाली को सूक्ष्मता से परखा। सबसे पहले उन्होंने रिकॉर्ड रजिस्टर, शिकायत निवारण प्रक्रिया और परामर्श सेवा की स्थिति की जानकारी ली। इसके बाद उन्होंने अलग-अलग कक्षों में जाकर अस्थायी आश्रय कक्ष, चिकित्सा परामर्श कक्ष, पुलिस हेल्प डेस्क और मनोवैज्ञानिक परामर्श की स्थिति की व्यवस्था का निरीक्षण किया।

डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने सेंटर में मौजूद संवासिनियो से व्यक्तिगत बातचीत कर उनके अनुभव और संतोष स्तर को भी जाना। उन्होंने स्पष्ट कहा कि वन स्टॉप सेंटर केवल एक भवन नहीं, बल्कि संकट में फंसी महिलाओं के लिए उम्मीद की किरण है।

उन्होंने स्टाफ को सख्त निर्देश दिए कि यहां आने वाली हर महिला को सुरक्षा, सहारा और संवेदना तीनों मिले। इसमें कोई समझौता नहीं होना चाहिए। एसपी संकल्प शर्मा ने सुरक्षा व्यवस्था की बारीकी से पड़ताल करते हुए कहा कि किसी भी महिला के लिए सबसे पहले ज़रूरी है 'संवेदनशील सुनवाई'। उन्होंने कहा कि सेंटर को पुलिस से समन्वय और सहायता देने में तत्पर रहना चाहिए ताकि हर शिकायत पर तुरंत कार्रवाई हो।

डीएम-एसपी ने जेल में गौशाला का किया शुभारंभ, बंदियों में संवेदना व जिम्मेदारी की नींव

लखीमपुर खीरी। जनपद लखीमपुर खीरी में डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल की पहल पर जनपद के जिला कारागार परिसर में गौशाला की स्थापना की गई, जिसका उद्घाटन डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल एवं एसपी संकल्प शर्मा ने संयुक्त रूप से फीता काट कर एवं शिलापट का अनावरण कर किया। इस मानवीय पहल का उद्देश्य निराश्रित गोवंश को आश्रय प्रदान करने के साथ-साथ बंदियों को सेवा एवं पुनर्वास की दिशा में जोड़ना है। डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने कहा कि गौशाला का संचालन पूर्णतः बंदियों के माध्यम से किया जाएगा, जिससे उनके भीतर जिम्मेदारी, आत्मानुशासन और मानवीय मूल्यों का विकास हो सके। उन्होंने इसे ल्लसंरक्षण, सेवा और सुधारङ्क का संगम बताते हुए कहा कि कारागार अब केवल दंड की नहीं, बल्कि सुधार और पुनर्निर्माण की प्रयोगशाला बनने चाहिए। यह गौशाला इसी सोच को मूर्त रूप देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। एसपी संकल्प शर्मा ने भी पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसी रचनात्मक व्यवस्थाएं जेल को सामाजिक सुधार का माध्यम बनाती हैं। गौशाला की दैनिक देखरेख बंदियों द्वारा की जाएगी, जिससे उनमें स्वावलंबन और व्यवहारिक परिवर्तन की मजबूत नींव रखी जा सकेगी। डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने गौशाला में संरक्षित गोवंशों की नियमित देखभाल के लिए जरूरी दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने पशुओं के चारे, स्वच्छता, चिकित्सा सुविधा और देखरेख की सतत निगरानी सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया। इस दौरान कारागार अधीक्षक पीडी सलोनिया, जेलर हरिवंश कुमार पांडेय, डिप्टी जेलर डिप्टी जेलर रीता राजभर, डीपीएस राठौर, भोजराज सिंह ईओ नगर पालिका संजय कुमार, अवर अभियंता अमरदीप मौर्या मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना : अब एक लाख की सहायता, पारदर्शिता व समयबद्ध आयोजन पर जोर

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखीमपुर खीरी। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना को प्रभावी और पारदर्शी ढंग से क्रियान्वित करने को लेकर सोमवार को विकास भवन स्थित स्वामी विवेकानंद सभागार में जिला अनुश्रवण समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता मुख्य विकास अधिकारी अभिषेक कुमार ने की। बैठक की अध्यक्षता करते हुए सीडीओ अभिषेक कुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना न केवल आर्थिक सहयोग का माध्यम है, बल्कि यह सम्मानजनक व व्यवस्थित विवाह की दिशा में राज्य सरकार की प्रतिबद्धता का भी प्रतीक है। सीडीओ ने इस योजना में पारदर्शिता, समयबद्धता और गरिमा सर्वोच्च प्राथमिकता है।

योजना के अंतर्गत जनपद लखीमपुर खीरी को 896 जोड़ों के सामूहिक विवाह का वार्षिक लक्ष्य प्राप्त हुआ है। यह लक्ष्य ब्लॉकवार व नगर निकाय स्तर पर वितरित किया गया है ताकि कार्य समय से प्रारंभ हो सके।

सीडीओ अभिषेक कुमार ने बताया कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत अनुदान राशि को ?51,000 से बढ़ाकर ?1,00,000 कर दिया गया है। इस बढ़ी हुई राशि में से ?60,000 वधू के बैंक खाते में डीबीटी के माध्यम से स्थानांतरित की जाएगी। इसके अतिरिक्त ?25,000 की धनराशि उपहार सामग्री के लिए तथा ?15,000 आयोजन खर्च के रूप में निर्धारित की गई है। योजना का लाभ 'पहले आओ, पहले पाओ' की आधारशिला पर उपलब्ध कराया जाएगा। सीडीओ ने स्पष्ट निर्देश दिए कि आवेदन प्रक्रिया पूर्णतः पारदर्शी हो। सभी प्राप्त आवेदनों की रैंडम जांच अन्य विभागों से कराई जाएगी, जिससे पात्रता की पुष्टि निष्पक्ष ढंग से हो सके। बैठक के उपरांत टेंडर समिति की बैठक भी आयोजित हुई।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्र का अपर जिलाधिकारी किया निरीक्षण

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर। विगत वर्ष गर्रा नदी और खन्नौत नदी में आई भीषण बाढ़ से प्रभावित हुए गाओ को बचाने के लिए पहले से ही रूपरेखा तैयार की जा रही है।इसी के तहत अपार जिलाधिकारी अरविन्द कुमार सिंह ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का भ्रमण किया और गाओ को बाढ़ से बचाने हेतु जरूरी कदम उठाने के लिए अधीनस्थों को दिशा निर्देश दिए। मालूम हो कि विगत वर्ष गर्रा और खन्नौत नदी में आई भीषण बाढ़ से दर्जनों गांव पूरी तरह से डूब गए थे वहीं शाहजहांपुर शहर के अंदर भी बाढ़ के पानी ने जमकर कहर बरपाया था जिसमें बरेली मोड़ स्थित कांशीराम कालोनी,साउथ सिटी,नवादा गांव और अजीजगंज छेत्र सहित नगर के कई मोहल्ले पानी से काफी प्रभावित हुए थे। इसी कड़ी में बंडा, निगोही, खुटार, तिलहर के गांव उटाह, सरौली, बिजलापुर, रौशरकोठी, दनियापुर, इन्देपुर, शहबाजपुर, चांदपुर, नागरपाल, बरेलीमोड आदि इलाके बाद की चपेट में आए थे। एडीएम ने लगभग सभी गाओ का भ्रमण कर इस बार बाढ़ से बचाने हेतु जरूरी कदम उठाए जाने की रूपरेखा तैयार कर अधीनस्थ अधिकारियों को निर्देश दिए।

संक्षिप्त समाचार

बरसात में तालाब बनी मटेहनी की सड़क, जलभराव से परेशान ग्रामीणों ने BDO धौरहरा को सौंपा प्रार्थना पत्र

धौरहरा खीरी। विकासखंड धौरहरा की ग्राम पंचायत मटेहनी के मजरा शाहपुरवा में हल्की बारिश में ही सड़कें जलमग्न हो जाती हैं, जिससे ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जलभराव की इस गंभीर समस्या को लेकर दर्जनों ग्रामीणों ने खंड विकास अधिकारी (उक्त) धौरहरा को एक प्रार्थना पत्र सौंपा है।ग्रामीणों ने बताया कि हनुमान यादव के घर से मेवालाल गुप्ता के घर तक करीब 15-20 साल पुराना खड़ंजा लगा है, जो अब पूरी तरह धंस चुका है। बरसात होते ही इस खड़ंजे पर पानी भर जाता है, जिससे न सिर्फ लोगों को आने-जाने में दिक्कत होती है, बल्कि बच्चों को स्कूल जाने में भी परेशानी झेलनी पड़ती है।गांव में जमा गंदे पानी की वजह से डेंगू, मलेरिया जैसी बीमारियों का खतरा भी बढ़ गया है। ग्रामीणों ने मांग की है कि संबंधित मार्ग की जांच कर इंटरलॉकिंग सड़क का निर्माण कराया जाए, ताकि उन्हें जलभराव से राहत मिल सके।नवागत खंड विकास अधिकारी धौरहरा इस शिकायत पर क्या कार्रवाई करते हैं और ग्रामीणों को कब तक राहत मिलती है।

मीटर रीडिंग शिकायत पर पहुंचे पत्रकार से एसडीओ ने की अभद्रता

लखीमपुर खीरी। शहर में बिजली विभाग की लापरवाही और अत्यधिक मीटर रीडिंग की शिकायतें आम होती जा रही हैं। इसी सिलसिले में सोमवार को वरिष्ठ पत्रकार सर्वेश शुक्ला अपनी मीटर रीडिंग संबंधी शिकायत लेकर संबंधित एसडीओ कार्यालय पहुंचे थे। लेकिन वहां स्थिति तब बिगड़ गई जब उन्होंने अपनी पहचान पत्रकार के रूप में दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, पत्रकार सर्वेश शुक्ला ने जब मीटर रीडिंग अधिक आने की समस्या बताई और खुद को पत्रकार बताया, तो एसडीओ बीके चौरसिया ने असंवेदनशीलता दिखाते हुए न सिर्फ अभद्र भाषा का प्रयोग किया, बल्कि अपमानजनक व्यवहार भी किया। इस घटना के बाद पत्रकारों में रोष व्याप्त है। पत्रकार संगठनों ने इसकी कड़ी निंदा करते हुए कहा है कि यदि जिम्मेदार अधिकारी के खिलाफ शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई, तो आंदोलनात्मक रुख अपनाया जाएगा। पत्रकारों ने इसे लोकतंत्र के चौथे स्तंभ का अपमान बताया है। सर्वेश शुक्ला ने इस मामले को उच्चाधिकारियों के संज्ञान में लाने की बात कही है और औपचारिक शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया में लगे हैं। बिजली विभाग की कार्यप्रणाली पहले से ही सवालों के घेरे में है, और अब अधिकारियों का ऐसा व्यवहार स्थिति को और गंभीर बना रहा है।

कूलर में आ रहे करंट की चपेट में आकर मजदूर की मौत

हमीरपुर। सोमवार को कूलर में दौड़ रहे करंट की चपेट में आकर मजदूर की मौत हो गई। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया है। युवक की मौत पर स्वजनों में हड़कंप मच गया है। राठ कस्बे के सिकंदरपुरा मोहल्ला निवासी राजेश ने बताया कि उसका बड़ा भाई 35 वर्षीय प्रमोद पुत्र अंतराम अनुरागी सोमवार को नहाकर कमरे में गया था। तभी कूलर में दौड़ रहे करंट की चपेट में आ गया। घर में मौजूद बड़ी पुत्री ने आनन-फानन में कूलर के तार निकाल दिए। स्वजन इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। जहां डॉ चंद्रशेखर ने प्रमोद को मृत घोषित कर दिया। मृतक के भाई ने बताया कि वह मेहनत मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करता था। मृतक अपने पीछे दो पुत्रियां महक, खुशी व एक पुत्र दीपेंद्र छोड़ गया है। पति की मौत पर पत्नी रामप्यारी, मां सुमित रानी का रो रोकर बुरा हाल है। कोतवाल राम आसरे सरोज ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

जौनपुर पहुंचे डीजीपी राजीव कृष्ण का स्वागत

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) राजीव कृष्ण सोमवार को जनपद पहुंचे। गेस्ट हाउस में पुलिस फोर्स ने गार्ड ऑफ ऑनर के साथ उनका स्वागत किया।इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक डॉ. कौस्तुभ ने बुके भेंटकर राजीव कृष्ण का गर्मजोशी से स्वागत किया। कार्यक्रम में जिले के समस्त राजपत्रित अधिकारियों की उपस्थिति रही। डीजीपी ने सभी अधिकारियों से व्यक्तिगत रूप से परिचय प्राप्त किया। जिले की कानून-व्यवस्था, अपराध नियंत्रण एवं पुलिसिंग व्यवस्था पर संक्षिप्त संवाद कर दिशा निर्देश दिए। पुलिस महानिदेशक के इस दौरे को जिले के लिए अहम माना जा रहा है, जिससे पुलिस महकमे को नई ऊर्जा और दिशा मिल सकती है। अधिकारियों में उत्साह और सजगता साफ़ तौर पर देखने को मिली।

ग्रीष्मकालीन विशेष रेलगाड़ियाँ–2025

रेलयात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे द्वारा निम्नलिखित ग्रीष्मकालीन स्पेशल एक्सप्रेस रेलगाड़ियों का संचालन किया जायेगा, जिनका विस्तृत विवरण निम्नानुसार है:-

गाड़ी संख्या	स्टेशन से	प्रस्थान समय	स्टेशन तक	आगमन समय	आवृत्ति	चलने के दिन	चलने की अवधि
04088	नई दिल्ली	15:50	पटना जंक्शन	08:40	प्रतिदिन		10.07.2025 तक
04087	पटना जंक्शन	10:00	नई दिल्ली	03:20			11.07.2025 तक
04064	नई दिल्ली	09:30	शेखपुरा	04:30	द्वि-साप्ताहिक	सोम, गुरु	10.07.2025 तक
04063	शेखपुरा	06:00	नई दिल्ली	01:10		मंगल, शुक्र	11.07.2025 तक
04066	नई दिल्ली	21:35	सहरसा जंक्शन	22:00	द्वि-साप्ताहिक	सोम, गुरु	10.07.2025 तक
04065	सहरसा जंक्शन	23:55	नई दिल्ली	23:30		मंगल, शुक्र	11.07.2025 तक
04022	नई दिल्ली	14:00	गोरखपुर	05:00	साप्ताहिक	शुक्रवार	11.07.2025 तक
04021	गोरखपुर	07:00	नई दिल्ली	23:10		शनिवार	12.07.2025 तक
04081	नई दिल्ली	23:45	श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा	11:40	त्रि-साप्ताहिक	सोमवार, बुध, शनि	12.07.2025 तक
04082	श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा	21:20	नई दिल्ली	09:30		मंगल, गुरु, रविवार	13.07.2025 तक
04012	दिल्ली जंक्शन	19:30	दरभंगा जंक्शन	20:30	द्वि-साप्ताहिक	मंगल, शुक्र	11.07.2025 तक
04011	दरभंगा जंक्शन	22:00	दिल्ली जंक्शन	22:40		बुध, शनि	12.07.2025 तक
04024	दिल्ली जंक्शन	18:30	वाराणसी जंक्शन	09:45	त्रि-साप्ताहिक	सोम,गुरु,शनि	10.07.2025 तक
04023	वाराणसी जंक्शन	18:35	दिल्ली जंक्शन	08:50		मंगल,शुक्र,रवि	11.07.2025 तक
04026	दिल्ली जंक्शन	23:05	रक्सौल जंक्शन	19:00	साप्ताहिक	गुरुवार	10.07.2025 तक
04025	रक्सौल जंक्शन	22:00	दिल्ली जंक्शन	17:45		शुक्रवार	11.07.2025 तक
04018	आनंद विहार (ट)	09:00	मुजफ्फरपुर जंक्शन	04:30	साप्ताहिक	गुरुवार	10.07.2025 तक
04017	मुजफ्फरपुर जं	06:15	आनंद विहार (ट)	03:10		शुक्रवार	11.07.2025 तक
04020	आनंद विहार (ट)	13:30	बरौनी जंक्शन	18:00	साप्ताहिक	रविवार	06.07.2025 तक
04019	बरौनी जंक्शन	20:00	आनंद विहार (ट)	19:00		सोमवार	07.07.2025 तक
04096	आनंद विहार (ट)	04:30	जयनगर	05:20	द्वि-साप्ताहिक	सोम, गुरु	10.07.2025 तक
04095	जयनगर	07:30	आनंद विहार (ट)	08:10		मंगल, शुक्र	11.07.2025 तक
04098	आनंद विहार (ट)	06:00	सीतामढ़ी	02:30	द्वि-साप्ताहिक	मंगल, शुक्र	11.07.2025 तक
04097	सीतामढ़ी	03:45	आनंद विहार (ट)	01:30		बुध, शनि	12.07.2025 तक
04094	आनंद विहार (ट)	23:55	जोगबनी	07:30	साप्ताहिक	गुरुवार	10.07.2025 तक
04093	जोगबनी	09:30	आनंद विहार (ट)	16:00		शनिवार	12.07.2025 तक
04207	लखनऊ जंक्शन	18:05	नई दिल्ली	18:30	साप्ताहिक	सोमवार	07.07.2025 तक
04208	नई दिल्ली	20:20	लखनऊ जंक्शन	08:35		मंगलवार	08.07.2025 तक
04217	वाराणसी जंक्शन	06:25	लखनऊ जंक्शन	11:45	प्रतिदिन		30.06.2025 तक
04218	लखनऊ जंक्शन	16:30	वाराणसी जंक्शन	21:50			30.06.2025 तक
04219	वाराणसी जंक्शन	22:35	अयोध्या धाम जंक्शन	01:40	प्रतिदिन		10.07.2025 तक
04220	अयोध्या धाम जंक्शन	02:10	वाराणसी जंक्शन	04:40			10.07.2025 तक
02270	लखनऊ जंक्शन (वाया बुढ़वल)	14:15	छपरा	21:30	सप्ताह में 06 दिन	मंगलवार को छोड़कर	11.07.2025 तक
02269	छपरा	23:50	लखनऊ जंक्शन	06:30			11.07.2025 तक
04604	श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा	18:15	वाराणसी जंक्शन	19:00	साप्ताहिक	रविवार	06.07.2025 तक
04603	वाराणसी जंक्शन	05:00	श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा	08:00		मंगलवार	08.07.2025 तक
04206	वाराणसी जंक्शन	14:50	चंडीगढ़	07:45	साप्ताहिक	शनिवार	05.07.2025 तक
04205	चंडीगढ़	09:30	वाराणसी जंक्शन	01:20		रविवार	06.07.2025 तक
04518	बठिण्डा जंक्शन	20:50	वाराणसी जंक्शन	17:30	द्वि-साप्ताहिक	सोम, शुक्र	11.07.2025 तक
04517	वाराणसी जंक्शन	20:40	बठिण्डा जंक्शन	17:00		मंगल, शनि	12.07.2025 तक
04302	योग नगरी ऋषिकेश	15:20	मुजफ्फरपुर जंक्शन	13:00	साप्ताहिक	मंगलवार	15.07.2025 तक
04301	मुजफ्फरपुर जंक्शन	15:00	योग नगरी ऋषिकेश	14:20		बुधवार	16.07.2025 तक
04610	जम्मू तवी	06:20	वाराणसी जंक्शन	05:10	साप्ताहिक	बुधवार	09.07.2025 तक
04609	वाराणसी जंक्शन	09:30	जम्मू तवी	07:45		शुक्रवार	10.07.2025 तक
04304	योग नगरी ऋषिकेश	15:20	गोरखपुर	08:20	साप्ताहिक	शनिवार	12.07.2025 तक
04303	गोरखपुर	09:00	योग नगरी ऋषिकेश	00:55		रविवार	13.07.2025 तक
04602	फिरोजपुर कैंट जंक्शन	16:10	पटना जंक्शन	18:00	द्वि-साप्ताहिक	बुध, शनिवार	12.07.2025 तक
04601	पटना जंक्शन	20:50	फिरोजपुर कैंट जंक्शन	23:55		गुरु, रविवार	13.07.2025 तक
04608	अमृतसर जंक्शन	20:10	दरभंगा जंक्शन	02:30	साप्ताहिक	शुक्रवार	11.07.2025 तक
04607	दरभंगा जंक्शन	04:00	अमृतसर जंक्शन	10:30		रविवार	13.07.2025 तक
04211	लोकमान्य तिलक (ट)	16:35	सुल्तानपुर जंक्शन	23:00	साप्ताहिक	मंगलवार	24.06.2025 तक
05559	रक्सौल जंक्शन	06:30	उधना जंक्शन	12:35	साप्ताहिक	शनिवार	26.07.2025 तक
05560	उधना जंक्शन	15:35	रक्सौल जंक्शन	00:15		रविवार	27.07.2025 तक
04058	नई दिल्ली	19:30	सहरसा जं.	16:50	द्वि-साप्ताहिक	मंगल, शुक्र	11.07.2025 तक
04057	सहरसा जं.	21:40	नई दिल्ली	23:30		बुध, शनि	12.07.2025 तक
04072	दिल्ली जं.	11:00	दरभंगा जं.	13:30	द्वि-साप्ताहिक	सोम, गुरु	10.07.2025 तक
04071	दरभंगा जं.	15:00	दिल्ली जं.	18:50		मंगल, शुक्र	11.07.2025 तक
04074	आनंद विहार (ट)	23:55	जोगबनी	07:30	साप्ताहिक	शुक्रवार	11.07.2025 तक
04073	जोगबनी	09:30	आनंद विहार (ट)	16:00		रविवार	13.07.2025 तक
03255	पटना जंक्शन	22:20	आनंद विहार (ट)	18:35	द्वि-साप्ताहिक	रवि, गुरु	02.01.2025 से अगले आदेश तक
03256	आनंद विहार (ट)	23:30	पटना जंक्शन	18:35		सोम, शुक्र	03.01.2025 से अगले आदेश तक
05049	छपरा	10:15	अमृतसर जंक्शन	13:50	साप्ताहिक	शुक्रवार	07.02.2025 से अगले आदेश तक
05050	अमृतसर जंक्शन	17:45	छपरा	23:55		शनिवार	08.02.2025 से अगले आदेश तक
04092	नई दिल्ली	19:30	हावड़ा जंक्शन	21:40	द्वि-साप्ताहिक	बुध, शनि	19.07.2025 तक
04091	हावड़ा जंक्शन	23:50	नई दिल्ली	01:00		गुरु, रवि	20.07.2025 तक
04216	सुल्तानपुर जंक्शन	04:00	साबरमती	07:30	साप्ताहिक	शुक्रवार	27.06.2025 तक
04215	साबरमती	06:50	सुल्तानपुर जंक्शन	11:00		शनिवार	28.06.2025 तक
09639	मदार जंक्शन	04:30	रोहतक जंक्शन	12:50	प्रतिदिन		30.06.2025 तक
09640	रोहतक जं.	13:20	मदार जंक्शन	22:35			30.06.2025 तक
04504	चंडीगढ़	23:35	पटना जंक्शन	22:10	साप्ताहिक	गुरुवार	10.07.2025 तक
04503	पटना जंक्शन	22:45	चंडीगढ़	23:10		शुक्रवार	11.07.2025 तक
03435	मालदा टाउन	09:30	आनंद विहार (ट)	13:40	साप्ताहिक	सोमवार	30.06.2025 तक
03436	आनंद विहार (ट)	15:45	मालदा टाउन	23:30		मंगलवार	01.07.2025 तक
06597	यशवंतपुर जं.	07:00	योग नगरी ऋषिकेश	10:20	साप्ताहिक	गुरुवार	03.07.2025 तक
06598	योग नगरी ऋषिकेश	17:35	यशवंतपुर जं.	19:45		शनिवार	05.07.2025 तक
05305	छपरा	22:00	आनंद विहार (ट)	22:10	द्वि-साप्ताहिक	सोम, गुरु	17.02.2025 से अगले आदेश तक
05306	आनंद विहार (ट)	00:20	छपरा	22:50		बुध, शनि	19.02.2025 से अगले आदेश तक
05057	गोरखपुर जंक्शन	22:45	दिल्ली जंक्शन	12:50	साप्ताहिक	गुरुवार	06.02.2025 से अगले आदेश तक
05058	दिल्ली जंक्शन	14:00	गोरखपुर जंक्शन	06:25		शुक्रवार	07.02.2025 से अगले आदेश तक
01701	जबलपुर	19:40	अयोध्या कैंट	11:00	साप्ताहिक	बुधवार	25.06.2025 तक
01702	अयोध्या कैंट	13:30	जबलपुर	04:15		गुरुवार	26.06.2025 तक
03309	धनबाद जंक्शन	10:10	जम्मू तवी	22:40	द्वि-साप्ताहिक	मंगल, शनि	28.06.2025 तक
03310	जम्मू तवी	23:30	धनबाद जंक्शन	13:00		बुध, रवि	29.06.2025 तक
02397	गया	14:15	आनंद विहार (ट)	07:10	साप्ताहिक	रविवार	29.06.2025 तक
02398	आनंद विहार (ट)	08:20	गया	00:30		सोमवार	30.06.2025 तक
03257	दानापुर	07:30	आनंद विहार (ट)	00:30	साप्ताहिक	रविवार	27.07.2025 तक
03258	आनंद विहार (ट)	05:00	दानापुर	20:45		सोमवार	28.07.2025 तक
03697	गया	14:15	दिल्ली जंक्शन	07:45	सप्ताह में 6 दिन	रवि को छोड़कर	30.06.2025 तक
03698	दिल्ली जंक्शन	08:55	गया	00:30		सोम को छोड़कर	01.07.2025 तक
05577	सहरसा जंक्शन	20:00	आनंद विहार (ट)	00:30	सप्ताह में 5 दिन	गुरु, शनि को छोड़कर	30.06.2025 तक
05578	आनंद विहार (ट)	05:15	सहरसा जंक्शन	10:30		शनि, सोम को छोड़कर	02.07.2025 तक
02393	राजेंद्र नगर (ट)	19:45	नई दिल्ली	12:10	सप्ताह में 6 दिन	गुरुवार को छोड़कर	30.06.2025 तक
02394	नई दिल्ली	18:30	राजेंद्र नगर (ट)	10:00		शुक्र को छोड़कर	01.07.2025 तक
02877	रांची	23:55	नई दिल्ली	03:00	साप्ताहिक	शुक्रवार	27.06.2025 तक
02878	नई दिल्ली	04:00	रांची	05:00		रविवार	29.06.2025 तक
05738	कटिहार जंक्शन	21:00	अमृतसर जंक्शन	09:45	साप्ताहिक	बुधवार	25.06.2025 तक
05735	अमृतसर जंक्शन	13:25	कटिहार जंक्शन	23:45		शुक्रवार	27.06.2025 तक
09183	मुंबई सेंट्रल	22:50	वाराणसी जंक्शन	10:30	साप्ताहिक	बुधवार	25.06.2025 तक
09184	वाराणसी जंक्शन	14:30	मुंबई सेंट्रल	04:20		शुक्रवार	27.06.2025 तक
03223	राजगीर	06:05	हरिद्वार जंक्शन	06:05	साप्ताहिक	शुक्रवार	27.06.2025 तक
03224	हरिद्वार जंक्शन	07:20	राजगीर	07:15		शनिवार	28.06.2025 तक
03221	राजगीर	14:00	शहीद कप्तान तुषार महाजन	23:05	साप्ताहिक	सोमवार	30.06.2025 तक
03222	शहीद कप्तान तुषार महाजन	03:15	राजगीर	15:00		बुधवार	02.07.2025 तक
05742	न्यू जलपाईगुड़ी	13:40	अयोध्या कैंट	09:30	साप्ताहिक	रविवार	29.06.2025 तक
05741	अयोध्या कैंट	11:40	न्यू जलपाईगुड़ी	09:30		सोमवार	30.06.2025 तक
03311	धनबाद जंक्शन	23:50	चंडीगढ़	04:30	द्वि-साप्ताहिक	मंगल, शुक्र	27.06.2025 तक
03312	चंडीगढ़	08:00	धनबाद जंक्शन	09:00		गुरु, रवि	29.06.2025 तक
05113	छपरा	15:45	आनंद विहार (ट)	14:25	साप्ताहिक	बुधवार	16.07.2025 तक
05114	आनंद विहार (ट)	16:00	छपरा	14:00		गुरुवार	17.07.2025 तक
05301	मऊ जंक्शन	04:00	अंबाला कैंट	00:30	साप्ताहिक	गुरुवार	17.07.2025 तक
05302	अम्बाला कैंट	01:40	मऊ जंक्शन	22:00		शुक्रवार	18.07.2025 तक
05193	छपरा	14:00	शहीद कप्तान तुषार महाजन	23:05	साप्ताहिक	सोमवार	14.07.2025 तक
05194	शहीद कप्तान तुषार महाजन	00:10	छपरा	08:00		बुधवार	16.07.2025 तक
07363	हुबल्ली जंक्शन	20:30	योग नगरी ऋषिकेश	23:30	साप्ताहिक	सोमवार	24.02.2025 से अगले आदेश तक
07364	योग नगरी ऋषिकेश	06:15	हुबल्ली जंक्शन	06:30		गुरुवार	27.02.2025 से अगले आदेश तक
01491	पुणे	17:30	हजरत निजामुद्दीन	18:10	साप्ताहिक	शुक्रवार	27.06.2025 तक
01492	हजरत निजामुद्दीन	22:10	पुणे	23:55		शनिवार	28.06.2025 तक
09101	वडोदरा जंक्शन	16:45	हरिद्वार जंक्शन	14:30	साप्ताहिक	शनिवार	28.06.2025 तक
09102	हरिद्वार जंक्शन	16:45	वडोदरा जंक्शन	12:00		रविवार	29.06.2025 तक
07023	चर्लपल्ली	20:45	हजरत निजामुद्दीन	02:00	साप्ताहिक	रविवार	29.06.2025 तक
07024	हजरत निजामुद्दीन	04:00	चर्लपल्ली	06:30		मंगलवार	01.07.2025 तक
07621	हुजूर साहिब नांदेड़	08:45	हजरत निजामुद्दीन	14:00	साप्ताहिक	शनिवार	28.06.2025 तक
07622	हजरत निजामुद्दीन	21:40	हुजूर साहिब नांदेड़	00:35		रविवार	29.06.2025 तक
09309	इंदौर जंक्शन	17:00	हजरत निजामुद्दीन	05:00	द्वि-साप्ताहिक	शुक्र, रवि	29.06.2025 तक
09310	हजरत निजामुद्दीन	08:20	इंदौर जंक्शन	21:00		शनि, सोम	30.06.2025 तक
09003	मुंबई सेंट्रल	10:30	दिल्ली जंक्शन	10:00	द्वि-साप्ताहिक	मंगल, शुक्र	27.06.2025 तक
09004	दिल्ली जंक्शन	13:05	मुंबई सेंट्रल	13:30		बुध, शनि	28.06.2025 तक
09425	साबरमती	17:20	हरिद्वार जंक्शन	17:00	द्वि-साप्ताहिक	गुरु, रवि	29.06.2025 तक
09426	हरिद्वार जंक्शन	21:00	साबरमती	22:30		शुक्र, सोम	30.06.2025 तक
09603	उदयपुर सिटी	01:50	श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा	06:35	साप्ताहिक	बुधवार	25.06.2025 तक
09604	श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा	10:50	उदयपुर सिटी	13:55		गुरुवार	26.06.2025 तक
01705	जबलपुर	15:45	हरिद्वार जंक्शन	13:50	साप्ताहिक	बुधवार	25.06.2025 तक
01706	हरिद्वार जंक्शन	17:40	जबलपुर	17:50		गुरुवार	26.06.2025 तक
04050	नई दिल्ली	21:35	ऐशबाग	12:35	द्वि-साप्ताहिक	शुक्र, रवि	13.07.2025 तक
04049	ऐशबाग	18:45	नई दिल्ली	11:00		शनि, सोम	14.07.2025 तक
04525	सहारनपुर जं.	04:40	अम्बाला कैंट	06:45	प्रतिदिन		15.07.2025 तक
04526	अम्बाला कैंट	20:20	सहारनपुर जं.	22:30			15.07.2025 तक
04068	नई दिल्ली	14:00	भागलपुर	13:30	द्वि-साप्ताहिक	रवि, बुध	09.07.2025 तक
04067	भागलपुर	14:30	नई दिल्ली	14:30		सोम, गुरु	10.07.2025 तक
04030	आनंद विहार (ट)	09:00	मुजफ्फरपुर जं.	04:30	द्वि-साप्ताहिक	मंगल, शनि	08.07.2025 तक
04029	मुजफ्फरपुर जं.	06:15	आनंद विहार (ट)	03:10		बुध, रवि	09.07.2025 तक
04618	अमृतसर	20:10	सहरसा जं.	02:30	द्वि-साप्ताहिक	सोम, मंगल	08.07.2025 तक
04617	सहरसा जं.	04:40	अमृतसर	14:00		बुध, गुरु	10.07.2025 तक
05219	मुजफ्फरपुर जं.	13:30	आनंद विहार (ट)	10:00	साप्ताहिक	शनि	19.07.2025 तक
05220	आनंद विहार (ट)	12:00	मुजफ्फरपुर जं.	09:45		रवि	20.07.2025 तक
05447	पीलीभीत जं.	12:10	शाहजहाँपुर	13:50	प्रतिदिन		30.06.2025 तक
05448	शाहजहाँपुर	14:35	पीलीभीत जं.	16:30			30.06.2025 तक
05283	मुजफ्फरपुर जं.	06:30	आनंद विहार (ट)	05:00	साप्ताहिक	शुक्र	27.06.2025 तक
05284	आनंद विहार (ट)	07:00	मुजफ्फरपुर जं.	04:50		शनि	28.06.2025 तक
04687	बनिहाल	18:40	बडगाम	20:20	सप्ताह में 6 दिन	शुक्र को छोड़कर	03.08.2025 तक
04688	बडगाम	08:35	बनिहाल	10:40			03.08.2025 तक
04606	श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा	21:30	गुवाहाटी	19:10	साप्ताहिक	शुक्रवार	11.07.2025 तक
04605	गुवाहाटी	23:20	श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा	20:45		सोम	14.07.2025 तक
07077	चर्लापल्ली	06:00	देहरादून	19:20	साप्ताहिक	मंगलवार	24.06.2025 तक
07078	देहरादून	07:00	चर्लापल्ली	22:30		गुरुवार	26.06.2025 तक

रेलयात्रियों से अनुरोध है किसी भी अन्य जानकारी जैसे मार्ग में पड़ने वाले स्टेशन एवं उनकी विस्तृत समय-सारणी की जानकारी के लिए रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139 पर सम्पर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाइट https://enquiry.indianrail.gov.in अथवा NTES App देखें।

उत्तर रेलवे

हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर विजिट करें

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

लोगों को कहने दीजिए, मैं अपना काम करता रहूंगा: बुमराह

एजेंसी

लीड्स। लंबे समय बाद टेस्ट क्रिकेट में वापसी करने वाले जसप्रीत बुमराह ने लीड्स में इंग्लैंड के खिलाफ 5 विकेट लेकर एक बार फिर साबित कर दिया कि वह भारतीय गेंदबाजी आक्रमण की रीढ़ हैं। ऑस्ट्रेलिया में चोटिल होने के बाद बुमराह के भविष्य को लेकर अटकलें तेज थीं, लेकिन उन्होंने मैदान पर वापसी उसी आत्मविश्वास के साथ की, जैसे उन्होंने खेल को छोड़ा था।

लीड्स में रविवार को चौथे दिन के खेल की समाप्ति के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में बुमराह ने कहा, ''मैं अपनी वापसी को लेकर कभी भी घबराया नहीं। लोग क्या लिखते हैं, इस पर मेरा कोई नियंत्रण नहीं है। और ना ही मैं किसी को सिखाना चाहता हूं कि उनके हेडलाइन में मेरा नाम हो या नहीं। मैं जानता हूं कि क्रिकेट हमारे देश में बहुत लोकप्रिय है, और मेरा नाम लगाने से व्यूज़ बढ़ते हैं। लेकिन ये सब मेरे लिए कोई मायने नहीं रखता। अगर मैं इन सब बातों को अपने दिमाग में बिठा लूं, तो मैं अपनी राह से भटक जाऊंगा। बुमराह ने याद दिलाया कि जब उन्होंने क्रिकेट की शुरुआत की थी, तब भी लोग उन्हें लेकर शंका जताते थे। उन्होंने कहा, शुरू में कहा गया कि मैं टीम में नहीं आ पाऊंगा। फिर कहा गया कि छह महीने भी नहीं टिकूंगा। फिर आठ महीने३ और इस तरह मैंने 10 साल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में बिता दिए। आईपीएल में भी 12-13 साल से खेल रहा हूं। अब भी लोग कहते हैं कि ये चोट शायद आखिरी होगी। मैं इन सबकी परवाह नहीं करता। मैं अपना काम करता रहूंगा। तीन-चार महीने में एक नई हेडलाइन आएगी, लेकिन मैं खेलता रहूंगा जब तक किस्मत में लिखा है। अपनी हालिया चोट के बाद बुमराह ने टेस्ट मैचों के चयन को लेकर सतर्कता बरती है। उन्होंने टीम मैनेजमेंट को पहले ही सूचित कर दिया है कि वह पूरी सीरीज के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगे। कप्तानी से पीछे हटने की यही मुख्य वजह थी। उन्होंने कहा, मेरे लिए यह मायने नहीं रखता कि मैं कितने मैच खेल रहा हूं। उस समय जब मैं मैदान में हूं, मेरा पूरा ध्यान विकेट को पढ़ने, बल्लेबाज को समझने और रणनीति बनाने पर होता है। भविष्य की चिंता में प्रदर्शन पर असर नहीं डालना चाहता। टेस्ट मैच खत्म होने के बाद बाकी सब देखा जाएगा। अपनी सोच को लेकर बुमराह ने एक गहरी बात कही। उन्होंने कहा, रात को मैं खुद से एक सवाल करता हूं क्या मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ दिया? अगर जवाब हां में होता है, तो मैं शांति से सो जाता हूं। अपने बयान के अंत में बुमराह ने कहा कि वह हर दिन अपने आप को बेहतर बनाने और भारतीय क्रिकेट को आगे ले जाने की कोशिश करते हैं। उन्होंने कहा, भगवान ने जो बरकत दी है, उसे आगे बढ़ा रहा हूं और भारतीय क्रिकेट को आगे ले जाने की कोशिश कर रहा हूं।

मैथ्यूज और फ्लेचर ने दिलाई वेस्टइंडीज को जीत, सीरीज 1-1 से बराबर

एजेंसी

तीन डब्ल्यूज ओवल (बारबाडोस)। वेस्टइंडीज ने रविवार को कप्तान हेली मैथ्यूज की नाबाद अर्धशतकीय पारी (63*) और अफी फ्लेचर व करिश्मा रामहरक की घातक गेंदबाजी के दम पर दक्षिण अफ्रीका को छह विकेट से हराकर तीन मैचों की टी20 सीरीज 1-1 से बराबर कर ली। अब सीरीज का निर्णायक मुकाबला सोमवार को खेला जाएगा। टॉस हारकर पहले बल्लेबाज़ी करने उतरी दक्षिण अफ्रीकी टीम की शुरुआत अच्छी रही। कप्तान लौरा वोल्वार्ड्ट और ताजमिन ब्रिट्स ने पहले विकेट के लिए 30 रन जोड़े। वोल्वार्ड्ट ने कुछ आकर्षक चौके लगाए लेकिन 16 रन बनाकर पवेलियन लौट गईं। हेली मैथ्यूज ने मरिज़ाने कैप को बिना खाता खोले आउट कर बड़ा झटका दिया। इसके बाद फ्लेचर ने कसी हुई गेंदबाजी करते हुए ब्रिट्स (14) को आउट किया और फिर नादिन डि क्लार्क (19) का भी विकेट लिया। करिश्मा रामहरक ने भी दो विकेट झटके। आखिरी ओवरों में अनेरी डर्कसेन (21*) और कराबो मेसो ने टीम को 113 रन तक पहुंचाया। 114 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज की शुरुआत भी अच्छी रही। किआना जोसेफ ने दो चौके लगाकर लय दी, जबकि मैथ्यूज धीरे-धीरे सेट होती गईं। जोसेफ के आउट होने के बाद कुछ विकेट जल्दी गिरे ऽ हेक्टर (3), कैंपबेल (7), और हेनरी (3) जल्द पवेलियन लौट गईं। हालांकि मैथ्यूज ने एक छोर संभाले रखा। आखिरी के ओवरों में जब टीम को 16 गेंदों में 12 रन चाहिए थे, तब उन्होंने खाका पर छक्का और चौका लगाकर मैच को लगभग खत्म कर दिया। अंत में जानिलिया ग्लासगो ने विजयी रन लगाए।

दो बार के ओलंपिक पदक विजेता ललित उपाध्याय ने लिया संन्यास, हॉकी इंडिया ने दी बधाई

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय हॉकी टीम के अनुभवी फॉरवर्ड और दो बार के ओलंपिक पदक विजेता ललित उपाध्याय ने रविवार को अंतरराष्ट्रीय हॉकी से संन्यास की घोषणा कर दी। भारत ने बेल्जियम के खिलाफ एफआईएच प्रो लीग मुकाबले में 4-3 की जीत के साथ अपना सीजन खत्म किया, जिसके तुरंत बाद ललित ने सोशल मीडिया के जरिए अपने फैसले से सभी को अवगत कराया। ललित उपाध्याय ने भारत के लिए 183 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले और 67 गोल दागे। उन्हें भारतीय फॉरवर्ड लाइन का एक अहम और भरोसेमंद हिस्सा माना गया, जो अपनी बहुमुखी प्रतिभा, मैदान पर सूझबूझ और दबाव की घड़ी में संयमित खेल के लिए जाने जाते थे। 2014 हॉकी वर्ल्ड कप से पदार्पण करने वाले ललित ने टोक्यो 2020 ओलंपिक में ऐतिहासिक कांस्य पदक और पेरिस 2024 ओलंपिक में दोबारा कांस्य पदक जीतकर खुद को बड़े मुकाबलों का खिलाड़ी साबित किया। ओलंपिक के अलावा ललित भारत की 2016 एशियन चैंपियंस ट्रॉफी, 2017 एशिया कप (जिसमें उन्होंने चार गोल किए), 2018 एशियाई खेलों (कांस्य), 2018 पुरुष एशियन चैंपियंस ट्रॉफी (स्वर्ण), 2017 हॉकी वर्ल्ड लीग फाइनल (कांस्य) और 2018 एफआईएच चैंपियंस ट्रॉफी (रजत) जैसी कई अहम सफलताओं के भागीदार रहे। वे 2021-22 एफआईएच प्रो लीग में कांस्य और 2022 एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली टीम का भी हिस्सा थे। भारतीय हॉकी में उनके योगदान को देखते हुए उन्हें वर्ष 2021 में अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिले के छोटे से गांव से आने वाले ललित का सफर संघर्षों से भरा रहा। उन्होंने रविवार रात अपने फ़ेसबुक पोस्ट में लिखा, ''यह सफर एक छोटे से गांव से शुरू हुआ, जहां संसाधन सीमित थे, लेकिन सपने अनंत। एक स्टिंग ऑपरेशन से लेकर ओलंपिक पोडियम तक पहुंचना– वह भी दो बार, यह यात्रा चुनौतियों, सीख और गौरव से भरी रही। मेरे शहर से 26 साल बाद कोई ओलंपियन बनना मेरे लिए गर्व और आभार का विषय है। ललित ने अपने संन्यास संदेश में अपने परिवार, कोच परमानंद मिश्रा, एयर इंडिया में मौका देने वाले हरिंदर, मेंटर समीर और धनराज, बीपीसीएल, अपने साथियों, हॉकी इंडिया और राज्य सरकार का आभार प्रकट किया। उन्होंने उल्लेख किया कि उन्हें डीएसपी पद की जिम्मेदारी भी गर्व से निभानी है। ललित ने अपने संदेश में टीम इंडिया के कप्तान हरमनप्रीत सिंह को खासतौर पर याद करते हुए लिखा, ''हॉकी ने मुझे सबकुछ दिया और उसमें तुम (हरमनप्रीत) सबसे कीमती तोहफा हो, भाई। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष डॉ. दिलीप तिर्की ने ललित के योगदान पर कहा, ''ललित अपने दौर के सबसे स्टाइलिश और समर्पित फॉरवर्ड में से एक रहे हैं। ओलंपिक जैसे बड़े मंच पर हो या किसी लीग मैच में, उन्होंने हमेशा भारत के लिए गर्व और जज्बे के साथ खेला। वाराणसी की गलियों से ओलंपिक पोडियम तक की उनकी यात्रा प्रेरणादायक है। हम उनके योगदान के लिए आभार प्रकट करते हैं और उनके आगामी जीवन के लिए शुभकामनाएं देते हैं। हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने भी ललित की प्रशंसा करते हुए कहा, ''ललित ना केवल मैदान पर निर्भीक खिलाड़ी रहे, बल्कि मैदान के बाहर भी बेहद विनम्र इंसान हैं। उनकी निरंतरता, तकनीक और बड़े मुकाबलों में प्रदर्शन करने की क्षमता ने उन्हें टीम की रीढ़ बनाया। हॉकी इंडिया को उनके योगदान पर गर्व है और हम उनके शानदार करियर को हमेशा याद रखेंगे।

व्यापार लाइसेंसिंग प्रक्रिया से दिल्ली पुलिस को हटाने का निर्णय ऐतिहासिक: खंडेलवाल

सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने कहा-दिल्ली के 4 लाख छोटे बड़े व्यवसायों को मिलेगा लाभ

एजेंसी

नई दिल्ली। चांदनी चौक से सांसद एवं कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने सोमवार को विभिन्न तरह के व्यापार को लाइसेंसिंग एवं एनओसी प्रक्रिया से दिल्ली पुलिस को हटाने के फैसले का स्वागत किया है। खंडेलवाल ने कहा कि इससे दिल्ली के 4 लाख के लगभग छोटे बड़े व्यवसायों को लाभ मिलेगा। प्रवीण खंडेलवाल ने दिल्ली के मुख्यमंत्री के इस निर्णय को ऐतिहासिक और दूरदर्शी बताते हुए कहा कि यह व्यवसाय सुगमता की दिशा में एक शानदार कदम है। व्यापार लाइसेंसिंग प्रणाली से पुलिस की भूमिका को समाप्त करना पारदर्शी, भ्रष्टाचार-मुक्त और प्रभावी प्रशासन की ओर बढ़ने जैसा हैं, जिससे उद्यमियों को सशक्त बनाया जाएगा और आर्थिक गतिविधियों को गति मिलेगी। मुख्यमंत्री का यह निर्णय न केवल अनावश्यक नौकरशाही बाधाओं को समाप्त करेगा, बल्कि पुलिस को भी उनके मुख्य, कर्तव्यों कानून व्यवस्था बनाए रखने, अपराध रोकने और महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने पर पूरी तरह ध्यान केंद्रित करने में सक्षम बनाएगा। संशोधित व्यवस्था के अनुसार होटल, गेस्ट हाउस, रेस्टोरेंट, मोटल, स्विमिंग पूल, वीडियो गेम पार्लर, डिस्कोथेक, ऑडिटोरियम और मनोरंजन पार्क जैसे व्यवसायों के लाइसेंस और एनओसी अब शहरी स्थानीय निकायों से जारी किए जाएंगे। व्यापारिक समुदाय पुलिस आधारित लाइसेंस प्रणाली में देरी और भ्रष्टाचार के आरोपों से जुड़ी इन मांगों को लंबे समय से उठा रहा था।

ईरान पर अमेरिकी हमले के बाद कच्चे तेल का भाव 2 फीसदी से ज्यादा उछला

एजेंसी

नई दिल्ली। ईरान में परमाणु ठिकानों पर अमेरिकी हमले का वैश्विक बाजार पर व्यापक असर देखने को मिल रहा है। अमेरिका की ओर से सप्ताहांत ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमले के बाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोमवार को कच्चे तेल के भाव में 2 फीसदी से ज्यादा की तेजी दर्ज की गई है, जो 80 डॉलर प्रति डॉलर के करीब पहुंच गया है। आने वाले समय में इसका व्यापक असर भारत में पेट्रोल और डीजल के दाम पर पड़ सकता है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान कच्चे तेल (क्रूड ऑयल) की कीमतों में 2 फीसदी से अधिक की तेजी दिखी है। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड की कीमत 1.92 डॉलर यानी 2.49 फीसदी उछलकर 78.93 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट क्रूड (डब्ल्यूटीआई) 1.89 डॉलर यानी 2.56 फीसदी बढ़कर 75.73 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है। जानकारों का कहना है कि ईरान की संसद ने हाल ही में अमेरिकी हवाई हमलों के जवाब में स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को बंद करने का प्रस्ताव पास किया है। अगर ईरान स्ट्रेट ऑफ होर्मुज बंद करता है, तो इसका असर भारत में पेट्रोल-डीजल की कीमतों पर पड़ सकता है। दरअसल यह कच्चे तेल के व्यापार का अहम रास्ता है। इस खबर के बाद क्रूड ऑयल का भाव बढ़कर 80 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गया है। राजधानी नई दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 94.72 रुपये, मुंबई में 104.21 रुपये, कोलकाता में 103.94 रुपये और चेन्नई में 100.75 रुपये प्रति लीटर है। वहीं, डीजल का भाव दिल्ली में 87.62 रुपये, मुंबई में 92.15 रुपये, कोलकाता में 90.76 रुपये और चेन्नई में 92.34 रुपये प्रति लीटर है। हालांकि, सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने पेट्राल और डीजल के दाम में अभी इजाफा नहीं किया है, लेकिन क्रूड ऑयल के दाम बढ़ने पर तेल कंपनियों को पेट्रोलियम पदार्थों के दाम बढ़ाने पड़ सकते हैं, क्योंकि भारत अपनी कच्चे तेल जरूरतों का बड़ा हिस्सा इंपोर्ट करता है।

आइडियाफोर्ज को भारतीय सेना से करीब 137 करोड़ रुपये का ड्रोन ऑर्डर मिला

नयी दिल्ली। ड्रोन प्रौद्योगिकी कंपनी आइडियाफोर्ज टेक्नोलॉजी ने आपातकालीन खरीद मार्ग के जरिये भारतीय सेना से हाइब्रिड लघु मानव रहित हवाई वाहन प्रणालियों (ड्रोन) के लिए लगभग 137 करोड़ रुपये का ऑर्डर हासिल किया है। कंपनी ने सोमवार को यह जानकारी दी। आइडियाफोर्ज ने कहा कि मानव रहित हवाई वाहन (यूएवी) के चयन के लिए मूल्यांकन के दौरान एक प्रमुख आवश्यकता यह थी कि सभी महत्वपूर्ण उप-कलपुर्जों को सीमा साझा नहीं करने वाले देशों से हासिल किया जाना चाहिए। इसके साथ ही यह मंच क्षमता और डिजाइन में काफी हद तक स्वदेशी होना चाहिए।

सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट, सोना और चांदी की घटी कीमत

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज मामूली गिरावट नजर आ रही है। भाव में कमजोरी आने के कारण आज देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 1,00,740 रुपये से लेकर 1,00,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 92,340 रुपये से लेकर 92,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। सोना की तरह ही चांदी के भाव में आज गिरावट दर्ज की गई है, जिसके कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 1,09,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,00,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 92,490 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,00,740 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 92,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,00,790 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 92,390 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,00,740 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 92,340 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 1,00,740 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 92,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,00,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 92,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,00,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 92,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,00,890 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 92,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में मामूली कमजोरी दर्ज की गई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 1,00,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 92,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

संक्षिप्त समाचार

पृथ्वी ने एमसीए को पत्र लिखकर मुंबई छोड़ने की स्वीकृति मांगी

मुंबई। भारतीय टीम से बाहर चल रहे बल्लेबाज पृथ्वी साव अपनी घरेलू टीम मुंबई से रिश्ता तोड़ना चाहते हैं और उन्होंने मुंबई क्रिकेट संघ (एमसीए) से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) मांगा है जिससे कि एक क्रिकेटर के रूप में प्रगति और विकास के लिए नई घरेलू टीम से अनुबंध कर सकें। पृथ्वी पिछले कुछ समय से लाल गेंद की टीम से बाहर हैं लेकिन उन्होंने सफ़ेद गेंद (सीमित ओवरों के प्रारूप) की क्रिकेट खेली है। हालांकि उनके मैदान के बाहर के अनुशासनात्मक मुद्दों ने मैदान पर उनके प्रदर्शन से अधिक सुर्खियां बटोरी हैं। एमसीए के एक वरिष्ठ अधिकारी ने सोमवार को पुष्टि की कि संघ को पृथ्वी का पत्र मिला है जिसमें स्थानांतरण के लिए एनओसी की मांग की गई है। एमसीए सूत्र ने बताया, ''हां, हमें उनका पत्र मिला है और इसे स्वीकृति के लिए शीर्ष परिषद को भेज दिया गया है। उम्मीद है कि शाम तक इस पर निर्णय लिया जाएगा। इस 25 वर्षीय खिलाड़ी ने एमसीए को भेजे पत्र में कहा कि वह मुंबई टीम में बिताए समय के लिए आभारी हैं लेकिन अब आगे बढ़ना चाहते हैं। उन्होंने 2017 में मुंबई के लिए पदार्पण किया था। पृथ्वी ने कहा, ''मैं इस अवसर पर मुंबई क्रिकेट संघ (एमसीए) को ईमानदारी से धन्यवाद देना चाहता हूं जिन्होंने संघ का प्रतिनिधित्व करने के दौरान मुझे बहुमूल्य अवसर और अटूट समर्थन दिया। उन्होंने कहा, ''एमसीए ढांचे का हिस्सा बनना बेहद सम्मान और सौभाग्य की बात है और मैं यहां प्राप्त अनुभव के लिए बहुत आभारी हूं। इसके बाद उन्होंने टीम छोड़ने की इच्छा के अपने कारण बताए। पृथ्वी ने कहा, ''मेरे करियर के इस मोड़ पर मुझे एक अन्य राज्य संघ के तहत पेशेवर क्रिकेट खेलने का एक शानदार अवसर मिला है जो मुझे विश्वास है कि एक क्रिकेटर के रूप में मेरे विकास और प्रगति में और योगदान देगा। उन्होंने कहा, ''इसके मद्देनजर मैं आपसे विनम्र अनुरोध करता हूं कि मुझे अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) जारी करें जो मुझे आगामी घरेलू सत्र में आधिकारिक रूप से नए राज्य संघ का प्रतिनिधित्व करने में सक्षम बनाएगा। पृथ्वी ने कहा कि उन्होंने यह निर्णय 'सावधानीपूर्वक विचार करने और एमसीए के प्रति अत्यंत सम्मान के साथ' लिया है। भारत के लिए पांच टेस्ट और छह एकदिवसीय मैच खेलने वाले पृथ्वी को पिछले साल खराब फिटनेस और अनुशासन की कमी के कारण मुंबई रणजी टीम से बाहर कर दिया गया था। रणजी ट्रॉफी के बाकी सत्र से बाहर रहने के बाद पृथ्वी ने आखिरी बार मुंबई के लिए प्रीमियर घरेलू टूर्नामेंट सैयद मुश्ताक अली टी20 ट्रॉफी के फाइनल में मध्य प्रदेश के खिलाफ खेला था जिसमें उनकी टीम ने पांच विकेट से जीत दर्ज की थी। पृथ्वी की फिटनेस और अनुशासन की पिछले सत्र में ना केवल प्रशासकों ने कड़ी आलोचना की थी बल्कि सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में मुंबई को खिताब दिलाने वाले श्रेयस अय्यर भी थोड़े नाखुश दिखे।

भारतीय शूटिंग स्टार्स ने ओलंपिक डे पर मनाया जश्न, लॉस एंजेलिस में कामयाबी की जताई उम्मीद

नई दिल्ली। भारतीय शूटिंग दल ने सोमवार को ओलंपिक डे के अवसर पर जश्न मनाया और आने वाले ओलंपिक खेलों में देश के लिए और अधिक पदक जीतने का विश्वास जताया। पेरिस ओलंपिक 2024 में भारत ने शूटिंग की सभी 15 स्पर्धाओं में भाग लेने के लिए 21 सदस्यीय दल भेजा था। इस दौरान मनु भाकर ने इतिहास रचते हुए महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल और 10 मीटर एयर पिस्टल मिक्स्ड टीम इवेंट (सरबजोत सिंह के साथ) में दो पदक जीतकर एक ही ओलंपिक संस्करण में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बनीं। स्वप्नील कुसाले ने पुरुषों की 50 मीटर राइफल 3 पोजिशन में भारत को एकमात्र पदक दिलाया। 2024 ओलंपिक में भारत के कुल छह पदकों में से तीन पदक शूटिंग से आने के बाद इस खेल की लोकप्रियता देशभर में तेजी से बढ़ी और भारतीय निशानेबाजों को वैश्विक स्तर पर बड़ी पहचान मिली। हाल ही में म्यूनिख में संपन्न हुए आईएसएसएफ वर्ल्ड कप 2025 में भी भारतीय निशानेबाजों ने दो स्वर्ण और दो कांस्य समेत कुल चार पदक जीतकर अपना शानदार फॉर्म जारी रखा। अब खिलाड़ियों की नजरें 2028 में लॉस एंजेलेस में होने वाले अगले ओलंपिक खेलों पर टिकी हैं। पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाले निशानेबाज सरबजोत सिंह ने कहा, ''यह दिन हम सभी के लिए बेहद खास है क्योंकि यह हमें उस मेहनत की याद दिलाता है जो हमने ओलंपिक जैसे बड़े मंच पर देश का प्रतिनिधित्व करने के लिए की थी। एक खिलाड़ी के लिए ओलंपिक में हिस्सा लेना ही सबसे बड़ी उपलब्धि होती है और जब आप वहां पदक जीतते हैं, तो वह पल जीवनभर याद रहता है।'' 23 वर्षीय सरबजोत ने आगे कहा, ''पेरिस ओलंपिक और हाल के शूटिंग टूर्नामेंट्स में मिली सफलता ने हम सभी के भीतर नई ऊर्जा भर दी है। हम पूरे आत्मविश्वास के साथ कह सकते हैं कि लॉस एंजेलिस ओलंपिक में भारतीय निशानेबाज और भी ज्यादा पदक जीतकर देश का गौरव बढ़ाएंगे। ओलंपिक पदक विजेता स्वप्नील कुसाले ने भी सरबजोत की भावना को साझा करते हुए कहा, ''पिछले साल ओलंपिक में मिली सफलता के कारण इस बार ओलंपिक डे मनाना और भी खास लग रहा है। अब लगता है कि पूरे देश की निगाहें हम पर हैं और हर कोई हमारी सफलता के लिए दुआ कर रहा है।

इंडोगल्फ क्रॉपसाइंसेज का आईपीओ 26 जून को खुलेगा, प्राइस बैंड 105-111 रुपये प्रति शेयर

मुंबई। फसल सुरक्षा उत्पाद बनाने वाली कंपनी इंडोगल्फ क्रॉपसाइंसेज लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) निवेशकों के लिए 26 जून को खुलेगा और 30 जून को बंद होगा। कंपनी ने इसके लिए मूल?य का दायरा (प्राइस बैंड) 105-111 रुपये प्रति शेयर तय किया है। इंडोगल्फ क्रॉपसाइंसेज लिमिटेड ने सोमवार को आईपीओ प्रेस वर्चुअल मीट में बताया कि 10 रुपये अंकित मूल?य वाले अपने पहले आरंभिक सार्वजनिक निर्गम के लिए मूल?य का दायरा (प्राइस बैंड) 105-111 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। कंपनी ने कहा कि ये आईपीओ 26 जून को खुलेगा और 30 जून को बंद होगा। इसमें निवेश करने के लिए बड़े (एंकर) निवेशक 25 जून को बोली लगा पाएंगे। यह कंपनी का पहला आईपीओ है।

स्वामी मुद्रक प्रकाशक एवं सम्पादक हरिनाथ सिंह द्वारा टिनटिन प्रिन्टेक प्राइवेट लिमिटेड डी-33 अमौसी इण्डस्ट्रीयल एरिया, नादरगंज, लखनऊ से मुद्रित एवं 1/39 प्रथम तल करामत मार्केट निशातगंज, लखनऊ से प्रकाशित, सम्पर्क-522-4064242

Email: noidarp@gmail.com, therptimes@yahoo.com, 9918735329 * इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

सूचना

पाठकों को सुझाव दिया जाता है, कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले स्वयं उचित जाँच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावें की साई का आश्वासन नहीं देता तथा ऐसे विज्ञापनों पर विश्वास करके किसी भी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि, परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

बेतवा नदी का जल स्तर बढ़ा,खनन कर रहे पांच मजदूर टापू पर फंसे

■ पुलिस व प्रशासन के अधिकारियों ने रेस्क्यू करा सकुशल बाहर निकाला

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

झांसी। मप्र व झांसी के आसपास पिछले कुछ दिनों से हो रही बारिश के चलते बेतवा नदी का जल स्तर लगातार बढ़ रहा है। परीछा बांध से पानी छोड़े जाने के बाद एकाएक सोमवार सुबह नदी का जलस्तर बढ़ गया। इसके चलते मोंठ थाना क्षेत्र स्थित सौजना घाट में बालू की लिफ्ट मशीन पर कार्य कर रहे कई मजदूर टापू पर फंस गए। सूचना पर प्रशासन व पुलिस बल मौके पर पहुंचा और करीब पांच घंटे चले रेस्क्यू के बाद गोताखोरों की मदद से तेज बहाव के बीच फंसे मजदूरों को सकुशल बाहर निकाल लिया गया। एसपी सिटी ज्ञानेंद कुमार सिंह ने बताया कि मोंठ थाना क्षेत्र के सौजना घाट बेतवा नदी में बालू निकालने का कार्य लिफ्टर मशीन से किया जा रहा था। मशीन पर ललितपुर जिले के ग्राम लागोंन निवासी कृष्णदेव, मऊरानीपुर के धवाकर निवासी सचिन कुशवाह, छत्रपाल तथा शाहजहांपुर के सोमेंद्र प्रताप व खुशीराम कार्य कर रहे थे। रात अधिक होने पर वह उसी बालू घाट पर सो गए। इस बीच बीते दिनों से लगातार हो रही तेज बारिश से बांध भर गए और परीछा बांध से छोड़े गए पानी के कारण बेतवा नदी में पानी का स्तर बढ़ गया। सुबह करीब साढ़े चार बजे पांचों मजदूरों की आंख खुली तो खुद को पानी के बीच टापू में फंसा पाया। बढ़ते पानी में जब मजदूर डूबने लगे तो जान बचाने के लिए चीख पुकार मचा दी। मजदूरों की चीख सुनकर तड़के पांच बजे लोगों ने डायल 112 को सूचना दी। मजदूरों के नदी में फंसे होने की सूचना पर मोंठ एसडीएम, सीओ के साथ थाना पुलिस बल मौके पर पहुंच गया। अधिकारियों ने गोताखोरों को ट्यूब और नाव लेकर टापू तक भेजा और सभी पांच मजदूरों को सकुशल करीब पांच घंटे के रेस्क्यू के बाद निकाल जा सका। मप्र व झांसी के आसपास के क्षेत्र में पिछले एक सप्ताह से लगातार बारिश हो रही है। इससे बेतवा नदी का जलस्तर बढ़ गया और झांसी का पारीछा बांध भर गया। रविवार शाम को पारीछा बांध से 648 क्यूसेक पानी छोड़ा गया था। इसके बाद सोजना घाट पर जलस्तर बढ़ गया। आज भी बांध से 23 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है।

रेलवे ट्रैक के पास मिला अज्ञात अधेड़ का क्षत-विक्षत शव

मीरजापुर। चुनार थाना क्षेत्र के समसपुर स्थित एपेक्स हॉस्पिटल के सामने सोमवार सुबह रेलवे ट्रैक के पास एक 55 वर्षीय अज्ञात अधेड़ का क्षत-विक्षत शव मिला। आशंका जताई जा रही है कि अधेड़ की मौत ट्रेन की चपेट में आने से हुई है, हालांकि पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है। कोतवाल रविंद्र भूषण मौर्य ने बताया कि घटना देर रात की है। सुबह टहलने निकले स्थानीय लोगों ने रेलवे ट्रैक के किनारे शव को क्षत-विक्षत हालत में देखा और तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही चुनार पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर शिनाख्त का प्रयास शुरू किया। मृतक ने सफ़ेद शर्ट और नीला लोअर पहन रखा था। मौके पर कोई पहचान संबंधी दस्तावेज नहीं मिलने से उसकी पहचान नहीं हो सकी है।

27 वर्षों से फरार हत्या का आरोपित पचास हजार का इनामी गुजरात से गिरफ्तार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

वाराणसी। लंका थाना क्षेत्र में 27 वर्ष पूर्व एक निजी अस्पताल के प्रशासनिक अधिकारी की हत्या के मामले में फरार चल रहे पचास हजार के इनामी बदमाश को वाराणसी पुलिस ने गुजरात से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी पिछले लगभग तीन दशकों से फरार था और गुजरात में अपनी पहचान छुपाकर रह रहा था। सोमवार को गिरफ्तार बदमाश को लंका थाने में मीडिया के सामने पेश किया गया। डीसीपी क्राइम सरवणन टी ने बताया कि यह मामला 17 अप्रैल 1997 का है, जब लंका स्थित हेरिटेज अस्पताल में तत्कालीन प्रशासनिक अधिकारी विधानचन्द तिवारी (27) अस्पताल परिसर में मारुति जेन कार के बोनट पर फाइलों पर दस्तखत कर रहे थे। इसी दौरान अचानक आए दो अज्ञात हमलावरों ने उन पर ताबड़तोड़ गोलियां चला दीं। गोली लगते ही तिवारी की मौके पर ही मृत्यु हो गई, जबकि घटना में राजेश कुमार और महंथ यादव घायल हो गए थे। हमले के बाद राजेश कुमार द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि उसी दिन इन बदमाशों ने नैपुरा कला क्षेत्र में मायाराम उर्फ मायालू पर भी जानलेवा हमला किया था। पुलिस टीम के छानबीन और विवेचना में दोनों वारदात में सीर गोवर्धनपुर लंका निवासी बालेन्द्र सिंह उर्फ बल्ला पुत्र हरेन्दर,भगवतीपुर निवासी कल्लू सिंह उर्फ त्रिभुवन पुत्र सिद्धनारायण सिंह उर्फ सिद्धि का नाम प्रकाश में आया । कुछ दिन बाद शातिर बालेन्दर उर्फ बल्ला को अलीनगर जनपद चन्दौली पुलिस ने मुठभेड़ में ढ़ेर कर दिया। जबकि कल्लू सिंह न्यायालय से वारंट जारी होने के बाद से ही फरार चल रहा था। 27 वर्षों तक फरार रहने के दौरान कल्लू सिंह ने गुजरात में पहचान छुपाकर जीवन बिताया। हाल ही में उसकी सटीक लोकेशन ट्रेस होने के बाद लंका थाना पुलिस की एक विशेष टीम गुजरात रवाना हुई। वहां के स्थानीय पुलिस के सहयोग से कल्लू को दबोच लिया गया। गिरफ्तारी के बाद उसे वाराणसी लाया गया।

डॉ. मुखर्जी राष्ट्रीय एकता व अखण्डता के थे श्रेष्ठ नायक : अमर पाल मौर्य

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

सुल्तानपुर। भारतीय जनसंघ के संस्थापक,अखंड भारत के स्वप्नद्रष्टा डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी का संपूर्ण जीवन राष्ट्रीय एकता-अखंडता के लिए समर्पित रहा।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने धारा 370 व 35 ए को समाप्त कर डॉ मुखर्जी के सपनों को साकार किया है। भाजपा प्रदेश महामंत्री व राज्यसभा सांसद अमर पाल मौर्य ने नगर के भाजपा जिला कार्यालय पर जिलाध्यक्ष सुशील त्रिपाठी की अध्यक्षता में आयोजित संगोष्ठी को संबोधित करते हुए सोमवार को यह बाते कहीं। श्री मौर्य ने उनके व्यक्तित्व व कृतित्व पर विस्तृत चर्चा करते हुए कहा कि उनका ओजस्वी व्यक्तित्व देश की हर पीढ़ी को प्रेरित करता रहेगा। यह भी कहा कि डॉ. मुखर्जी ने राष्ट्र सेवा में अपना सर्वोच्च बलिदान दिया था। सुशील त्रिपाठी ने सभी का धन्यवाद व आभार प्रकट किया। संचालन जिला महामंत्री विजय त्रिपाठी ने किया। इसके पहले भाजपा कार्यकर्ताओं ने जिला पंचायत गेट स्थित डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के 72 वें बलिदान दिवस पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। मुख्य अतिथि सांसद अमर पाल मौर्य के कार्यालय पहुंचने पर कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। उन्होंने कार्यालय परिसर में पौधरोपण भी किया। कार्यक्रम में पूर्व क्षेत्रीय अध्यक्ष डॉ एमपी सिंह, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष संतबख्श सिंह चुन्नू, पूर्व मंत्री ओम प्रकाश पाण्डेय, डॉ आरए वर्मा,पूर्व जिलाध्यक्ष जगजीत सिंह छंगू,डॉ सीताशरण त्रिपाठी, एमएलसी शैलेन्द्र प्रताप सिंह, विनोद सिंह,राज प्रसाद उपाध्याय,राजेश गौतम,प्रवीन कुमार अग्रवाल, योगेंद्र सिंह,कृपा शंकर मिश्रा, गांधी सिंह,आशीष सिंह रानू,बबिता तिवारी,आनन्द द्विवेदी, विजय रघुवंशी, संदीप सिंह,बबिता जायसवाल,रेखा निषाद,अजय सिंह लीडर,रीना जायसवाल,राजेश सिंह,प्रदीप शुक्ला, विवेक सिंह,मनोज मौर्य,संजय सोमवंशी,संजय त्रिलोकचंदी, रूपेश सिंह,मनीषा पांडेय,किन्नू तिवारी,डॉ रामजी गुप्ता,एलके दूबे, अरुण सिंह समेत सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

गड़बड़ा धाम में आषाढ़ त्रयोदशी पर उमड़े श्रद्धालु

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

मीरजापुर। हलिया विकास खंड के प्रसिद्ध गड़बड़ा धाम में सोमवार को आषाढ़ कृष्ण पक्ष त्रयोदशी के अवसर पर श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। मां शीतला के दरबार में दर्शन-पूजन हेतु करीब पचास हजार से अधिक श्रद्धालु पहुंचे। श्रद्धा से सराबोर भक्तों की कतारें मंदिर की गलियों से लेकर सेवटी नदी के घाट तक दिखाई दीं। पूरा धाम जयकारों और भक्ति रस से गुंजायमान रहा। भोर में हुई मां की भव्य मंगला आरती के पूर्व से ही महिला, पुरुष और बच्चे लंबी कतारों में मंदिर पहुंचने लगे। श्रद्धालु माला, फूल, नारियल, चुनरी व प्रसाद लेकर मां के दरबार में पहुंचे और परिवार की सुख-शांति व समृद्धि की कामना की। मेला क्षेत्र की गलियां भक्तों की भीड़ से खचाखच भरी रहीं। बीते शुक्रवार की रात हुई भारी बारिश के कारण सेवटी नदी पर बनी पुलिया क्षतिग्रस्त हो गई, जिससे गड़बड़ा धाम तक पहुंचने वाले गलरा मार्ग पर आवागमन बाधित हो गया। पुलिया टूटने से श्रद्धालुओं को लगभग पांच किलोमीटर का अतिरिक्त मार्ग तय कर मंदिर तक पहुंचना पड़ा। इससे स्थानीय लोगों के साथ-साथ दूरदराज से आए दर्शनार्थियों को भी काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। गड़बड़ा धाम की ओर जाने वाले दोनों मुख्य मार्गों पर बारिश का पानी भर जाने से कीचड़ और फिसलन की स्थिति बन गई है।

संपादक मण्डल

संस्थापक/संरक्षक
संजीव श्रीवास्तव

प्रधान संपादक
हरिनाथ सिंह

समूह संपादक
डॉ. सुशीलचन्द्र त्रिवेदी 'मधुपेश'

स्थानीय संपादक
दिनेश कुमार गर्ग

सलाहकार संपादक
डा. एम.ए.ए.खान (लखनऊ)
(आई.ए.एस. से.नि.)
डा. ओम प्रकाश
(आई.ए.एस. से.नि.)

स्थानीय संपादक नोएडा/एनसीआर
समन्वय संपादक
आशुतोष रंजन

समन्वय संपादक/महाप्रबंधक
अनिल तिवारी

साहित्यक संपादक
आर.पी. शुक्ल, आई.ए.एस(से नि.)

आध्यात्मिक संपादक
श्री राम महेश मिश्र

सह संपादक
ताहिर इकबाल
आई.ए.एस (से नि.)

सह संपादक
मेजर. के. किशोर

सह संपादक
हरीशंकर शुक्ल (पी.पी.एस. से.नि.)

उप सम्पादक
प्रभात वर्मा

स्टेट क्वार्डिनेटर
विपिन सोनी

संपर्कमुख्यालय
कार्यालय फोन नं. : 0522-46 43988
www.rashtriyaprastavana.com
ईमेल : noidarp@gmail.com
प्रधान कार्यालय : - एफ1/39 प्रथम तल करामत मार्केट निशांतगंज लखनऊ,(उप्र)

कन्नौज : प्रेमिका की गोली मारकर हत्या के बाद प्रेमी ने कर ली खुदकुशी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कन्नौज। जिले के सौरिख थाना क्षेत्र में सोमवार को एक युवक ने अपनी प्रेमिका की गोली मारकर हत्या कर दी। उसने खुद को भी गोली से उड़ा दिया है। दोहरे हत्याकांड की खबर मिलते ही सूचना पाकर एसपी विनोद कुमार पुलिस फोर्स के साथ घटना स्थल की जांच की। मृतक के पिता की लाइसेंसी बंदूक भी पुलिस ने कब्जे में ले ली है। सुलतानपुर गांव की रहने वाली दीप्ति (22) का पड़ोसी गांव कुठीला निवासी देवांश (25) से पिछले तीन सालों से प्रेम प्रसंग चल रहा था। इसकी जानकारी लड़की के घरवालों को हुई तो उन्होंने 15 दिन पहले उसकी शादी औरैया जिले के चिट्ठा गांव निवासी अनिकेश से तय कर दी। अनिकेश लालग्राम में ही मेडिकल स्टोर चलाता है। जब यह बात देवांश को पता चली तो उसने अनिकेश को दीप्ति से शादी न करने के लिए धमकाया। अनिकेश ने पूरे मामले की जानकारी दीप्ति के पिता को दी। रविवार को नगला मजनू गांव में हुई पंचायत में देवांश ने दीप्ति से सारे रिश्ते खत्म करने और दोबारा परेशान न करने का वादा किया। सोमवार सुबह चार बजे देवांश ने अपने पिता की लाइसेंसी 12 बोर की बंदूक लेकर दीप्ति के घर पहुंचा। दीप्ति अपनी छोटी बहन के साथ घर की छत पर सो रही थी। देवांश ने सिर में गोली मारकर प्रेमिका की हत्या कर दी। गोली की आवाज सुनकर परिवार वाले छत पर पहुंचे, तब तक देवांश वहां से भाग चुका था। इस बीच सूचना पर पुलिस पहुंची और प्रेमी को खोजने लगी। तभी खबर मिली कि देवांश ने गांव के किनारे तालाब के पास खुद को भी गोली मार कर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने मौके से लाइसेंसी बंदूक और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। देवांश के पिता महिपाल सिंह फौज से रिटायर हैं। घटना के बाद से ही देवांश का परिवार घर में ताला डालकर फरार है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि सौरिख थाना क्षेत्र में एक युवक ने अपनी प्रेमिका की हत्या करने के बाद खुद की गोली मारकर खुदकुशी कर ली है। घटना के बाद से लड़के का परिवार फरार है, जिसकी तलाश में टीम को लगाया गया है।

देश की एकता और अखंडता के लिए डॉ. मुखर्जी ने अपना जीवन बलिदान किया : पूर्व शिक्षा मंत्री

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बस्ती। भारतीय जनसंघ के संस्थापक और महान राष्ट्रवादी चिंतक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि (बलिदान दिवस) के अवसर पर सोमवार को भारतीय जनता पार्टी ने पार्टी कार्यालय में एक संगोष्ठी का आयोजन कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्य अतिथि पूर्व शिक्षा मंत्री डॉ. सतीश द्विवेदी ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने देश की एकता और अखंडता के लिए अपना जीवन बलिदान कर दिया। डॉ. सतीश द्विवेदी ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने स्वतंत्र भारत की पहली सरकार में महात्मा गांधी के आह्वान पर योगदान दिया, लेकिन तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की नीतियों से असहमति के चलते वे सरकार से अलग हो गए। उन्होंने कहा कि डॉ. मुखर्जी और डॉ. बी.आर. अंबेडकर को उपेक्षित किया गया, वह स्वतंत्र भारत की राजनीति का एक दुर्भाग्यपूर्ण पक्ष रहा। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र ने कहा कि पार्टी 23 जून से छह जुलाई तक डॉ. मुखर्जी की पुण्यतिथि से लेकर जन्मतिथि तक विशेष कार्यक्रमों का आयोजन बूथ स्तर तक करेगी। 27 जून को सभी शक्ति केंद्रों पर बूथ अध्यक्षों की बैठक होगी। 29 जून को ''एक पेड़ मां के नाम'' अभियान के तहत प्रत्येक बूथ पर वृक्षारोपण कर डॉ. मुखर्जी को श्रद्धांजलि दी जाएगी और 'मन की बात' कार्यक्रम का सामूहिक श्रवण भी होगा। इसके साथ ही पूरे जुलाई महीने पर्यावरण संरक्षण के लिए वृक्षारोपण अभियान जारी रहेगा। इस अवसर पर पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं ने डॉ. मुखर्जी के राष्ट्रवादी विचारों, जम्मू-कश्मीर के पूर्ण एकीकरण के लिए उनके बलिदान और भाजपा की वैचारिक नींव को मजबूत करने में उनके ऐतिहासिक योगदान को भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर राम सिंगार ओझा, आशा सिंह, अनूप खरे, सहित कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मुठभेड़ में दो शातिर चोर गिरफ्तार गोली लगने से हुए घायल

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

फिरोजाबाद। थाना रसूलपुर पुलिस ने दो शातिर चोर को मुठभेड़ में गिरफ्तार किया है। दोनों अभियुक्त पैर में गोली लगने से घायल हुए हैं और उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अपर पुलिस अधीक्षक नगर रवि शंकर प्रसाद ने सोमवार को बताया कि थाना दक्षिण में 4 अप्रैल को पीड़ित से लिफ्ट मांगकर उसकी जेब से रुपये चोरी करने के सम्बन्ध मुकदमा दर्ज किया गया था। वहीं एक मई को भी इसी तरह की घटना थाना दक्षिण क्षेत्र में फिर सामने आई। इस बार एक युवक से लिफ्ट मांगकर उसकी जेब से रुपये चोरी के सम्बन्ध में मुकदमा दर्ज किया। इसी तरह 14 मई को मुन्नालाल से अज्ञात युवकों ने मोटर साइकिल से लिफ्ट मांग कर रास्ते में लूटपाट कर 49 हजार रूपये छीन ले गये थे। पीड़ित की तहरीर पर इस संबंध में रसूलपुर थाना में मुकदमा दर्ज किया गया था। लिफ्ट मांग कर चोरी व लूटपाट की घटनाओं के प्रकरणों के सामने आने पर जांच की गई। एक ही तरह के प्रकरणों की विवेचना में एक गिरोह के दो शातिर अभियुक्तगणों के नाम प्रकाश में आए। जिसके आधार पर अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमें लगाई गई। एएसपी नगर ने बताया कि रविवार देर रात थाना प्रभारी रसूलपुर प्रदीप कुमार पुलिस टीम के साथ क्षेत्र में गश्त कर रहे थे। तभी सूचना मिली कि विभिन्न चोरी व अन्य घटनाओं को अंजाम देने वाले अभियुक्तगण बरकतपुर रेलवे अण्डरपास पुल के पास किसी अन्य घटना को अंजाम देने की फिराक में घूम रहे हैं। इस सूचना पर पुलिस ने चेकिंग शुरू की। इस बीच मोटरसाइकिल सवार संदिग्धों ने पुलिस टीम को देख फायरिंग करने लगे। जबावी कार्यवाही में दोनों अभियुक्तगण पैर में गोली लगने से घायल हो गये और उन्हें पकड़ लिया गया। घायल अभियुक्तों की पहचान अर्जुन उर्फ घोड़ा पुत्र मुन्ना व दीपक उर्फ गुल्ला निवासीगण विष्णुपुरा थाना बाह जिला आगरा के रुप में हुई हैं। पूछताछ में दोनों ने बीते कुछ माह से फिरोजाबाद में हो रहीं विभिन्न चोरी व अन्य घटनाएं करना स्वीकार किया। अभियुक्तों के कब्जे से दो अवैध तमंचा 315 बोर, दो खोखा व चार जिन्दा कारतूस 315 बोर, विभिन्न चोरी की घटनाओं में चोरी किये 41,200 रूपये एवं एक अपाचे बाइक बिना नम्बर प्लेट बरामद की गई हैं। एएसपी ने बताया कि घायल अभियुक्तों को पुलिस अभिरक्षा में उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गिरफ्तार अभियुक्तों का आपराधिक इतिहास खंगालते हुए अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।

खरीफ सीजन : बरसात के साथ सक्रिय हुए अन्नदाता, खेतों पर हलचल शुरू

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

झांसी। झांसी सहित आसपास के क्षेत्रों में अच्छी वर्षा हो रही है, जिससे खेतों की मिट्टी अब नरम हो गई है। इस स्थिति को देखते हुए किसान भाइयों को खेतों की तैयारी में तेजी लाने की सलाह दी जा रही है। रानी लक्ष्मीबाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, झाँसी के निदेशक प्रसार शिक्षा डॉ सुशील कुमार सिंह ने इस समय को खरीफ मौसम की खेती की तैयारी करने के लिए अनुकूल बताया है। सब्जी उत्पादकों के लिए सुझाव दिया गया कि जो किसान मिर्च, बैंगन, टमाटर जैसी सब्जी की खेती करना चाहते हैं, वे नर्सरी तैयार कर सकते हैं। जिन किसानों की नर्सरी तैयार हो गई वे रोपाई कर सकते हैं। इस समय रोपी गई सब्जियां अगस्त माह तक उत्पादन देने लगेंगी, जिससे समय पर बाजार में उनकी अच्छी मांग व कीमत मिलने की संभावना है। फल लगाने की योजना बना रहे किसान 1 मीटर लंबा व चौड़ा तथा 1 मीटर गहरा गड्ढा खोदें। उसमें आधी मात्रा में सड़ी गोबर की खाद और आधी मात्रा में मिट्टी मिलाकर भराव करें। इस कार्य के लिए यह समय अनुकूल है, क्योंकि वर्षा के कारण मिट्टी नरम रहती है, जिससे श्रम की बचत होती है। फलदार पौधों की रोपाई जुलाई से सितंबर तक की जा सकती है। धान की खेती करने वाले किसान प्राथमिकता के आधार पर नर्सरी तैयार करें, ताकि 15 जुलाई तक रोपाई का कार्य पूर्ण किया जा सके। समय पर पौध तैयार करना उत्पादन की गुणवत्ता और मात्रा दोनों के लिए आवश्यक है। बरसात के मौसम में बकरियों की विशेष देखभाल करें। बकरियों को गड्ढों में भरे गंदे व विशेषकर काली मिट्टी में जमा पानी पीने से रोकें, क्योंकि इससे उन्हें गंभीर स्वास्थ्य हानि हो सकती है। पशुपालक अपने पशुओं को हरा चारा (जैसे नेपियर/एपीजरी) अवश्य खिलाएं। कृषि विश्वविद्यालय द्वारा किसानों से अपील की गई है कि वर्षा की इस प्रारंभिक अवस्था में वे समय का सदुपयोग करते हुए खेतों की तैयारी, नर्सरी, रोपाई तथा पशुपालन संबंधी कार्यों को प्राथमिकता दें, ताकि खरीफ सीजन में बेहतर उत्पादन प्राप्त किया जा सके।